बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट

सोमवार 30 जून 2025

आषाढ़ शुक्ल 04 विक्रम सम्वत 2082

वर्ष 16, अंक 275

पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

दुनिया का करोड़पति भिखारी

मुंबई। भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई में दुनिया का ऐसा अनोखा भिखारी है। जो लगभग 7.5 करोड रुपए की संपत्ति का मालिक है। 40 साल से वह भीख मांगने का धंधा कर रहा है। इसकी संपत्ति मुंबई में लगभग 7.5 करोड रुपए की है। यह अमीर भिखारी भरत जैन के नाम से जाना जाता है। जैन समुदाय के लोग कभी भीख नहीं मांगते है। यह जैन भीख मांगने का धंधा करता है। इसने पिछले 40 वर्षों में करोड़ों रुपए की संपत्ति अर्जित की है। मुंबई के दो फ्लैट में इसका परिवार रहता है। जिनकी कीमत 1.4 करोड रुपए है। ठाणे के एक बहुत बडे कामर्शियल स्पेस का मालिक है। किराए के माध्यम से हजारों रुपए महीने की आय है। हजारों रुपए रोज यह भीख मे कमाता है। इसके बच्चे मुंबई के महंगे कान्वेंट स्कूल में पढ़ रहे हैं। भीख का धंधा होने के कारण इसका कोई खर्च नहीं है। भीख की कमाई को जोड़ जोड़कर यह करोड़पति भिखारी बन गया।

एयर इंडिया विमान के केबिन में जलने की गंध, चेन्नई जा रहा विमान मुंबई में उतरा

मुंबई। अहमदाबाद विमान हादसे के बाद एयर इंडिया के विमानों में परेशानियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब एक ऐसी घटना सामने आई है जिसमें मुंबई से चेन्नई जा रहे एयर इंडिया के विमान,ड्ढ639 को केबिन में जलने की गंध आने के बाद मुंबई हवाईअड्डे पर तत्काल इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई। घटना शुक्रवार को हुई और एयर इंडिया ने कल इस घटना की पुष्टि की। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि पायलट एहतियात के तौर पर विमान को वापस मुंबई ले आया। विमान के केबिन में जलने की गंध आने के बाद विमान को मुंबई हवाईअड्डे पर उतारा गया। विमान मुंबई में सुरक्षित उतर भी गया। इसके बाद यात्रियों की सुविधा के लिए वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था की गई। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने यह भी बताया कि कर्मचारियों ने यह सुनिश्चित करने का हर संभव प्रयास किया कि यात्रियों को कोई असुविधा न हो। इसी तरह, शुक्रवार को एयर इंडिया के एक अन्य विमान को गैर-विशिष्ट सुरक्षा अलर्ट मिला। हालांकि, सभी सुरक्षा मापदंडों की पुष्टि करने के बाद विमान को अपनी उड़ान जारी रखने की अनुमति दी गई। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पाइपलाइन डालने के दौरान मिट्टी धसीं, 3 की मौत 12 मलबे में दबे

भरतपुर। भरतपुर जिले के गहनौली में रविवार सुबह चंबल प्रोजेक्ट के तहत पाइप लाइन डालने के दौरान मिट्टी ढहने से एक ही परिवार के 12 लोग मलबे में दब गए। हादसे में दो महिलाएं और एक युवक की मौके पर मौत हो गई, जबकि सात लोगों को ग्रामीणों और प्रशासन की मदद से बाहर निकाला गया अन्य लोगों की तलाश और बचाव कार्य जारी है। जानकारी के मुताबिक यह हादसा रूपवास के पास जग्गी का नगला गांव में सुबह करीब 8:30 बजे हुआ, जहां चंबल परियोजना के तहत पानी की पाइपलाइन डालने का कार्य चल रहा था। फतेहपुर सीकरी के उत्तु सांवरा गांव के रहने वाले करीब 12 लोग पास ही निकाली जा रही पीली मिट्टी को भरने पहुंचे थे तभी अचानक खुदाई के दौरान करीब 10-12 फीट गहरे गड्ढे की मिट्टी ढह गई और सभी लोग उसमें दब गए। घटना की सूचना मिलते ही गहनौली थाना प्रभारी पुलिस व जिला प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं।

रथ यात्रा के दौरान हादसा

पुरी में भगदड़, 3 की मौत

पुरी। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान भारी भीड़ जुटी। लाखों भक्त इस यात्रा में शामिल हुए। एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ में कुछ लोग गिर पड़े, इसी दौरान भगदड़ मच गई और तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हैं। हादसा सुबह करीब 4:30 बजे हुआ, जब भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की मूर्तियों को ले जा रहे तीन रथ जगन्नाथ मंदिर से करीब तीन किलोमीटर दूर श्री गुंडिचा मंदिर के पास थे।

रथों को शुक्रवार शाम तक गुंडिचा मंदिर पहुंचना था, लेकिन भगवान बलभद्र के तलध्वज रथ के एक मोड़ पर अटकने के कारण रथों को ग्रांड रोड पर रोकना पड़ा। इससे अन्य दो रथ भी आगे नहीं बढ़ सके। हालांकि, पहांदी जैसे अधिकांश अनुष्ठान जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के निर्धारित समय पर पूरे हुए, लेकिन रथ खींचने में काफी देरी हुई, जिससे भक्तों में नाराजगी देखी गई। भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ (तलध्वज और दर्पदलन) बीच रास्ते में रुक गए, जबकि भगवान जगन्नाथ का रथ (नंदीघोष) सिंहद्वार से थोड़ा आगे बढ़कर रुक गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, गुंडिचा मंदिर के पास भारी भीड़ दर्शन के लिए जुटी थी। भीड़ बढ़ने पर कुछ लोग गिर गए, जिससे भगदड़ शुरू हो गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं- प्रभाती दास और बसंती साहू शामिल हैं। इसके अलावा, 70 वर्षीय प्रेमकांत मोहंती की भी मौत हुई है। ये तीनों खुरदा जिले के रहने वाले थे और रथ यात्रा के लिए पुरी आए थे। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने शुक्रवार को कहा कि सभी अनुष्ठान समय पर पूरे होने के बाद दोपहर 4 बजे रथ खींचना शुरू हुआ था, लेकिन बदा दांडा (ग्रांड रोड) के प्रमुख मोड़ों पर समस्याओं और पिछले वर्षों की तुलना में 1.5 गुना अधिक भक्तों की भीड़ के कारण व्यवधान हुआ। उन्होंने कहा, इस साल अनुकूल मौसम के कारण भक्तों की संख्या अधिक थी, जिससे भीड़ को नियंत्रित करना और चुनौतीपूर्ण हो गया। रथ यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की मूर्तियों वाले तीन भव्य रथों को भारी भीड़ द्वारा खींचा जाता है। ये रथ गुंडिचा मंदिर तक ले जाए जाते हैं, जहां तीनों देवता एक सप्ताह तक रहते हैं और फिर जगन्नाथ मंदिर लौटते हैं। प्रशासन के अनुसार, रथ यात्रा के पहले दिन शुक्रवार को ही 10 लाख से अधिक श्रद्धालु पुरी पहुंचे थे, जिससे अपार भीड़ का दबाव बना रहा। देवी सुभद्रा के रथ के पास शुक्रवार देर शाम तक 625 से अधिक लोग बीमार हो गए थे। शनिवार को भीड़ में 10ड्ढ20 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, फिर भी पिछले 24 घंटे में 650 से अधिक श्रद्धालु अस्वस्थ हो गए। इनमें से 70 को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से नौ की हालत गंभीर बनी हुई है।

भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के रथ शनिवार को श्री गुंडिचा मंदिर पहुंच गए। यह मंदिर जगन्नाथजी की मौसी का घर माना जाता है, जहां तीनों देवता हर साल नौ दिनों के लिए जाते हैं। मंदिर, 12वीं सदी के श्रीमंदिर से लगभग 2.6 किलोमीटर दूर स्थित है। शुक्रवार को भारी भक्ति और उल्लास के बीच भगवान बलभद्र के 'तालध्वज' रथ ने शाम 4:08 बजे सबसे पहले यात्रा शुरू की। इसके बाद देवी सुभद्रा का 'दर्पदलन' और अंत में भगवान जगन्नाथ का 'नंदिघोष' रथ खींचा गया। पुरी के गजपति महाराज दिव्यसिंह देब ने परंपरा अनुसार 'छेरा पहंरा' (रथों की सफाई) की रस्म अदा की। रथों पर रंग-बिरंगे लकड़ी के घोड़े लगाए गए थे, और भक्तों ने मंत्रोच्चार व ढोल-नगाड़ों के बीच रथ खींचा। पुरी शहर को अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था में तब्दील कर दिया गया है। 15 लाख श्रद्धालुओं की भीड़ को संभालने के लिए करीब 10,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

कलेक्टर-एसपी को हटाया दो अफसरों को किया निलंबित, सीएम माझी ने भक्तों से मांगी माफी

ओडिशा के पुरी में श्रीगुंडिचा मंदिर के पास रविवार सुबह मची भगदड़ के बाद राज्य सरकार ने कड़ा रुख अपनाया और दो पुलिस अफसरों को निलंबित कर दिया है, जबकि जिलाधिकारी और एसपी का ट्रांसफर किया गया है। सीएम मोहन चरण माझी ने पुरी में हुई भगदड़ के लिए भगवान जगन्नाथ के भक्तों से क्षमा मांगी है। वहीं कांग्रेस ने कहा कि इसके लिए बरती गई लापरवाही और कुप्रबंधन अक्षम्य है।

सीएम मोहन चरण माझी ने पुरी मंदिर भगदड़ की स्थिति के आकलन के लिए उपमुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। बैठक के बाद सीएम माझी ने बताया कि पुरी के जिलाधिकारी सिद्धार्थ एस. स्वैन और पुलिस अधीक्षक विनीत अग्रवाल का ट्रांसफर कर दिया गया है।

मैं इससे दुखी हूं- खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को ओडिशा के पुरी में मची भगदड़ की घटना पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि लापरवाही व कुप्रबंधन के कारण यह घटना हुई, जो माफी के लायक नहीं है। इस भगदड़ में दो महिलाओं समेत लोगों की मौत हो गई और करीब 50 लोग घायल हो गए।

खड़गे ने 'एक्स' पर लिखा- मैं महाप्रभु जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान भगदड़ मचने की घटना से बहुत दुखी हूं, जिसमें तीन लोगों की जान चली गई और कम से कम 50 लोग घायल हैं। यह घटना शुक्रवार को यात्रा के दौरान 500 श्रद्धालुओं के घायल होने की खबर सामने आने के बाद हुई है।

उत्तरकाशी में तबाही

बड़कोट में बादल फटे, बाढ़ में 8 से 9 मजदूर बह गए, तलाश जारी

देहरादून। उत्तरकाशी जिले के बड़कोट तहसील क्षेत्र में सिलाई बैंड के पास बादल फटने की घटना से हड़कंप मच गया। घटना के बाद क्षेत्र में भारी तबाही की खबर हैं। प्रशासन ने बताया गया कि, सिलाई बैंड के पास रात 3:12 बजे बादल फटने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद आपातकालीन परिचालन केंद्र की तरफ से राजस्व विभाग, एसडीआरएफ और पुलिस टीम रवाना की गई है। सिलाई बैंड के पास 19 मजदूर रहते थे, जिसमें से 9 मजदूरों के लापता होने की सूचना है। एसडीआरएफ, पुलिस राजस्व विभाग की टीमें लापता लोगों के लिए तलाशी अभियान चल रही हैं। वहीं 10 मजदूरों को सुरक्षित स्थान पर लाया गया है।

उत्तरकाशी में स्थानीय प्रशासन ने बताया कि यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग सिलाई बैंड के पास दो-तीन स्थानों पर मलबा और पानी आने से बाधित हो गया है। इस संबंध में एनएच विभाग को सूचित कर दिया गया है ताकि यातायात बहाल किया जा सके। इसके अलावा कुथनौर गांव में भी बादल फटने के चलते हुए भूस्खलन से कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है। प्रशासन का कहना है कि लापता मजदूरों की तलाश तेज कर दी गई है और स्थानीय लोगों से भी सहयोग लिया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है और एहतियाती उपाय भी किए जा रहे हैं। बादल फटने के अलावा, राज्य भर में लगातार बारिश के कारण काफी नुकसान पहुंचा है। नंदप्रयाग और भनेरोपानी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है, जबकि रुद्रप्रयाग जिले के अधिकारियों को इस सप्ताह की शुरुआत में भूस्खलन और मलबा गिरने के कारण सोनप्रयाग-मुनकटिया मार्ग पर आवाजाही रोकनी पड़ी।

केदारनाथ जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए यह विशेष मार्ग महत्वपूर्ण है। सोनप्रयाग शटल पुल और मुनकटिया स्लाइडिंग जोन के पास इसे पूरी तरह से बंद कर दिया गया है, जिससे तीर्थयात्रियों को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सोनप्रयाग और गौरीकुंड में अस्थायी रूप से रोकना पड़ा है।

यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग भी सिलाई बैंड के पास दो से तीन स्थान बाधित हुआ है। एनएच बड़कोट के अधिकारियों को अवरोध के बारे में सतर्क कर दिया गया है। इसके अलावा, स्यानाचट्टी के पास एक नाले में मलबा जमा होने के कारण यमुना नदी का प्रवाह बाधित हो गया है, जिससे क्षेत्र के निचले इलाकों में स्थित होटलों के लिए खतरा और बढ़ गया है। राज्य के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है, जिनमें चमोली, पौड़ी, देहरादून और रुद्रप्रयाग शामिल हैं। यहां भूस्खलन के कारण कई संपर्क मार्ग बंद हो गए हैं।

गैंगरेप पर विवादित बयानों को लेकर, अपनी ही पार्टी पर बरस पड़ी महुआ मोइत्रा

कोलकाता। कोलकाता के लॉ कॉलेज की छात्रा संग गैंगरेप मामले में टीएमसी नेताओं के विवादास्पद बयान से मामला गरमाने लगा है। महुआ मोइत्रा ने गैंगरेप पर दिए बयान को लेकर अपने पार्टी नेताओं को लताड़ लगाई है। महुआ ने कहाकि भारत के तमाम दलों में स्त्रीद्वेष है। लेकिन टीएमसी को अलग क्या बनाता है कि हम ऐसे बयान देने वालों की निंदा करते हैं, चाहे वो कोई भी हो। मोइत्रा ने अपनी पोस्ट को टीएमसी के की पोस्ट में टैग किया है, जिसमें पार्टी ने आधिकारिक रूप से अपने दोनों नेताओं के बयान को खारिज किया है। इस बयान में टीएमसी ने कहा है कि कल्याण बनर्जी और मदन मित्रा ने जो बयान दिए, यह उनके निजी विचार हैं। पार्टी इस बयान से कोई इत्तेफाक नहीं रखती है। एक्स पर जारी इस बयान में कहा गया है कि टीएमसी महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर जीरो टॉलीरेंस की नीति रखती है। इस घृणित अपराध में शामिल सभी दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

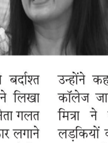

मोइत्रा ने इसको लेकर एक्स पर पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने लिखा है कि हर पार्टी में महिलाओं से नफरत करने वाले लोग हैं। लेकिन ममता बनर्जी की पार्टी ऐसे नेताओं को बर्दाश्त करने वाली नहीं हैं। उन्होंने लिखा कि टीएमसी में अगर कोई नेता गलत बात करता है हम उसे फटकार लगाने से पीछे नहीं हटते हैं। गौरतलब है कि टीएमसी के कल्याण बनर्जी ने शुक्रवार को कहा था कि अगर एक दोस्त अपने दोस्त के साथ बलात्कार करता है, तो आप सुरक्षा कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं? क्या विद्यालयों में पुलिस होगी? यह छात्रों द्वारा एक अन्य छात्रा के साथ किया गया था। उसकी (पीड़िता की) सुरक्षा कौन करेगा? वहीं, दूसरी तरफ टीएमसी विधायक मदन मित्रा ने कहाकि अगर वह लड़की उस जगह गई ही न होती तो यह घटना होती ही नहीं। उन्होंने कहाकि लड़की को अकेले कॉलेज जाने से बचना चाहिए था। मित्रा ने कहाकि इस घटना से लड़कियों को यह संदेश गया है कि अगर महाविद्यालय बंद होने पर कोई उन्हें बुलाता है तो मत जाइए, इससे कुछ अच्छा नहीं होगा। अगर वह लड़की वहां नहीं गई होती तो यह घटना नहीं होती। मदन मित्रा ने कहाकि अगर वह लड़की उस जगह गई ही न होती तो ऐसा कुछ नहीं होता। अगर उसने वहां पर जाने से पहले किसी को बता दिया होता, कुछ दोस्तों को जानकारी दे दी होती तब भी इस घटना से बचा जा सकता था। मित्रा ने आगे कहाकि आरोपी ने हालात का फायदा उठाया। उन्होंने कहाकि टीएमसी एक बहुत बड़ी पार्टी है। कोई न कोई किसी न किसी रूप में तृणमूल कांग्रेस से जुड़ा हुआ है। तमाम लोग हमारे साथ फोटो खिंचवा लेते हैं। अब किसी के दिमाग में क्या चल रहा है यह तो कोई साइकोलॉजिस्ट ही बता सकता है।

कोर्ट में ऑनलाइन सुनवाई और डिजिटल फैसले की व्यवस्था लागू

नई दिल्ली। भारत की न्यायपालिका ने तकनीकी विकास की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए ऑनलाइन सुनवाई और डिजिटल फैसलों की व्यवस्था को औपचारिक रूप से लागू करने का निर्णय लिया है।

यह व्यवस्था उच्चतम न्यायालय से लेकर जिला अदालतों तक लागू होगी। इस व्यवस्था के लागू होने के बाद न्यायिक प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और आम जनता के लिए अधिक सुलभ बनाया जा सकेगा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, यह पहल 'ई-कोर्ट परियोजना' के तीसरे चरण का हिस्सा है।जिसमें ई-फाइलिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और ऑनलाइन फैसलों की सार्वजनिक उपलब्धता होगी। सुप्रीम कोर्ट पहले ही वर्चुअल सुनवाई में अग्रणी है। अब इसे स्थायी व्यवस्था के रूप में जिला न्यायालयों और हाईकोर्ट मे लागू किया जाएगा। यह सुविधा उन लोगों के लिए उपयोगी साबित होगी। जो दूरदराज के क्षेत्रों में रहते हैं। जो कोर्ट आने में असमर्थ होते हैं। इससे सुनवाई में देरी होने के कारण न्याय मिलने में देरी होती है।उसमें उल्लेखनीय कमी आयेगी। भारत की अदालतों में अभी तक 25 करोड़ से अधिक केस ई-फाइलिंग के तहत पंजीकृत किए जा चुके हैं। 3 करोड़ से ज्यादा फैसले डिजिटली जारी किए जा चुके हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव को सफल बनाने के लिए तकनीकी अधो- संरचना को मजबूत करना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में, वकीलों, न्यायाधीशों और जनता को डिजिटल रूप से सक्षम बनाना सबसे बड़ी आवश्यकता है। जो ऑनलाइन डिजिटल न्यायिक व्यवस्था के सफलता की कुंजी होगी। भारत की न्याय प्रणाली मैं यह बदलाव एक नए युग में ले जाने की शुरुआत है। जहाँ तकनीक और न्याय व्यवस्था मिलकर एक सशक्त लोकतंत्र की नींव को मजबूत बनाने का काम करेगी।

अगर हिंदी पढ़ानी ही है तो...5वीं कक्षा से पढ़ाएं- अजीत पवार

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहाकि राज्य विधानमंडल के मॉनसून सत्र से पहले मंत्रिमंडल की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी। बारामती में संवाददाताओं से बात करते हुए राकांपा अध्यक्ष ने अपने विचार को दोहराया कि अगर पढ़ानी ही है तो हिंदी पांचवीं कक्षा से पढ़ाई जानी चाहिए। उन्होंने कहाकि हमारा कभी यह मत नहीं रहा कि हिंदी को (स्कूल में) शुरू से ही थोपा जाना चाहिए। हिंदी सीखने की कोई बाध्यता नहीं है। इस बीच, अभिनेता सयाजी शिंदे ने भी पहली कक्षा से हिंदी पढ़ाने का विरोध किया।

बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने पिछले हफ्ते एक संशोधित आदेश जारी किया था। इसमें कहा गया था कि मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहली से पांचवी कक्षा तक के विद्यार्थियों को हिंदी सामान्यत: तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी, जिसके बाद इस पर विवाद पैदा हो गया। सरकार ने कहाकि हिंदी अनिवार्य नहीं होगी तथापि उसने हिंदी के अलावा किसी अन्य भाषा का अध्ययन करने के लिए स्कूल में प्रत्येक कक्षा में कम से कम 20 छात्रों की सहमति अनिवार्य कर दी।

विपक्षी दलों ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के आदेश की आलोचना की है। इस आदेश के अनुसार मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1-5 तक हिंदी सामान्य रूप से तीसरी भाषा होगी। उपमुख्यमंत्री पवार ने कहाकि हिंदी की कोई बाध्यता नहीं है। हमारा मानना ??है कि अपने-अपने राज्य में सभी को अपनी मातृभाषा सीखनी चाहिए। हमने कहा है कि पांचवीं कक्षा से हिंदी पढ़ाने के बारे में सोचना चाहिए। अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ने वालों को मराठी सीखनी चाहिए, क्योंकि यह एक अनिवार्य विषय है। लोगों को पांचवीं कक्षा से (वैकल्पिक भाषा के बारे में) निर्णय लेना चाहिए।

बिहार ही नहीं भाई...पूरे देश में नई मतदाता सूची तैयार कराएगा चुनाव आयोग

इसी साल अगस्त-सितंबर से शुरू किया जा सकता

नई दिल्ली । जिस तरह से बिहार के लिए डोर-टु-डोर सर्वे करके नई वोटर लिस्ट बनाने का काम शुरू हुआ है। ठीक इसी तर्ज पर चुनाव आयोग पूरे देश के लिए नई वोटर लिस्ट तैयार कराएगा, ताकि देश के सभी राज्यों की वोटर लिस्टों से डुप्लिकेट, फेक, शिफ्ट और मृत वोटरों को हटकर और जो नए वोटर हैं, उन्हें जोड़ा जा सके। उम्मीद है कि बड़े स्तर पर यह काम इसी साल अगस्त-सितंबर से शुरू किया जा सकता है।

चुनाव आयोग के अधिकारियों का कहना है कि जिस तरह से देशभर में अलग-अलग राज्यों से मतदाता सूची में तरह-तरह की समस्याओं की खबरें सामने आती है। यह देखकर जरूरी है कि पूरे देश की वोटर लिस्ट को एकदम फ्रेश और नया बनाया जाए, ताकि हर राज्य की वोटर लिस्ट में असली वोटर ही रहे। बाकी एक से अधिक राज्यों की

वोटर लिस्ट में नाम वाले वोटर, डेथ हो चुके वोटर, एक राज्य से दूसरे राज्य में शिफ्ट हो चुके, विदेशी नागरिकता पाने वाले या किसी भी रूप में फर्जीवाड़े से नाम जुड़वा चुके फेक वोटरों के नाम सूची से काट दिए जाएंगे। लेकिन इसका मतलब यह नहीं होगा कि देश के नागरिक किसी भी वोटर का नाम लिस्ट से काट दिया जाएगा। अगर गलती से किसी का नाम कट जाएगा, तब वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट पब्लिकेशन करने के बाद उन्हें अपील का मौका मिलेगा। जिसके बाद जांच करके अगर किसी सही वोटर का नाम वोटर लिस्ट से कट भी गया है, तब उसका नाम फिर से वोटर लिस्ट में जोड़ा जाएगा।

आयोग अधिकारियों ने बताया कि जिस तरह से बिहार की वोटर लिस्ट को स्पेशल इंसेंटिव रिवीजन (एसआईआर) के तहत अपडेट किया जा रहा है। ठीक इस तरह से अन्य राज्यों की मतदाता सूची को भी पूरी तरह से फ्रेश करने के लिए स्पेशल इंसेंटिव रिवीजन किया जाएगा। बिहार के लिए वोटर लिस्ट को अपडेट करने एक जनवरी 2003 की कट ऑफ डेट मानी गई है। इससे पहले इस डेट तक ही बिहार को वोटर लिस्ट के लिए स्पेशल इंसेंटिव रिवीजन किया गया था। इसतरह से दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश सहित देश के बाकी अन्य तमाम राज्यों के लिए भी यह स्पेशल इंसेंटिव रिवीजन वाली कट ऑफ डेट रखी जाएगी।

वरिष्ठ अधिकारियों के बच्चों को आरक्षण के लाभ क्या जरुरत- सीजेआई गवई

नागपुर। देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) भूषण रामकृष्ण गवई ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा एससी एसटी के भीतर क्रीमी लेयर सिद्धांत को लागू करने की मान्यता देना बतौर न्यायाधीश उनके करियर के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक रहा है। उन्होंने इसे सामाजिक न्याय को परिष्कृत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया। उन्होंने कहा, उच्च पद पर बैठे एससी एसटी जाति के अधिकारियों के बच्चों को उन्हीं लाभों का पात्र मानना आरक्षण की मूल भावना को कमजोर करता है। वह इसी का लाभ लेकर इस पद पर पहुंचे हैं। सीजेआई गवई ने एक इंटरव्यू में यह बातें कही हैं।

यह टिप्पणी उस जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के बाद आई है जिसमें एससी एसटी समुदाय के भीतर उप-वर्गीकरण को मंजूरी दी गई है ताकि आरक्षण का लाभ वंचितों तक सही रूप में पहुंच सके।14 मई को 52वें सीजेआई नियुक्त किए गए गवई ने न्यायिक अतिक्रमण के खिलाफ भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा, न्यायिक सक्रियता बनी रहेगी, लेकिन इसे न्यायिक दुस्साहस या न्यायिक आतंकवाद नहीं बनना चाहिए। संसद कानून बनाती है, कार्यपालिका उन्हें लागू करती है और न्यायपालिका संवैधानिक अनुपालन सुनिश्चित करती है। अतिक्रमण इस संतुलन को बिगाड़ता है। संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं है, यह सामाजिक परिवर्तन का एक साधन है। उन्होंने लगभग 300 निर्णय लिखे हैं, जिनमें अनुच्छेद 370, चुनावी बॉन्ड और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर ऐतिहासिक फैसले शामिल हैं। गवई पांच न्यायाधीशों की पीठ का हिस्सा थे, जिसने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का समर्थन किया। इसे अंबेडकर के एक राष्ट्र, एक संविधान के दृष्टिकोण के अनुरूप बताया।

सोमा उईके : मध्य प्रदेश की बेटी जिसने मन की बात में जीता प्रधानमंत्री का दिल

कटंगी विकासखंड के ग्राम भजियापार की सुमा उईके मशरूम उत्पादन और थर्मल थेरिपी से आय अर्जित कर रही हैं

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 123 वें संस्करण में मध्य प्रदेश की एक प्रेरणादायी महिला, सोमा उईके, की कहानी को देश के सामने प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम, जो आकाशवाणी, दूरदर्शन और विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों पर प्रसारित हुआ, ने सोमा उईके के साहस, समर्पण और सामाजिक बदलाव के प्रति उनके योगदान को राष्ट्रीय मंच पर उजागर किया।सोमा उईके, मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के कटंगी विकासखंड के एक छोटे से गाँव भजियापार की निवासी, ने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से न केवल अपने समुदाय बल्कि पूरे देश के लिए एक मिसाल कायम की है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में बताया कि सोमा ने ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने और स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के माध्यम से सैकड़ों महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, सोमा उईके जैसी महिलाएँ भारत की असली ताकत हैं।

मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के कटंगी विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम भजियापार की सुमा उइके जो कि आदिवासी बाहुल्य ग्राम में रहने वाली अपने परंपरागत रीतिरिवाज में जीवन यापन करती थीं और अपने घर गृहस्थी के कार्यों में रहा करती थीं। सुमा उइके ज्यादा पढ़ी-लिखी नहीं है । इस कारण से अपने ग्राम और घर के कार्यों में अपना समय व्यतीत करती थीं। किन्तु पिछड़े ग्राम में होने के कारण उन्हें परिवार के सदस्यों द्वारा घर से बाहर निकलने नहीं दिया जाता था। ऐसे में उन्हें आजीविका मिशन के कर्मियों द्वारा स्व-सहायता समूह के बारे में ग्राम में जानकारी दी गई। सुमा दीदी ने अपने आस-पास के परिवारों की महिलाओं को एकत्रित कर आदिवासी आजीविका विकास स्व-सहायता समूह बनाया जिसमे वह अध्यक्ष भी बनी। समूह संचालन के साथ बचत जमा करने पर उन्हें राशि की बचत करने का एक रास्ता नजर आया।

आजीविका मिशन के ग्राम नोडल द्वारा समूहो की बैठक में समूह से जुडी महिलाओं को मिलने वाले लाभों के बारे में बताया ।जैसे कृषि एवं पशु पालन का प्रशिक्षण, व्यवसायिक प्रशिक्षण, नए व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए लोन की जानकारी आदि। सुमा दीदी ने आर-सेटी (RSEETI) से आर्गेनिक मशरूप उत्पादन का प्रशिक्षण लिया एवं साथ ही ष्टञ्जष्ट में पशुपालन का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। सुमा दीदी समूह से जुड़े होने के कारण आजीविका मिशन से अवसर की तलाश मे थी और प्रशिक्षण मिलने पर सर्वप्रथम रिवाल्विंग फंड की राशि 2000 लोन पर लेकर अपने ही घर पर आयस्टर मशरूम की खेती वर्ष 2021 मे प्रारंभ किया। जिसे उन्होंने एक वर्ष तक लगातार किया और अपने ग्राम स्तर पर एक आजीविका का साधन बनाया । नियती को कुछ और ही मंजूर था। लॉकडाउन लगने पर मशरूम की बिक्री कम होने पर यह खेती बंद करना पड़ा। किन्तु आगे उन्हे अपना किसी भी प्रकार का कार्य प्रांरभ करने की लगन थी। सुमादीदी को उनके भाग्य ने एक बार और मौका दिया । उन्हें जनपद पंचायत कटंगी परिसर में दीदी कैंटीन संचालन करने का अवसर मिला । जिसे उन्होने वर्ष 2022 के मध्य में प्रारंभ किया। कैंटीन संचालन करते हुए सुमा दीदी ने अपने परिवार की आजीविका को बढ़ाने में फिर एक बार सफलता हासिल की। कैंटिन से प्रतिमाह सुमा दीदी को लगभग 8000 रुपये की आय होने लगी । कैटिन में कार्य को देखते हुए उसने अपने समूह की ही एक सदस्य को रोजगार दिया। जिससे उस सदस्य को भी प्रतिमाह 3000 का रोजगार प्राप्त हुआ।

सुमा दीदी आशावादी व आत्मविश्वासी होने के कारण उन्हें कुछ बड़ा करने का सपना हमेशा प्रेरित करता रहता था। अब सुमा उइके अपने परिवार के लिए निरंतर आजीविका गतिविधि को प्रारंभ करना चाहती थीं। अपनी जिज्ञासा के कारण उसे थर्मल थैरेपी के बारे में पता चला और उसने थर्मल थैरेपी सेंटर प्रारंभ करने का ठान लिया। इस कार्य को करने के लिए अधिक पूंजी की आवश्यकता थी।आजीविका मिशन से जुड़े होने के कारण उन्हें बैंक से मुद्रा लोन व्यक्तिगत प्राप्त होने की जानकारी मिली। सुमा दीदी के समूह का बचत खाता जिस बैंक में संचालित था उसी बैंक समूह का लेन-देन अच्छा होने पर 06 लाख रुपए का मुद्रा लोन स्वीकृत किया गया था। जिससे सुमा उइके ने थर्मल थेरिपी का पूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त कर विकासखण्ड कटंगी में आजीविका थर्मल थेरिपी सेंटर का प्रारंभ किया। जिससे उसे प्रतिमाह 11 हजार रुपये की आमदनी होने लगी। थर्मल थेरिपी में काम की अधिकता होने पर एक बेरोजगार प्रशिक्षित युवती को भी रोजगार उपलब्ध करवाया। सुमा बताती हैं कि मिशन से जुड़कर मुझे अपनी आजीविका में वृदिध करने का अवसर प्राप्त हुआ और में मिशन से जुड़कर बहुत खुश हूँ। सुमा उइके ने पिछड़े ग्राम में रहकर व परिवार के साथ एक नया मुकाम हासिल किया है जो अन्य समूह की महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई।

सुमा उईके की इन दोनो गतिविधियों से जुड़ने से आय लगभग 19 हजार रुपए मासिक हो गई है । साथ ही उसके परिवार की आय में भी वृद्धि हुई जो बढ़कर 32 हजार रुपए मासिक हो गई है। इस प्रकार सुमा के द्वारा मिशन के कार्यों में सहयोग प्रदान किया जा रहा है । साथ ही ग्राम कि दीदीयों को समूह से जुड़ने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। ताकि महिलाए स्वयं आत्मनिर्भर व आर्थिक रूप से सशक्त बनकर परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधार सकें ।

हक्कू शाह बाबा का 221 वा सालाना उर्स कल से

परचम कुशाई के साथ किया जाएगा सालाना उर्स का आगाज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।हर साल की तरह इस साल भी सैय्यद अलहाज अब्दुल हकीम उर्फ हक्कू शाह बाबा रहमतुल्लाह अलैह चिश्ती का सालाना उर्स अकीदतो, हर्षोल्लास और पूर्ण विधि विधान के साथ मनाया जा रहा हैं।जिसकी शुरुआत कल 5 मोहर्रम 1जुलाई को परचम कुशाई और गुसल, मजार ए पाक के साथ की जाएगी।बाबा के सालाना उर्स मुबारक पर उर्स कमेटी द्वारा 1जुलाई से 09 जुलाई तक रोजाना लंगर व विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर उर्स मुबारक का समापन किया जाएगा।उर्स मुबारक के इस खास मौके पर मेन रोड स्थित आस्ताना ए औलिया दरबार को सजाने का काम किया जा रहा है।जहां हर साल की तरह इस साल भी रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर 09 जुलाई को कव्वाली और कुल शरीफ की फातिहा के बाद उर्स मुबारक का समापन किया जाएगा।उर्स मुबारक के मौके पर सरपरस्त जनाब नजीर अहमद कादरी, दरगाह शरीफ खादिम कलीम अहमद कादरी, सगीर अहमद कादरी, अरहम अहमद, हजरत ख्वाजा गरीब नवाज उर्स कमेटी,हजरत हक्कू शाह बाबा उर्स कमेटी, हजरत हक्कू शाह बाबा जनकल्याण समिति और मुस्लिम अखाड़ा (इमामबाड़ा)संदल कमेटी के समस्त पदाधिकारी सदस्यों सहित अन्य खिदमतगारो ने, बाबा के आस्ताने में पहुंचने वाले सभी अकीदतमन्दो से उर्स मुबारक में शामिल होने की गुजारिश की हैं।

आकर्षक रोशनी से सजाया गया दरबार

सैय्यद अलहाज अब्दुल हकीम उर्फ हक्कू शाह बाबा रहमतुल्लाह अलैह चिश्ती के 221 वे सालाना उर्स मुबारक पर मेन रोड स्थित आस्ताना ए औलिया दरबार को रंग रोगन कर, रंग बिरंगी लाइट लगाकर सजाया गया हैं। तो वही उर्स मुबारक के आगाज को देखते हुए दरबार शरीफ में आकर्षक डेकोरेशन लगाकर दरगाह शरीफ को फूलों से सजाने की तैयारियां जोरों पर है।वही उर्स कमेटी व दरबार कमेटी द्वारा उर्स मुबारक पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

उर्स मुबारक पर 9 दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमो के होंगे आयोजन

हजरत हक्कू शाह बाबा रहमतुल्लाह अलैह चिश्ती के 221 वे सालाना उर्स मुबारक पर हर साल की तरह इस साल भी विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएगे हैं।जो1 से 09 जुलाई तक चलेंगे।जिसकी शुरुवात कल 1 जुलाई मंगलवार की सुबह 10 बजे मजार शरीफ का गुसल व परचम कुशाई के साथ की जाएगी।वहीं 03 जुलाई को जियारते मुए मुबारक व दिगर तबर्रुकात का दीदार कराया जाएगा।इसी क्रम मे 05 जुलाई को सुबह 8बजे कुरान खानी व मिलाद शरीफ का आयोजन होगा।तो वही 07 जुलाई को सुबह उर्स और यादें हुसैना मनाया जाएगा।वही दोपहर 2 बजे दरबार शरीफ से शाही संदल निकाला जाएगा जो वार्ड नंबर 10 इमामबाड़ा पहुंचेगा।वहां से अलम और चादर के साथ शाही संदल शहर का गस्त करने के लिए रवाना होगा।जो नगर के विभिन्न मार्गों का गस्त करता हुआ वापस दरबार शरीफ पहुंचेगा। जहां बाबा को अलम व चादर पेश की जाएगी।वही भरवेली शहर का संदल भी इसी संदल में शामिल होगा। वही दरबार शरीफ मे शमा महफिल का आयोजन होगा।इसी तरह 08 जुलाई की शाम को फूलों का नजराना पेश कर दरगाह शरीफ में चादर चढ़ाई जाएगी।वही शाम को लंगर ए आम का आयोजन होगा। तरह 09 जुलाई बुधवार की रात ईशा की नमाज के बाद उर्स ए मुबारक पर अजीमो शान कव्वाली का आयोजन होगा।जिसमें देश व दुनिया के मशहूर कव्वाल शब्बीर सदाकत साबरी द्वारा कव्वाली के नजराने पेश किए जाएगे।जहां साबरी देर रात तक अपने चुनिंदा शेर और कव्वाली पेश करते नजर आएंगे।जिसके बाद कुल शरीफ की फतिया का आयोजन कर देश में अमन चैन शांति और अमनो अमान की सामूहिक दुवाओ के साथ उर्स मुबारक का समापन किया जाएगा। बाबा के इस सालाना उर्स मुबारक पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियां उर्स व दरबार कमेटी द्वारा पूर्ण कर ली गई है।

बारिश शुरू होने के साथ ही धान की रोपाई में जुटे किसान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अभी कुछ दिनों से हो रही रिमझिम बारिश और हाल ही में हुई तेज बारिश के बाद , जिले के किसानों ने धान की रोपाई के लिए खेत तैयार कर लिया है । कुछ क्षेत्रों में तो किसानों द्वारा धान रोपाई का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। जिसका एक नजारा जिला मुख्यालय के आसपास के गांव भटेरा आदि क्षेत्रों में देखने को मिला।

आपको बता दे कि वैसे तो बीते कुछ दिनों से जिले में रिमझिम बारिश और हल्की बारिश का दौर शुरू हो गया था । माना जा रहा था कि इस बार मानसून जल्द आएगा , किंतु अभी कुछ दिनों से हो रही बारिश के बाद अब किसानों के चेहरे पूरी तरह से खिल चुके हैं । किसानों ने हो रही बारिश को देखते हुए धान की रोपाई के लिए अपने खेत आदि तैयार कर लिए हैं । कुछ किसान इन दिनों बारिश को देखते हुए धान रोपाई का कार्य भी शुरू कर दिये है। जबकि देखा जाए तो जिले में बड़ी मात्रा में धान की फसल उगाई जाती है । खेत की मेड पर उगाई जाने वाली तुवल, तिल्ली, पोपट की फसल भी लगाई जाती है, जिसका कार्य भी लगभग किसानों ने अब पूरा कर लिया है । 29 जून को जिला मुख्यालय के आसपास लगे बोदा ,भटेरा एवं भरवेली के क्षेत्र में किसानों ने धान की रोपाई का कार्य शुरू कर दिया है। अब किसान इन दिनों धान की रोपाई के कार्य में पूरी तरह जुटते जा रहे हैं ।

धान की रोपाई के कार्य ने पकड़ी रफ्तार

शुक्रवार की सुबह से हुई झमाझम बारिश की शुरुआत होते ही किसानों के चेहरे खिल उठे। गांवों में किसानों ने धान के फसल की रोपाई शुरू कर दी है। गांव के लोग पहले ही धान की नर्सरी डाल चुके थे, बारिश शुरू हुई तो उन्होंने रोपाई शुरू कर दी है। कुछ क्षेत्र के गांवों में धान रोपाई के कार्य ने रफ्तार पकड़ ली है। यूं तो कुछ किसानों ने पहले नहरों , कुँओं से पानी का प्रबंध कर रोपाई का कार्य शुरू कर दिया था, लेकिन बारिश के बाद तो धीरे धीरे अन्य क्षेत्र में भी धान रोपाई शुरू हो रही है।

स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। महिलाओ को स्वास्थ्य सुरक्षा में जैसे महिलाओ में होने वाली स्तन कैंसर , बच्चादानी का कैंसर तथा कुपोषित बच्चों के पोषण आहार संबंधीत जानकारी प्रदान की गई। इसकी जानकारी सहयोग हास्पीटल की टीम हेल्थ एन्ड वेलनेस की टीम मैनेजर रोझीली गायकवाड़ श्रद्धा टेंभरे, प्राची ढोल मैडम के द्वारा दी गई । इस टीम के माध्यम से यह भी जानकारी दी गई कि बच्चो की बीमारियों में हमे बहोत बजट लगता है उसे हमें आयुष्मान कार्ड के माध्याम से योजना का लाभ प्राप्त कर सकते है। नगर पालिका समूह शक्ति आजीविका से रंजना अटरे संगीता पारधी, नेहा पारधी , हिरन पारधी ,पुष्प मंडलाकर, शंकुतला अवचट, लक्ष्मीराऊत, राधा किशोरी समूह से रीता धुवारे , गायत्री पटले, अंनदा नागवंशी, संगीता सेवाईवार , उज्जवला 2 समूह से सीता बोपचे, उषा कावडे, निरु गेडाम , सिंधु कावड़े प्रिया ठाकरे, सुरभि समूह से अर्चना सातपुते, रेनुका सोलंकी, सुनीता खण्डेल , विजया लक्ष्मीसमूह से विजया लक्ष्मी ठाकरे, अरिहंत समूह से खुशबु जैन, सीमा जैन समक्ष आजीविका से सुशीला पंचाले, अनीतो कोरे, शांति समूह से माहेश्वरी नागफासे , संगीता नागरे, रानी दुगविती समूह से दुर्गा पंडोरियाँ, सुनीता पंडोरियाँ , समूह के कार्यक्रम में शामिल रहे।

टूटे पुल से आवागमन हुआ प्रभावित, वैकल्पिक व्यवस्था से भी ग्रामीण परेशान

जान जोखिम में डालकर,आवागमन कर रहे लोग : लोहे के रपटा से भी आवागमन में हो रही परेशानी

ग्रामीणों ने की व्यवस्था में सुधार की मांग, आंदोलन की भी दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बैहर क्षेत्र केअंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत माना से ग्राम लपटी पहुंच मार्ग का टूटा हुआ पुल ,ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। जहां के स्थानीय ग्रामीणों को उस टूटे हुए पुल पर बनाई गई वैकल्पिक व्यवस्था से भी आने जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय ग्रामीणों द्वारा उक्त टूटे हुए पुल को पिछले एक वर्ष से बनाए जाने की मांग की जा रही है। वही पुल निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों द्वारा आंदोलन भी किए गए हैं। बावजूद इसके भी उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जिसपर अपनी नाराजगी जताते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने,तत्काल टूटे हुए पुल का निर्माण कराए जाने की गुहार लगाई है। तो वहीं उन्होंने मांग पूरी न होने पर 3-4 स्थानीय गांवों के ग्रामीणों को साथ लेकर आंदोलन किए जाने की भी चेतावनी दी है।

पिछली बारिश में टूटा था पुल,आज तक नहीं बना

बैहर के ग्राम पंचायत माना से ग्राम लपटी पहुंच मार्ग पर पीडब्ल्यूडी द्वारा बनाया गया पुल टूट जाने से स्थानीय लोगों सहित तीन गांव के लोगों के सामने परेशानी खड़ी हो गई है। स्थानीय लोगों द्वारा बताया गया कि पिछले वर्ष की बारिश में पुल टूट गया था।जिसपर ग्रामीणो ने जिला कलेक्टर के पास जाकर आवेदन दिया गया था।तब कही जाकर टूटे पुल के उपर वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में एक लोहे का पगडंडी रपटा सा रास्ता बनाया गया था। जिससे आवागमन करने में स्थानीय ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। तब से लेकर आज तक उस पुल का निर्माण नहीं किया गया है। जिसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है

जान जोखिम में डालकर आवागमन कर रहे लोग

बताया गया कि पुल टूटने को एक वर्ष बीत गया है बावजूद इसके भी वैकल्पिक व्यवस्था के अलावा उस पुल के पुन: निर्माण के लिए अब तक शासन प्रशासन द्वारा कोई कदम नहीं उठाए गए है।जिससे तीन गांव के लोग जान जोखिम में डालकर पैदल पुल से आवागमन करने के लिए मजबूर है। बताया गया कि स्थानीय ग्रामीणों द्वारा लगातार 1 वर्ष से उक्त पुल का निर्माण कराए जाने की गुहार लगाई जा रही है।लेकिन ज्ञापन आवेदन निवेदन के बाद भी ग्रामीणों की कही कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जिसपर अपना आक्रोश जताते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने जल्द से जल्द निर्माण की स्वीकृति न मिलने पर, आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

बीमार होने पर घर तक नहीं आती एम्बुलेंस

स्थानीय ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि पुल टूटा होने और वैकल्पिक व्यवस्था दुरुस्त न होने के चलते इस मार्ग से आवागमन करने में लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। तो वहीं भारी वाहन कार सहित अन्य वाहन भी पुल पार नहीं कर पाते हैं।जब गांव में कोई बीमार या डिलेवरी के लिए कोई महिला को अस्पताल ले जाना हों तब ग्रामीणों को काफी परेशान होना पड़ता है।पुल टूटा होने से गांव तक एंबुलेंस पहुंच नहीं पाती है,बताया गया कि क्षेत्र में ऐसी कई समस्या बनी हुई है, जिसपर विधायक द्वारा भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

कोई काम की नही ऐसी वैकल्पिक व्यवस्था

ग्रामीणों ने बताया कि यदि वैकल्पिक व्यवस्था भी की जानी थी तो बड़ा लोहे का पुल बनाकर, उसे मजबूती के साथ लगाना था। ताकि स्कूली बच्चों को स्कूल और किसी बीमार को अस्पताल ले जाने में दिक्कत ना हो।लेकिन वैकल्पिक पुलिया को लोहे के पाईप एंगल से लटका दिया गया है। ऐसे में यहां से स्कूली बच्चों का गुजरना और लोगों का आवागमन खतरे से खाली नहीं है। यही नहीं बल्कि किसी बीमार के त्वरित ईलाज और गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाने तक, यहां वाहन आना संभव नहीं है, ऐसे में पुल के नाम से केवल खानापूर्ति की गई है। जिससे स्थानीय ग्रामीण काफी नाराज हैं।

जिम्मेदार भी नहीं करते सुनवाई

ग्रामीण, क्षेत्रीय विधायक और सांसद से भी नाराज है, उनका कहना है कि क्षेत्रीय विधायक फोन नहीं उठाते है और सांसद ने समस्या निराकरण का भरोसा दिलाया था लेकिन आज तक समस्या का निराकरण नहीं किया गया है । समस्या का निराकरण कामपूर्ति दिखाई दे रहा है।

पुल पार करना जोखिम भरा काम है- श्यामकुमारी

ग्रामीण महिला श्यामकुमारी कुसरे ने बताया कि इस मार्ग से दुपहिया वाहन, मुश्किल से निकल रहा है।ऐसे में पुल से स्कूली बच्चो का निकलना जोखिम भरा है। अन्य कोई मार्ग न होने के चलते स्थानीय ग्रामीण पुल पार करने का जोखिम उठाते हैं। यहां कभी भी कोई हादसा हो सकता है हमारी मांग है कि यहां जल्द से जल्द बड़ा पुल का निर्माण कराया जाए।

बड़ा पुल बनाना चाहिए- अमरनाथ कुसरे

स्थानीय ग्रामीण अमरनाथ कुसरे ने बताया कि पुल को बड़ा बनाया जाना चाहिए था। वर्तमान में जो पुल बना है, उससे स्कूली बच्चों के साथ ही गढ़ी अस्पताल और बाजार जाने में ग्रामीणों को दिक्कतें हो रही है। वैकल्पिक व्यवस्था ठीक नहीं है ग्रामीण चहाते हैं कि पूर्व की भांति ऊंचा पुल बनाया जाए ताकि स्थानीय लोग व कई गांवो के ग्रामीण आसानी से आना-जाना कर सके।

तो प्रशासन का घेराव कर, धरना प्रदर्शन किया जाएगा- सरपँच भगवती

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्राम पंचायत माना सरपंच भगवंती उईके ने बताया कि बीते बारिश में बहे पुल को बनाने, हर जगह चक्कर लगाए लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। विगत दिनों बारिश में भींगते हुए प्रशासन को समस्या से अवगत कराया गया था। जिसके बाद जो लोहे का पुलिया बनाया गया है, वह आवागमन की दृष्टि से उचित नहीं है। मुश्किल से दुपहिया वाहन निकल पा रहे है। स्कूली बच्चों को स्कूल जाने और बीमारों को अस्पताल ले जाने में भारी परेशानी होगी।हमारी मांग है कि पुलिया पर वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में लोहे का बड़ा पुल बनाया जाए लेकिन पुलिया देखने से केवल खानापूर्ति दिखाई देता है। पुल से गुजरते समय, कोई घटना हो जाती है, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा ? उन्होंने बताया कि यदि हमारी समस्या का समाधान नहीं होता है तो ग्रामीणों के साथ प्रशासन का घेराव कर धरना प्रदर्शन आंदोलन किया जाएगा।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

टर्फ मैदान बनने से, साल भर हो रहे हॉकी मैच

फाइनल में बालाघाट ने गोंदिया को 4-0 से किया पराजित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। हॉकी टर्फ मैदान बन जाने के बाद, अब साल भर में एक बार आयोजित होने वाली स्वर्ण कप ऑल इंडिया हॉकी प्रतियोगिता के अलावा भी साल भर हॉकी के विभिन्न टूर्नामेंट हो रहे हैं। इसी कड़ी में नेहरू सपोर्टिंग क्लब के तत्वावधान में हॉकी खिलाडियों का उत्साहवर्धन के लिए एक दिवसीय फ्रेण्डली (मैत्री) हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन किया गया।रविवार को स्थानीय एस्टोटर्फ मैदान में आयोजित इस टूर्नामेंट में गोंदिया, भण्डारा, बालाघाट व नागपुर की टीम के बीच मैत्री मैच खेला गया। जहां भारी बारिश के बीच खिलाडियों ने अपनी कलाई का जादू दिखाते हुए दर्शकों का जमकर मनोरंजन किया।अंत मे फाइनल मैच 4-0 से गोंदिया को हराकर बालाघाट टीम ने जीत लिया।

सभी टीमों के बीच कराए गए दो-दो मैच

नगर के स्टोटर्फ मैदान में आयोजित इस फ्रेडली मैच प्रतियोगिता की शुरुआत भंडारा बनाम बालाघाट के साथ की गई। जहां भंडारा के खिलाड़ी बालाघाट के खिलाफ एक गोल भी दागने में कामयाब नहीं हो सके। तो वही बालाघाट के खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए लगातार 03 गोल दागकर यह मैच अपने नाम कर लिया। प्रतियोगिता का दूसरा मैच गोंदिया बनाम बालाघाट के मध्य खेला गया, इसमें गोंदिया की टीम बालाघाट के विरुद्ध एक भी गोल दागने में कामयाब नहीं हो सकी। तो वही बालाघाट की टीम ने लगातार 07 गोल दागकर प्रतियोगिता का दूसरा मैच भी अपने नाम कर लिया।इसी तरह प्रतियोगिता में दिन का तीसरा मैच नागपुर बनाम भंडारा के बीच खेला गया। जिसमें भंडारा के खिलाड़ी अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन नहीं कर सके, जिसके चलते उन्हें महज एक गोल से संतोष करना पड़ा। तो वही नागपुर के खिलाड़ियों ने मैच के अंतिम समय तक 02 गोल दागकर यह मैच अपने नाम कर लिया।इसी तरह प्रतियोगिता का चौथा मैच गोंदिया बनाम नागपुर के मध्य खेला गया जिसमें गोंदिया की टीम ,नागपुर के खिलाफ एक भी गोल दागने में कामयाब नहीं हो सकी। तो वही नागपुर की टीम ने 02 गोल दागकर यह मैच अपने नाम कर लिया।

गोंदिया को 04 गोल से हराकर बालाघाट बनी विजेता,

उधर भारी बारिश के बीच रविवार शाम को प्रतियोगिता का फाइनल मैच बालाघाट व गोंदिया के बीच खेला गया। इसमें बालाघाट टीम के खिलाडियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुये 4-0 गोल से मैच जीता। इसके पूर्व नागपुर व बालाघाट के मध्य मैच खेला गया। इसमें बालाघाट 2-0 गोल से विजयी हुई थी। टूर्नामेंट में मुख्य रूप से नेहरू सपोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष किरणभाई त्रिवेदी, म.प्र हॉकी संघ उपाध्यक्ष विजय वर्मा उपस्थित रहे। पूरा मैच बरसते पानी में खेला गया। जिसमें खिलाडियों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया।टूर्नामेंट के विजेता टीम को एसडीओ तिवारी व सत्यम वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से ट्राफी प्रदान की गई।

टर्फ बनने से कभी भी करा सकते है प्रतियोगिता- त्रिवेदी

आयोजित प्रतियोगिता को लेकर की गई चर्चा के दौरान नेहरू सपोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष किरणभाई त्रिवेदी ने बताया कि आज मैत्री मैच का आयोजन किया गया। जिसमें गोंदिया, भण्डारा, नागपुर व बालाघाट की टीम ने हिस्सा लिया। टर्फ बनने से ये लाभ मिला है कि अब हम किसी भी समय प्रतियोगिता का आयोजन करा सकते है। हॉकी मैच का आयोजन समय-समय पर किया जाएंगा। जिसमें छत्तीसगढ़ व महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों की टीमों को भी बुलाया जाएंगा। इस तरह प्रतियोगिता का आयोजन होने से स्थानीय खिलाड़ी भी उभरकर सामने आएंगे और जिले की एक सशक्त टीम बनेगी। जो राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में शामिल होकर जिले का नाम रोशन करेगी। टूर्नामेंट को सफल बनाने में सत्यम वर्मा, विशाल सहारे, सत्यम बरडे, जावेद मिर्जा, रवि पांचे सहित अन्य हॉकी खिलाडियों का योगदान रहा।

मैंगनीज के लिए प्रसिद्ध तिरोड़ी को मिली केंद्रीय विद्यालय की सौगात

केंद्रीय विद्यालय तिरोड़ी की कक्षा 01 से 05 में प्रवेश के लिए 30 जून से प्रारंभ होगी प्रक्रिया

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।केंद्र सरकार द्वारा बालाघाट जिले के तिरोड़ी को केंद्रीय विद्यालय की सौगात दी गई है। बालाघाट जिले के तहसील मुख्यालय तिरोड़ी में सत्र 2025-26 से केंद्रीय विद्यालय प्रारंभ किया जा रहा है।तिरोड़ी के केंद्रीय विद्यालय में 01 से 05 तक की कक्षा में प्रवेश की प्रक्रिया 30 जून 2025 से प्रारंभ की जा रही है।

केंद्रीय विद्यालय तिरोड़ी के प्राचार्य से प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यालय की शैक्षणिक सत्र 2025-26 की कक्षा 01 से 05 तक प्रवेश के लिए ऑफलाइन पंजीयन 30 जून 2025 से प्रारंभ किया जा रहा है। प्रवेश के लिए पंजीयन 07 जुलाई को दोपहर 02 बजे तक किया जा सकता है ।विद्यालय में प्रवेश के लिए पंजीयन करने वाले आवेदक छात्र-छात्राओं की अस्थाई चयन सूची और प्रतीक्षा सूची 14 जुलाई को प्रातः 10 बजे विद्यालय में प्रदर्शित कर दी जाएगी और इसके साथ ही प्रवेश (एडमिशन) की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी ।17 जुलाई को प्रातः 11 बजे विद्यालय में शासन के नियमों के अनुसार प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की सूची जारी कर दी जाएगी। विद्यालय की सभी कक्षाओं में प्रवेश की अंतिम तिथि 26 जुलाई 2025 निर्धारित है।

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

तिरोड़ी में केंद्रीय विद्यालय प्रारंभ होने से इस क्षेत्र में शिक्षा की सुविधाओं का विस्तार होगा और तिरोड़ी व पठार क्षेत्र के छात्र छात्राओं को शिक्षा के लिए उत्तम गुणवत्ता की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी।मैंगनीज के लिए प्रसिद्ध तिरोड़ी में केंद्रीय विद्यालय का खुलना निश्चित रूप से शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा उपहार है।तिरोड़ी में केंद्रीय विद्यालय के प्रारंभ होने से इस क्षेत्र के बच्चों की प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिलेगा।

कलार समाज के दो सैकड़ा प्रतिभावान विद्यार्थियों का किया सम्मान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सहस्त्रबाहू फाउंडेशन के तत्वावधान में जिले के कलार समाज के करीब दो सैकड़ा प्रतिभावान छात्र-छात्राओं सहित खेल गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले युवाओं का सम्मान किया गया। प्रतिभा सम्मान समारोह व कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम रविवार को भटेरा रोड़ स्थित एक होटल आयोजित किया गया। स्व. बेनीराम चौरे, स्व. सूरजलाल पालेवार, स्व. हेमनलाल चौरावार, स्व. शीतलप्रसाद जायसवाल, ऋषिलाल पालेवार, जगन्नाथ पटेल धुवारे, ऋषि मलघाट सहित अन्य की स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल उपस्थित रहे। अतिथियों के हाथों कक्षा 10 वीं, 12 वीं बोर्ड परीक्षा में 70 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले समाज के बच्चों व अन्य खेल गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले युवाओं एवं शासकीय व प्रशासनिक सेवाओं में चयनित विद्यार्थियों का स्मृति चिन्ह व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

बच्चों के उत्साहवर्धन के साथ-साथ कैरियर गाइडेंस की भी दी गई जानकारी -पालेवार

आयोजन को लेकर की गई चर्चा के दौरान सहस्त्रबाहू फाउंडेशन के फाउंडर मेंबर कमलेश पालेवार ने बताया कि कार्यक्रम में कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं अन्य खेल गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों सहित शासकीय एवं प्रशासनिक सेवाओं में चयनित विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जिले के कलार समाज के होनहार बच्चों को प्रोत्साहित करने एवं उनके उज्जवल भविष्य को लेकर उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करने किया गया है। कार्यक्रम में समाज के सफलतम व विशेषज्ञों द्वारा छात्र-छात्राओं सहित समाज के बेरोजगार युवाओं को किस क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना चाहिए इस बारे में अपना अनुभव बताया गया। जिससे बच्चे अपने कैरियर में अपने सपनों को साकार कर सकें।कार्यक्रम के सफल आयोजन में कमलेश पिपलेवार, सुमित चौरे, राकेश सेवईवार, अनिल मलघाटी, संतोष धुवारे, अखिलेश डहरवाल, संतोष पिपलेवार, संजय धुवारे, रत्नेश शिवहरे, सुलभ चौरागडे, राहुल जेमी, लिकेश सेवईवार, प्रतीक चौरावार, राकेश दौने, डॉ. तरूण विजयवार, अभिषेक डहाके, प्रणय धुवारे सहित अन्य पदाधिकारियों का सहयोग रहा।

जिला पंवार क्षत्रिय संगठन के सबसे युवा जिला अध्यक्ष बने विशाल बिसेन

आमसभा में सर्वसम्मति से लिया गया विशाल बिसेन का नाम, अध्यक्ष बिसेन ने कहा समाज को संगठित करने की होगी प्राथमिकता

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला पंवार क्षत्रिय संगठन की कार्यकारिणी का गठन 29 जून को हो चुका है । जिसमें इस 3 वर्ष की कार्यकारिणी के लिए सर्वसम्मति से विशाल बिसेन को जिला पंवार क्षत्रिय संगठन का जिला अध्यक्ष बना दिया गया है। कार्यकारिणी के गठन के लिए 29 जून को स्थानीय वैद्यलान में संगठन के पदाधिकारीयों द्वारा एक आम सभा रखी गई थी। जिसमें आजीवन सदस्य , संगठन के सक्रिय सदस्यों सहित सामाजिक बंधु उपस्थित थे । जिसमें सभी ने सर्वसम्मति से यह फैसला लिया । इस सत्र की कार्यकारिणी के लिए बनाए गए जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने पद्मेश न्यूज़ से चर्चा के दौरान बताया कि वह समाज को संगठित करने और समाज को शिक्षा से जोड़ने के लिए कार्य करेंगे।

आपको बता दे कि जिले में पंवार समाज, बड़ी संख्या में निवास करता है, जिसके सामाजिक संगठन, जिला पंवार क्षत्रिय संगठन के नए जिलाध्यक्ष के रूप में युवा विशाल बिसेन को अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पूर्व जिलाध्यक्ष फत्तूलाल बिसेन, महासचिव बाबुलाल राणा सहित अन्य संगठन पदाधिकारी और सदस्यों की मौजूदगी में, जिले से पहुंचे सामाजिक बंधुओं की मौजूदगी में सर्वसम्मति से अध्यक्ष के रूप में विशाल बिसेन के नाम की घोषणा की गई। जिसके बाद सभी ने इसका समर्थन किया। यह, संगठन का पहला अवसर होगा कि कोई युवा, समाज के अध्यक्ष के रूप में समाज की बागडोर संभालेगा। तीन वर्षीय संगठन अध्यक्ष के कार्यकाल के लिए रविवार को आमसभा आहूत की गई थी। जिसमें संगठन पदाधिकारियों, सदस्यो सहित जिले से पहुंचे सामाजिक बंधु उपस्थित थे।

संगठन को आगे बढ़ाने का काम करेंगे - विशाल बिसेन

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विशाल बिसेन ने बताया कि यह एक बड़ी जवाबदारी है। समाज के वरिष्ठो के मार्गदर्शन में काम करूंगा। समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता, समाज की संस्कृति को संरक्षित करने और समाज से आने वाले किसान और मजदूर वर्ग के लोगों के जीवन को आगे बढ़ाने तथा उनकी समस्याओं में कैसी मदद हो सके,इस पर कार्य किया जाएगा।उन्होंने बताया कि समाज को एकजुट करने के साथ ही समाज और संगठन को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि आज सिर्फ आमसभा में जिला अध्यक्ष के नाम की ही घोषणा की गई है। बाकी कार्यकारिणी की घोषणा कुछ दिनों बाद की जाएगी । सभी ब्लॉक स्तरों पर भी कार्यकारिणी के सदस्य और पदाधिकारी बनाए जाएंगे , जो इस 3 वर्षों में समाज को आगे बढ़ाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि इस संगठन के सबसे पहले जिला अध्यक्ष उनके रिश्ते में लगनेवाले आर.सी बिसेन दादाजी थे और आज उन्हें इस संगठन के लिए जिला अध्यक्ष के रूप में कार्य करने का मौका मिला है। जिसमें वह समाज के उत्थान के लिए कार्य करेंगे।

यह रहे उपस्थित

जिला क्षत्रिय पंवार संगठन बालाघाट की आमसभा में प्रमुख रुप से एस के तुरकर आमसभा अध्यक्ष, एफ एल बिसेन निवर्तमान अध्यक्ष, बी.आर. भैरम निर्वाचन अधिकारी, अधिवक्ता संजय मधुसुदन गौतम, सहायक निर्वाचन अधिकारी, पालक संरक्षक गण अतिलाल राहंगडाले, शेरसिंह बिसेन, रमेश पटले, आर.सी. अमूले, बाबूलाल राणा, निखिल मधुसूधन गौतम, डॉ राजेंद्र कटरे, श्रीमती सुलोचना राहंगडाले, श्रीमती आशालता चौहान (महिला प्रकोष्ट अध्यक्ष), मनोज भैरम (युवा प्रकोष्ट अध्यक्ष), अजय बिसेन, महेन्द्र अमूले, मनीष राहंगडाले, डॉ. अमर बिसेन, पूर्व सरपंच लाखन सिंह राणा, सरपंच संघ जिलाध्यक्ष वैभव सिंह बिसेन, अधिवक्ता संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष संजय गौतम, संजय (पप्पु) गौतम, एडव्होकेट आनंद बिसेन, श्रीमती योगिता बोपचे, सीमा टेम्भरे, गरिमा गौतम, मीना बिसेन, कामिनी आनंद बिसेन, उर्मिला पटले, के सी चौहान, लाखन सिंह राणा, नितेश कटरे, शैलेन्द्र रहंगड़ाले, धनेन्द्र राणा, संजय कटरे, व्यंकट राहंगडाले, दीपक देशमुख, अरविंद कटरे, गुणेन्द्र पटले, केशव परिहार, चेतन पटले, इंद्रजीत गौतम, रजनीकांत बोपचे, पंकज बिसेन, लुखलाल बिसेन, कार्तिक बिसेन, राहुल चौहान, अनिल बघेले, गिरबल बिसेन, राजेश टेम्भरे, विश्राम पटले, मोनू भगत, दिलीप भैरम, सुनील हनवत, रजनीश ठाकरे एवं सैकड़ो की संख्या में पवार समाज के लोग उपस्थित रहे।

07 वर्षीय बालिका को साँप ने डसा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बरसाती मौसम में सर्पदंश के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं।इन्ही मामलों के बीच घर के भीतर खड़ी एक 07 वर्षीय बालिका को सांप ने काटकर उसे अस्वस्थ कर दिया।जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है। सर्पदंश का यह ताजा मामला लालबर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बिरसोला का है।जहां निवासी आनंद यादव की 07 वर्षीय बेटी आरुषि सर्पदंश की शिकार होने पर उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है।जहा उसका उपचार जारी है।

आंगन में रखी बोरी के नीचे था सांप

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बिरसोला निवासी आनंद यादव खेती बाड़ी का काम करते हैं। जिनके घर के आंगन में बच्चे खेल रहे थे, जबकि आरुषि घर के भीतर खड़ी थी। इसी दरमियान आनंद यादव घर के आंगन में रखी हुई बोरियों को उठा रहे थे। तभी उन बोरी के नीचे से एक अज्ञात सांप निकलकर सीधे घर के अंदर बरांदे में जा पहुंचा और आरुषि के पैरों से लिपट गया।जहां शोर मचाने पर उस सांप ने आरुषि को डस कर वापस आंगन की तरफ भाग गया। जहां सर्पदंश से आरुषि की तबीयत खराब होने पर उसके पिता आनंद यादव ने उसे मोटरसाइकिल के माध्यम से उपचार कराने के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है। जहां उसका उपचार जारी है।

न्यायिक आवासीय परिसर में किया गया पौधारोपण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन एवं मुख्य आतिथ्य में न्यायिक आवासीय परिसर बालाघाट में 29 जून को पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय पद्मेश शाह, विशेष न्यायाधीश(एट्रोसिटी) रघुवीर प्रसाद पटेल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनीष सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीश शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती तारा मार्को, अविनाश छारी, ऋषभ डोनल, श्रीमती शिखा शर्मा, श्रीमती शीनी जैन, शुभम जैन, श्री देवांश यादव, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे एवं न्यायिक कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा न्यायिक आवासीय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। साथ ही उपस्थित समस्त न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भी परिसर में फलदार एवं छायादार पौधो को लगाया गया।

पी.एम.श्री विघालयों के शिक्षकों ने लिया 21 वीं सेन्चुरी और सिटीजन स्किल्स का प्रशिक्षण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।संचालक, राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान भोपाल निर्देशानुसार, कलेक्टर श्री मृणाल मीणा एवंजिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ के मार्गदर्शन में पी.एम.श्री. विद्यालयों के शिक्षकों का 21 वीं सेंचुरी स्किल्स एवं सिटीजनशिप स्किल्स पर आधारित 05 दिवसीय प्रशिक्षण डाईट बालाघाट में सम्पन्न हुआ। राज्य स्तर से प्रशिक्षण प्राप्त मास्टर ट्रेनर्स श्रीमती माधुरी चौकसे, श्री मनोज मेश्राम, श्री परमानंद टेम्भरे, श्यामकरण पटले द्वारा बालाघाट जिले के कुल 400 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया ।नरेश प्रसाद मलगाम प्राचार्य डाईट, श्री के.डी.तितरमारे प्रशिक्षण प्रभारी, सजल मस्की प्रशिक्षण सहायक, श्रृद्धानंद भालाधरे, तकनीकी सहायक द्वारा इस प्रशिक्षण की व्यवस्था संबंधी कार्य किया गया।

प्राचार्य,डाईट श्री एन.पी.मलगाम ने बताया कि बालाघाट जिले के 23 पी.एम.श्री. विघालयों के कुल 400 शिक्षकों को इन कौशलों में विद्यालय के छात्र-छात्राओं को जाकर विकसित करना होंगा तभी इस प्रशिक्षण की सार्थकता सिद्ध होगी। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षा में अंतराष्ट्रीय मानकों को लाना व एन.ई.पी. 2020 के तहत भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना करने में दक्ष बनाना होगा। जिससे देश को विकास के पथ पर ले जाने में हिस्सेदारी निर्वहन होंगी।

स्थानीय राम मंदिर में किया गया भिक्षुक भोज की तर्ज पर भंडारे का आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भंडारा सेवा समिति द्वारा बीते 20 से 25 वर्षों से अलग-अलग सीजनों में भिक्षुक भोज का आयोजन शहर में किया जाता है। जिसमें समिति के पदाधिकारी समय और मौसम के अनुसार आमजन की सेवा भावना से आमजन को भंडारा करवाते हैं। 29 जून को समिति के पदाधिकारीयों द्वारा बताया गया कि वह बीते कई वर्षों से शहर में सेवा की भावना से भंडारा करवाते आ रहे हैं , किंतु समिति द्वारा वर्षा ऋतु को देखते हुए इस भंडारे को रोक दिया जाता है । पुनः बारिश के बाद दीपावली से पुनः उनके भंडारे की शुरुआत हो जाती है और वह आम जनों को सेवा करने के उद्देश्य से भंडारा करवाते हैं । इस वर्ष का यह वर्षा ऋतु को देखते हुए अंतिम भंडारे का आयोजन। स्थानीय नए राम मंदिर में समिति के पदाधिकारीयों द्वारा करवाया गया और आमजन को भंडारे का प्रसाद बांटा गया।

आवारा मवेशी रात्रि के समय खार को पहुंचा रहे नुकसान, किसान परेशान

पशुपालक अपने मवेशी को छोड़ रहे खुला, फसल को नुकसान पहुंचाने के साथ ही सड़क में मचाते है धमाचौकड़ी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। किसानों के द्वारा खरीफ सीजन में लगने वाली धान की रोपाई के लिए बीज (खार) बोया गया है एवं खार रोपाई के लिए तैयार हो रहा है। साथ ही क्षेत्र में तेज अच्छी बारिश हो जाती है तो कुछ दिनों के बाद नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी सहित अन्य सटी ग्राम औल्याकन्हार, अमोली, पनबिहरी, मानपुर के किसान रोपाई का कार्य प्रारंभ कर देगें परन्तु आवारा मवेशी दिन के साथ ही रात्रि के समय खेतों में पहुंचकर खार को चर कर चौपट कर रहे है यानि नुकसान पहुंचा रहे है जिससे किसान बेहद परेशान है। साथ ही किसान धान के रोपा में बीमारी लगने के कारण उसमें कीटनाशक दवाई का छिड़काव भी कर रहे है परन्तु रात्रि के समय आवारा मवेशी जिस खार में कीटनाशक दवाई का सेवन कर रहे है उसके संपर्क में आने व फसल का सेवन करने से पूर्व में उनकी मौत भी हो चुकी है। लेकिन पशुपालक उसके बाद भी सबक नही ले रहे है और अपने मवेशियों को खुला छोड़ रहे है। जिससे सबसे अधिक परेशान किसान वर्ग है जिन्होने खरीफ सीजन में महंगी धान बीज खरीदकर बोये है जिन्हे मवेशी चर कर चौपट यानि नुकसान पहुंचा रहे है। इस तरह से आवारा मवेशी रात्रि के समय किसानों के खेतों में लगी धान के खार, तुअर के पौधों को भी नुकसान पहुंचा रहे है जिससे किसान बेहद परेशान है। वहीं आवारा मवेशी सड़कों में भी धमाचौकड़ी मचाते रहते है यानि की सड़क के बीचों-बीच बैठकर आराम किया जाता है एवं घुमते रहते है, जिसके कारण भी कई बार बड़ी दुर्घटनाएं घटित हो चुकी है और समय बड़ा हादसा घटित होने की संभावना बनी हुई है। ग्राम पंचायत पांढरवानी, औल्याकन्हार, अमोली, मानपुर एवं अन्य ग्रामों के किसानों ने ग्राम पंचायत पांढरवानी,

किसानों ने आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजने एवं मवेशी मालिकों पर कार्यवाही करने की मांग की

औल्याकन्हार, मानपुर, पनबिहरी, अमोली सरपंच, राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग से धर-पकड़ अभियान चलाकर आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भिजवाकर पशु मालिकों पर वैधानिक कार्यवाही करने की मांग की है।

प्रशासन आवारा मवेशियों को पकड़कर भेजे गौशाला

आपकों बता दें कि इन दिनों नगर मुख्यालय में आवारा मवेशियों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। जिनके द्वारा हाईवे मार्ग में शांति नगर स्थित मजार के पास, बालाघाट रोड़ हाईस्कूल रोड सहित अन्य स्थानों में धमा चौकड़ी करने के साथ ही सड़क के बीचों-बीच बैठकर आराम किया जाता है। जिसके कारण मार्ग से गुजरने वाले चौपहिया, दुपहिया वाहनों, पैदल आवागमन करने वाले लोगों को भारी परेशानी होती है। साथ ही रात्रि के समय ये ही आवारा मवेशी नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पनबिहरी, औल्याकन्हार, मानपुर, पांढरवानी, कटंगटोला, रामजीटोला, अमोली के किसानों के खेतों में लगी खरीफ धान की फसल की खार को नुकसान पहुंचा रहे है जिससे उन्हे आर्थिक नुकसान हो रहा है। किसानों के द्वारा खार में लगी बीमारी की रोकथाम के लिए कीटनाशक दवाई का भी छिड़काव किया जाता है जिसके सेवन से भी पूर्व में मवेशियों की मौत भी हो चुकी है उसके बावजूद भी पशु मालिक अपने मवेशियों को खुला छोड़ दे रहे है जो समझ से परे लग रहा है।

खार को नुकसान पहुंचा रहे आवारा मवेशी - महेश

किसान महेश यादव ने बताया कि बाजार से महंगे दामों के धान बीज की खरीदी कर खेत में बुआई किये है लेकिन आवारा मवेशी रात्रि के समय खेतों में पहुंचकर खार को चर कर चौपट यानि नुकसान पहुंचा रहे है जिससे किसान बेहद परेशान है। अगर खार को मवेशी चर लेगें तो रोपाई नही कर पायेगें ऐसी स्थिति में आर्थिक परेशानियों से जुझना पड़ेगा। श्री यादव ने बताया कि आवारा मवेशी पांढरवानी, औल्याकन्हार, मानपुर सहित अन्य ग्रामों में पहुंचकर खार सहित अन्य फसलों को नुकसान पहुंचा रहे है इसलिए पांढरवानी सरपंच सहित अन्य पंचायतों के सरपंचों से मांग है कि आवारा मवेशियों को पकड़कर कार्यवाही करें।

आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजे प्रशासन - पुन्नुलाल

किसान पुन्नुलाल नागेश्वर ने बताया कि पशु मालिकों के द्वारा अपने मवेशियों को खुला छोड़ दिया जाता है और ये मवेशी खेतों में पहुंचकर धान की खार, तुअर सहित अन्य फसलों को नुकसान पहुंचा रहे है जिसके कारण किसान परेशान है। जबकि कुछ दिनों के बाद रोपाई कार्य करना है लेकिन खार को आवारा मवेशी चर रहे है ,ऐसी स्थिति में रोपा लगाने में भी परेशानी होगी। श्री नागेश्वर ने बताया कि आवारा मवेशी सड़कों में घुमते रहते है जिसके कारण भी दुर्घटनाएं होते रहती है, लेकिन वर्तमान समय में किसानों के खेतों में खरीफ फसल के रोपा लगाने के लिए जो खार तैयार हो रहे है उसे नुकसान पहुंचा रहे है इसलिए प्रशासन से मांग है कि आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजे एवं पशुपालकों पर कार्यवाही करें।

पशुपालक अपने मवेशियों को खुला न छोड़े - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि पांढरवानी, औल्याकन्हार एवं आसपास के ग्रामों के किसानों ने पहुंचकर आवारा मवेशियों की समस्या के संबंध में शिकायत की है कि आवारा मवेशी खेतों में पहुंचकर धान की खार को नुकसान पहुंचा रहे है। जिससे उनका कृषि कार्य प्रभावित हो रहा है, आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजे एवं पशुपालकों पर कार्यवाही करने की मांग की है। श्री खान ने बताया कि पंचायत के द्वारा मुनादी करवाकर पशुपालकों को हिदायत दी जायेगी कि वे अपने मवेशियों को खुला न छोड़े, बांधकर रखे। उसके बाद भी खुला छोड़ते है तो मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजा जायेगा एवं उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

राज्य शिक्षक संघ ने ई-अटेंडेंस का विरोध कर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

प्रदेश के समस्त शासकीय विभागों में एक साथ ई-अटेंडेंस लागू करने की सरकार से की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा प्रदेश के शिक्षकों के लिए हमारे शिक्षक एप्प के माध्यम से ई-अटेंडेंस योजना प्रारंभ की जा रही है। लेकिन शिक्षकों के द्वारा ई-अटेंडेंस का विरोध करते हुए सभी विभागों में एक साथ ई-अटेंडेंस लागू करने की मांग की जा रही है। इसी कड़ी में राज्य शिक्षक संघ लालबर्रा के बैनर तले शिक्षकों ने शनिवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार कन्हैयालाल तेकाम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर ई-अटेंडेंस योजना को एक साथ प्रदेश के समस्त शासकीय विभागों में प्रारंभ किये जाने की मांग की है। चर्चा में राज्य शिक्षक संघ लालबर्रा के पदाधिकारियों ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग प्रदेश के शिक्षकों के लिए" हमारे शिक्षक "एप्प के माध्यम से ई-अटेंडेंस योजना प्रारंभ की जा रही है। जबकि प्रदेश का समस्त शिक्षक संवर्ग प्रदेश सरकार की मंशानुरूप लगातार अपना सर्वश्रेष्ठ देकर शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश को राष्ट्र में प्रमुख पंक्ति में लाने का प्रयास कर रहा है। इस ईमानदारी और समर्पण का सुखद परिणाम यह रहा है कि परीक्षा परिणामों में शासकीय विद्यालयों का प्रदर्शन उत्तम रहा है। परीक्षा परिणामों के बाद आपके द्वारा सार्वजनिक रूप से शासकीय शिक्षकों के कार्यों की प्रशंसा की गई है। आगे बताया कि प्रदेश के केवल शिक्षक संवर्ग की ई-अटेंडेंस योजना से हाजिरी लगने की योजना से समाज में ऐसा संदेश जा रहा है कि शिक्षक संवर्ग अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाह होने के कारण उनकी ऐसी हाजिरी ली जा रही है। जो गलत है, हम इसका विरोध करते है, अगर सरकार को ई-अटेंडेंस लागू करना है तो प्रदेश के समस्त शासकीय विभागों में एक साथ करें। इसी मांग को लेकर शनिवार को लालबर्रा तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर प्रदेश के समस्त विभागों में एक साथ ई-अटेंडेंस लागू करने की मांग की है। इस अवसर पर राज्य शिक्षक संघ के पदाधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

आग लगने से 100 बैट पैरा जलकर हुआ राख

मकान मालिक को हजारों रूपये का हुआ नुकसान, मुआवजे की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत देवरी निवासी भीमसिंह वरकड़े के पक्के मकान में रखे पैरा में रविवार को प्रात: 11 बजे अचानक आग लग गई। जिससे 100 बैट पैरा जलकर राख हो गया एवं मकान में रखे कुछ सामग्री में आग लगने से वे भी खराब हो गये। जिससे मकान मालिक को हजारों रूपये का नुकसान हुआ है, जिन्होने प्रशासन से मुआवजा दिलवाये जाने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवरी निवासी भीमसिंह वरकड़े कृषि कार्य करता है और मवेशियों के लिए पक्के मकान में पैरा भरकर रखा था। रविवार को सभी लोग घर पर थे तभी प्रात: 11 बजे अचानक पैरा में आग लग गई एवं धुआं निकलते हुए पड़ोसियों ने देखा तो उन्होने भीमसिंह वरकड़े को जानकारी दिये कि आपके मकान में लग गई है। जिसके बाद सभी लोग मकान से बाहर निकल गये और फायर बिग्रेड वाहन व पुलिस को आगजनी की घटना होने की जानकारी दी गई। वहीं ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया किन्तु आग तेज होने के कारण धीरे-धीरे यह आग मकान के बाजू में स्थित क%चे मकान तक पहुंच गया था। किन्तु क%चे मकान में आग न लगे जिसके लिए ग्रामीणों ने कुएं के पानी से आग को दुसरे मकान तक नही पहुंचने दिये। जिसके चलते क%चे मकान में आग नही लग पाई। अगर क%चे मकान में आग लग जाती तो पूरा मकान जलकर स्वाहा हो सकता था। साथ ही इस आगजनी से पक्के मकान में रखा 100 पैरा सहित अन्य सामग्री फायर बिग्रेड वाहन के पहुंचते तक जलकर स्वाहा गया। वहीं फायर बिग्रेड वाहन व ग्रामीणों की मदद से कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया गया एवं आगजनी का कारण अज्ञात है। इस आगजनी में मकान मालिक भीमसिंह वरकड़े को हजारों रूपये का नुकसान हुआ है। साथ ही 100 बैट पैरा (मवेशियों का चारा) जल जाने से मवेशी मालिक को अब मवेशियों के चारा के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इस आगजनी पर काबू पाने में सरपंच प्रतिनिधि मुन्नालाल पटले, उपसरपंच अशोक नाथ बडगुजर, रोहित (बंटी) हरिन्द्रवार, मोहन मिश्रा, लक्ष्मण अर्जुनवार, ग्राम रक्षक कृष्णा चौरे, पुलिस प्रशासन सहित ग्रामीणजनों का सराहनीय योगदान रहा।

फांसी पर लटकी लाश पुलिस ने किया बरामद

पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत खुरसुड़ी निवासी 45 वर्षीय दिलीप सेन्दरे की फांसी पर लटकी हुई लाश पुलिस ने रविवार को उसी के मकान से बरामद किया है। पुलिस ने मृतक व्यक्ति का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खुरसुड़ी निवासी 45 वर्षीय दिलीप सेन्दरे मजदूरी व कृषि कार्य करता है जिसके परिवार में पत्नि एवं बच्चें है। लेकिन उनकी पत्नि अपने बच्चों के साथ मायके चले गई थी और दिलीप घर पर अकेला था, जिसे शनिवार की रात 8 बजे तक ग्राम के चौक में घुमते हुए देखा गया था। जिसके बाद वह अपने घर आ गया था। रविवार की सुबह जब उनका छोटा भाई किसी काम से अपने बड़े भाई दिलीप के मकान पहुंचा तो वह फांसी पर लटका हुआ दिखाई दिया। जिसे देखकर वह घबरा गया और परिजनों, पड़ोसियों एवं पुलिस को घटना की जानकारी दी। साथ ही स्वयं के मकान में फांसी लगाने से दिलीप सेन्दरे की मौत हो जाने की जानकारी ग्राम में आग की तरह फैल गई और लोगों की घटना स्थल में भीड़ लग गई। वहीं पुलिस को घटना की जानकारी लगने के बाद थाना प्रभारी के निर्देश पर पुलिसकर्मी घटना स्थल पहुंचकर ग्रामीणजनों की मदद से मृत व्यक्ति के शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए लालबर्रा अस्पताल लेकर आये। जहां चिकित्सक के द्वारा पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि मृतक दिलीप सेन्दरे मजदूरी के साथ ही कृषि कार्य करता था, जिसके परिवार में पत्नि व बच्चे है जिसकी पत्नि बच्चों के साथ गत दिवस मायके चले गई है और दिलीप अकेला घर पर था। किसी मानसिक तनाव में आकर फांसी लगाने से दिलीप सेन्दरे की मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ट्रांसफार्मर में बार-बार खराबी आने से ग्रामीणजन बिजली की समस्या से परेशान

ग्रामीणों ने विद्युत विभाग को ज्ञापन सौंपकर ट्रांसफार्मर में आ रही खराबी को सुधारकर नियमित बिजली प्रदाय देने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के शासकीय प्राथमिक स्कूल के समीप टेंगनीकला पहुंच मार्ग स्थित विद्युत विभाग के ट्रांसफार्मर में बार-बार खराबी आने से पांढरवानी एवं रामजीटोला में बिजली की समस्या बनी हुई है जिससे ग्रामीणजनों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विद्युत की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने गत दिवस विद्युत विभाग कार्यालय पहुंचकर कनिष्ठ अभियंता को ज्ञापन सौंपकर ट्रांसफार्मर में आ रही खराबी एवं बार-बार उड़ रहे फ्युज की समस्या को दुर कर नियमित रूप से बिजली प्रदाय करने की मांग की है। आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत पांढरवानी स्थित शासकीय प्राथमिक स्कूल के समीप विद्युत विभाग का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है जिससे ग्रामीणजनों के घरों में विद्युत कनेक्शन गया हुआ है। लेकिन विगत दिवस से ट्रांसफार्मर का प्यूज बार-बार उड़ रहा है। साथ ही तकनीकी खराबी आ रही है जिसके कारण पांढरवानी, रामजीटोला के कुछ क्षेत्र में बिजली की समस्या बनी रहती है इसलिए ग्रामीणजनों ने ट्रांसफार्मर में आ रही खराबी एवं बिजली की समस्या से पूर्व में विद्युत विभाग को अवगत भी करवा दिये है। लेकिन इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। चर्चा में फिरोज नियाजी ने बताया कि पांढरवानी स्थित शासकीय प्राथमिक स्कूल के समीप विद्युत विभाग का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है जिसका प्यूज बार-बार उड़ जाता है। साथ ही ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी आने के कारण बिजली की समस्या बनी रहती है। ऐसी स्थिति में बार-बार बिजली गुल, लो-वोल्टेज रहने के कारण बारिश के दिनों में ग्रामीणजनों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए गत दिवस विद्युत विभाग को ज्ञापन सौंपकर ट्रांसफार्मर में आ रही खराबी को दुरूस्त कर नियमित रूप से बिजली प्रदाय करने की मांग की है।

मन की बात कार्यक्रम से अतिंम छोर के व्यक्ति को भी सरकार के कार्यो की मिलती है जानकारी-प्रदीप जायसवाल

23 बूथो का संयुक्त कार्यक्रम कृषि मंडी परिसर में हुआ आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को रेडियो कार्यक्रम मन की बात के १२३ वें एपिसोड के माध्यम से पुरे देश से चर्चा की। भाजपा नगर मंडल ने भी नगर के सभी २३ बूथो का संयूक्त कार्यक्रम कृषि उपज मंडी में आयोजित किया। जिसमें पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष सरिता मनोज दांदरे सहित भाजपा के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री ने मन की बात में एक प्रेरणादायी महिला सोमा उईके की कहानी को देश के सामने प्रस्तुत किया। उन्होने सोमा उईके के साहस, समर्पण और सामाजिक बदलाव के प्रति उनके योगदान को राष्ट्रीय मंच पर उजागर किया। सोमा उईके मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के कटंगी विकासखंड के एक छोटे से गाँव भजियापार की निवासी है। जिन्होने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से ना केवल अपने समुदाय बल्कि पूरे देश

के लिए एक मिसाल कायम की है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में बताया कि सोमा ने ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने और स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के माध्यम से सैकड़ों महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाइ है। पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की हमारे प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम को आज क्षेत्र के सभी बूथो में सुना जाता है। बूथ के माध्यम से देश की सरकार क्या कर रही है यह जानकारी भी जनता को मिल रही है। साथ ही हमारी ग्राम पंचायते या नगर पालिका परिषद क्या कार्य कर रही है, इसके क्या फायदे है इसकी जानकारी भी मिल जाती है। साथ ही सभी में एक नया उत्साह आने से देश की गति भी अनेक विषयो में बढ़ती महसूस होती हैं। नगर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा ने कहा की आगे भी इसी तरह मन की बात कार्यक्रम सरकारी कार्यालयो में आयोजित किये जाते रहेगें। जिससे सभी वर्गो में मन की बात कार्यक्रम को सीधे तौर पर पहुचाया जा सके। कार्यक्रम में कृषि उपज मंडी के सचिव डी एल पंचेश्वर, भूपेश बारी, नगेन्द्र रंगारे, राजकुमार पंचेश्वर,नखन धूर्व ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल का स्वागत किया। कार्यक्रम में मंच संचालन सुनील पिपरेवार महामंत्री व आभार प्रदर्शन नगर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा के द्वारा कुशलता से किया गया। इस दौरान संदीप मिश्रा भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जयसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, नपा उपाध्यक्ष श्रीमती प्रीति शिव, पूर्व महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती निर्मला पटले, पूर्व नपा अध्यक्ष आलोक खरे, महामंत्री सुनील पिपरेवार,जिला मंत्री किरण शर्मा, अरमान खान, मयंक मिश्रा, मिथिलेश बुरडे, जगदीश नेमा, मनीषा पिपरेवार, श्रीमती रितु आलोक खरे,सुनील जायसवाल, योगेंद्र मोनू लिमजे, हर्षित रेड्डी, आकाश चौबे,संजय गुप्ता, विजय सुराना, संतोष शिव,हितेंद्र पात्रे,गिरधारी चिमनानी, रविकांत गोखले, अशोक पात्रे,सुनील विश्वकर्मा,राहिल खान, प्रवीण रूसिया, लोकेश ठाकरे, रामदयाल पात्रे, मुकेश पखाले,ललिता लोकेश ठाकरे, दीपा प्रवीण रूसिया, पप्पू लालवानी, वरुण त्रिवेदी, श्रीकांत सेंदरे, साधु चिमनानी हरिओम जोशी,देवेंद्र राठौर,शुभम मोंटू जैन ,मनीष बुरडे,बालू जैवार, मनोज लिल्हारे, साधु चिमनानी,सौरभ जैन, अमूल इंगले सुभाष पारधी, लक्ष्मी नारायण डेकाटे, मदन धार्मिक उपस्थित रहे।

कृषि भूमि को कम दाम में क्रय कर कॉलोनी नाइजर राजस्व को लगा रहे चूना

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी तहसील के अंतर्गत कृषि भूमि पर बड़े पैमाने पर अवैध प्लाटिंग कर बिना डायवर्सन के खरीद बिक्री करने का गोरखधंधा तेजी से पनप रहा है। इन प्लॉटिंग पर मूलभूत सुविधाओं का पूर्ण रूप से अभाव होता है। इसके बाद भी जिम्मेदार अधिकारी मौन दिखाई दे रहे जो ऐसे लोगों को संरक्षण देते प्रतीत हो रहे है। तहसील के भोरगढ़, किन्ही में कॉलोनी नाइजर संक्रिय है। राजस्व विभाग की कथित सांठगांठ से जारी अवैध खरीद फरोख्त के मामले में प्रशासनिक उदासीनता से जिला प्रशासन की भूमिका पर भी सवालिया निशान खड़े होने लगे है। शहर से लेकर गांव तक बिना अनुमति और लाइसेंस के ग्राहकों को सब्जबाग दिखाकर कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा है। प्लाटिंग के लिए कई एकड़ कृषि भूमि खरीदकर प्लॉटिंग कर बेची जा रही है। प्रशासनिक अनुमति के बगैर मुरूम की सड़क बनाकर प्लॉट कटिंग करने और बेचने का अवैध कारोबार मिली भगत से जारी है। तहसील और जिला प्रशासन की उदासीनता की वजह से अवैध प्लाटिंग करने वाले के हौसले बुलंद है।

बगैर पंजीयन के चल रहा है कारोबार

ग्राम पंचायत किन्ही और भोरगढ़ के बीच में अवैध प्लाटिंग का काम तेजी से चल रहा है। किसानो की जमीन का सौदा कर कृषि भूमि का बगैर डायवर्सन प्लांट के रूप में टुकड़े कर रहे है जिन्हें खुद का प्रोजेक्ट बताकर धांदलेशाही से बेचा जा रहा है। लोगों को नेशनल हाईवे और स्टेट हाईवे में से लगा प्लाट का झांसा दिया जा रहा है। प्लांट में ३० फीट सड़क और आकर्षक उपहार बताकर प्लाटिंग के अवैध कारोबार को बेखोफ अंजाम दिया जा रहा है।

सरकार व राजस्व को लगाया जा रहा करोड़ों का चुना

कॉलोनाइजर एकड़ के भाव में जमीन का एग्रीमेंट कर उसे वर्ग फीट के हिसाब से बेचते हुए करोड़ों रुपए की चपत सरकार को लगा रहे। २००० वर्ग फीट से लेकर २४०० वर्ग फीट तक के प्लाट लोगों को धोखे में रखकर अवैध तरीके से बेचे जा रहे है। प्लाट खरीदने वालों के साथ तो धोखाधड़ी हो रही है साथ ही शासन को राजस्व का भी करोड़ों का चूना लगाया जा रहा है।

भोरगढ़ में राइस मिल के सामने भूखण्ड विक्रय नियमानुसार नही हो रहा है। बिना अनुमति और लाइसेंस के कॉलोनी का निर्माण हो रहा है। जिसका पंचनामा प्रतिवेदन तहसीलदार को भेज दिया गया है। अग्रिम कार्यवाही उच्च अधिकारी ही करेंगे।

हेमंत उईके
पटवारी भोरगढ़

कायदी के ग्रामीणों ने विधायक पटेल को सड़क बनवाने सौंपा ज्ञापन

ग्राम की कच्ची सड़को को बनाकर शहर से जोड़ने का किया जायेगा प्रयास-विवेक पटेल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कायदी के ग्रामीणों ने सड़क बनवाने को लेकर विधायक जनसंपर्क कार्यालय में पहुंचकर विधायक विवेक पटेल को ज्ञापन सौंपा। ग्राम कायदी के रहवासी कई वर्षों से ग्राम में पक्की सड़क बनवाने की मांग कर रहे है। सैकड़ों ग्रामीण विधायक विवेक पटेल से सड़क बनवाने की मांग की जिसके बाद विधायक विवेक पटेल ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि बहुत ही जल्द आप लोगों की मांग के अनुसार ग्राम में पक्की सड़क बन जाएगी। ग्राम कायदी निवासी जितेंद्र सुलाखे ने बताया कि ग्राम कायदी में खेमचन्द्र नगरगड़े के घर से अनिल नगरगड़े के घर तक कच्ची सड़क है। जिससे बारिश के समय बच्चों को स्कूल जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जिससे बच्चे कई बार कीचड़ में गिर चुके है हमने कई बार पूर्व के जनप्रतिनिधियों को

ज्ञापन के माध्यम से ग्राम में पक्की सड़क बनवाने की मांग की थी। मगर किसी भी जनप्रतिनिधियों के द्वारा सड़क नहीं बनवाया गया चुंकी अब बारिश का मौसम शुरू हो चुका है। ऐसे में कभी भी घटना हो सकती है हमने विधायक विवेक पटेल से सड़क बनवाने मांग किए है। उन्होंने हम सभी ग्राम वासियों को आश्वस्त किया है कि बारिश के समाप्त होते ही बहुत जल्द ग्राम में पक्की सड़क का निर्माण शुरू हो जाएगा। विधायक विवेक पटेल ने ग्राम वासियों से कहा कि हमारा काम है कि ग्राम की सड़को को शहर से जोड़ना है। कच्ची सड़क होने के कारण बारिश के समय संपर्क टूटा जाता हैं पूर्व के जनप्रतिनिधि सिर्फ आश्वासन देते थे। हम ग्रामीणों से वादा करते है उसे पूरा करते है आप सभी ग्राम के लोग ग्राम में पक्की सड़क बनवाने की मांग किए है । बारिश के समाप्त होते ही बहुत जल्द पक्की सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा। हमने चुनाव के पूर्व क्षेत्र की जनता से जो वादे किए थे उसे पूरा कर रहे है । मुझसे क्षेत्र की जनता जो काम करवाने कहेगी मैं उसी काम को पूरा करूंगा। क्षेत्र की जनता जैसा काम कहेगी उन्हीं के अनुसार काम किया जाएगा। जनपद सदस्य जीतू राजपूत, उपसरपंच धरमसिंह राजपूत, पूर्व सरपंच संजय माहुले, संदीप माहुले, मनोज अडमे, तपेश नेवारे, हरि बिजाडे,अंकुश जामने, उदेलाल वल्के, रवि मसकरे,अंकित नगरगड़े,धनलाल सहारे,धर्मेंद्र नेवारे, चिंटू गीते, मनोज अडमे, सुखवंती मसखरे, प्रेमलता वाजनघाटे, प्रियंका वाजनघाटे,आशा सोनवाने,सीमा नगरगड़े,गायत्री सहारे,सुनीता नेवारे,शीला गीते,मीना अडमे सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

खैरलांजी की समस्याओं को लेकर पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने प्रशासनिक अधिकारियों को की शिकायत

क्षेत्र में अवैध रूप से ढ़ाबा,जुंआ सट्टा धड़ले से चल रहा है-रामकुमार नगपुरे

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी क्षेत्र अंतर्गत समस्याओं को लेकर पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे के द्वारा जिला कलेक्टर बालाघाट, जिला अधीक्षक बालाघाट, पुलिस महानिरीक्षक बालाघाट जोन को लिखित शिकायत की हैं। जिसमें अवैध कार्य पर अंकुश लगाने एवं इन कार्यों में संलिप्त अधिकारी कर्मचारियों पर कार्यवाही करने के साथ ही तहसील मुख्यालय की विभिन्न समस्याओं का निराकरण करने की मांग की गई। शिकायत में उल्लेखित है कि खैरलॉजी तहसील मुख्यालय होने के बावजूद यहां बिजली कटौती की समस्या बनी रहती है। क्षेत्र के विभिन्न ग्रामो से हितग्राही विभागीय कार्यो के लिए आते है किन्तु बिजली गुल रहने के कारण उनका काम नहीं हो पाता बिजली कटौती पर तत्काल रोक लगाई जायें। क्षेत्र में जुआ एवं सट्टा बड़े पैमाने पर खेला जा रहा है गांव गांव में खाईवाल तथा सट्टा लिखने वाले हो चुके है । जिनमे कानून का खौफ नहीं है। वहीं क्षेत्र से बडे पैमाने पर जानवरों की तस्करी थाने के सामने से की जा रही है जो कि खैरी नाका

,मोवाड़ नाका साकड़ी नाका से हो रहा है। महाराष्ट्र पासिंग गाड़ी क्षेत्र में आकर इन अवैध कार्यों कों अंजाम दे रही है यह भी पुलिस प्रशासन की जानकारी में है। फिर भी इस पर रोक लगाना समझ से परे लग रहा है। यह कि तहसील स्तर पर जितने भी अधिकारी कर्मचारी है जिसमें पुलिस प्रशासन ,तहसीलदार , जनपद सीईओ ,डाक्टर, नर्स सीएचओ ,राजस्व अधिकारी, महिला बाल विकास अधिकारी, जनपद इंजिनियर सहित समस्त अधिकारी और कर्मचारी शहर से आना जाना करते है। इन सभी का निवास मुख्यालय पर रहना चाहिये। तहसील कार्यालय में ना पानी पिने की व्यवस्था है, ना प्रसाधन की व्यवस्था है। जिसके चलते ग्रामीणजनों को समस्याओं का सामना करना पड़ता है। तहसील कार्यालय में तमाम प्रकरण जैसे रिकार्ड दुरूस्ती ,नक्शा, खसरा ,बटांकन, बटवारा ,मुख्यमंत्री कृषक कल्याण योजना व अन्य आर्थिक सहायता जिन्हें पंजीबध्द नहीं किया जाना हैं । किस वजह से प्रकरण पोर्टल पर पेंडिंग होते हुए भी पेंडिंग नहीं दिखाता पता नहीं। इस प्रकार क्षेत्र में अवैध कार्य जुआ, सट्टा जानवरों की तस्करी की जानकारी खैरलांजी के पुलिस प्रशासन को रहती है। इन्हीं के संरक्षण में सभी कार्य चल रहें है जब से ये लोग पदस्थ है इनकी मोबाईल की कॉल डिटेल निकालकर जांच की जावें एवं इन्हें दण्डित कर तत्काल यहां से हटाया जावें। पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे ने बताया कि क्षेत्र में ढाबा,जुआ सट्टा धड़ले से चल रहा है थाना प्रभारी की देखरेख में चल रहा है। इसकी शिकायत हमने की है कि इन लोगों के मोबाइल ट्रेस किया जाए क्योंकि सारी अवैध वसूली यही कर रहे हैं। यदि आप देखे तो खैरलांजी तहसील मुख्यालय है जहां पर तहसील कार्यालय जनपद पंचायत और अस्पताल यह बड़े संस्थान है जहां क्षेत्र के लोग आते हैं। बिजली गुल होने से या समय पर उन्हें अधिकारी कर्मचारी उपलब्ध नहीं होने से हताश होकर लौटना पड़ता है। क्योंकि सभी बाहर से आते हैं समय पर नहीं आ पाते हैं १०.३० बजे कार्यालय खुलते हैं ११ बजे अधिकारी आना चाहिए। किंतु इनकी कोई समय सीमा नहीं है मनमर्जी के सभी मालिक हो चले हैं। हम लंबे समय से मांग कर रहे हैं कि इन सभी जिम्मेदार लोगों के निवास तहसील मुख्यालय में होने चाहिए इस पर प्रशासन को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। मैंने थाना प्रभारी और उनके दो आरक्षक कि शिकायत की है कि इन्हें यहां से तत्काल हटाया जाए। अच्छे अधिकारी कर्मचारी नियुक्त किया जाए जो गलत कार्यों पर रोक लगा सके।

सराफा एशोसियेशन और बीआईस का जिला स्तरीय जागरूकता सम्मेलन संपन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सराफा एशोसियेशन वारासिवनी और बीआईस विभाग नागपुर जोन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय सराफा व्यापारी ,रिटेलर, होलसेलर कारीगर, मेनुफेक्चरर एवं सराफा व्यापार की बैठक सांई लान में आयोजित की गई। इस आयोजन निशा वी कणबर्गी, नरेश मेश्राम,अनिल कांकरिया, राकेश सोनी ,मानक सोनी की मौजूदी में किया गया। ज्ञात हो कि विगत वर्षों से सराफा जगत में आभूषण विक्रय के लिए विभिन्न मानक तय हुए हैं और इनकी खरीदी, बिक्री, निर्माण एवं व्यापार के लिए गाइडलाइन बनाई गई है। जिनके लिए सराफा व्यापारी और अधिकारियों की टीम ने आपसी चर्चा में इन सभी पक्षों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस आयोजन का शुभारंभ भारतमाता के समक्ष दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रीय गीत का गायन कर किया गया। तत्पश्चात राकेश सोनी के द्वारा इस आयोजन के महत्व आवश्यकता और जागरूकता को लेकर सभी उपस्थित जनों

को दिशा निर्देश दिया गया। इस क्रम में बीआईस विभाग नागपुर जोन की संयुक्त निदेशक निशा वी कर्णबर्गी द्वारा विभाग एवं केंद्र सरकार द्वारा सराफा हालमार्क संबंधित नियम एवं आयोजन की जरूरत को लेकर विषय रखकर अपनी तकनीकी टीम के साथ प्रोजेक्टर पर विभिन्न मानक स्तर, रजिस्ट्रेशन, बीआईस एप्लिकेशन, उपभोक्ताओं को उच्चतम गुणवत्ता के साथ पारदर्शी व्यापार करने के लिए साथ मिलकर व्यवस्था बनाने और सभी व्यापारियों के रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इस सत्र में संपूर्ण जिले के प्रत्येक एशोसियेशन के सराफा व्यापारियों ने सक्रियता से अपने अनुभवों के आधार पर सवाल कर उत्तम और विधिसम्मत व्यापार करने के लिए जानकारी प्राप्त की। इसमें जिले की सबसे दूरस्थ तहसीलों बैहर, लांजी, किरनापुर, मानेगांव, रजेगांव, बालाघाट, कटंगी, लालबर्रा,खैरलांजी, रामपायली से भी बड़ी संख्या में सराफा व्यवसायी एकत्रित हुए।

सड़क हादसे में सुखीबाई भूरे घायल सिविल अस्पताल में चल रहा उपचार

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी रामपायली मार्ग स्थित ग्राम सिंगोड़ी में सड़क हादसे में ६५ वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। इसमें बताया जा रहा है कि सुखीबाई भूरे अपने रिश्तेदार के यहां जा रही थी। तब यह दुर्घटना हो गई जिसका उपचार सिविल अस्पताल में जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुखी बाई पति स्व. हरिलाल भूरे ६५ वर्ष महाराजपुर निवासी अपने नाती के साथ मोटर साइकिल से कच्चेखनी अपने रिश्तेदार के घर मिलने के लिए जा रही थी। तभी वारासिवनी रामपायली मार्ग पर स्थित ग्राम सिंगोड़ी के पास में सड़क पर बने गड्ढे के कारण यह दुर्घटना हो गई। जिसमें तत्काल घायल महिला को सिविल अस्पताल वारासिवनी लाया गया जहां पर उनका उपचार जारी है। इस दुर्घटना में उन्हें हाथ पैर सर

सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों में अंदरूनी और बाहरी चोटे आई है।

आर सेटि बालाघाट द्वारा 30 दिवसीय इलेक्ट्रिक मोटर रिवाइंडिंग प्रशिक्षण का भव्य समापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। 29 जून 2025 सेंट ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), बालाघाट में निदेशक श्री एस.बी. भोंडेकर के कुशल मार्गदर्शन में 30 दिवसीय इलेक्ट्रिक मोटर रिवाइंडिंग एंड सर्विसेज का आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 29 जून 2025 को उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। इस नि:शुल्क प्रशिक्षण में 16 प्रशिक्षणार्थियों ने सफलतापूर्वक भाग लिया और तकनीकी कौशल हासिल किया।

यह प्रशिक्षण पूर्णत: आवासीय था, जिसमें प्रशिक्षणार्थियों के लिए सुबह का चाय-नाश्ता, दोपहर का पौष्टिक भोजन और रात्रि भोजन की नि:शुल्क व्यवस्था की गई थी। प्रशिक्षण के दौरान डोमेन स्किल ट्रेनर श्री केशव मंगुस्मारे ने अपनी विशेषज्ञता के साथ प्रशिक्षणार्थियों को इलेक्ट्रिक मोटर रिवाइंडिंग और सर्विसिंग की बारीकियों से अवगत कराया। उनकी प्रेरक शिक्षण शैली ने प्रशिक्षण को और प्रभावी बनाया। इस प्रशिक्षण का प्राथमिक उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार के लिए सशक्त बनाना था। इस दिशा में सभी 16 प्रशिक्षणार्थियों को वित्तीय सहायता और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने के लिए जनसमर्थ पोर्टल के माध्यम से क्रेडिट लिंकेज के लिए आवेदन किए गए। यह कदम प्रशिक्षणार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन में सहायक होगा। कार्यक्रम का समन्वयन श्री अंकित लिल्हारे ने अत्यंत कुशलता के साथ किया,

जिससे प्रशिक्षण का संचालन सुचारू और व्यवस्थित रहा। बैच का मूल्यांकन श्री गौरव डेहरिया और श्री नारायण कोरी द्वारा किया गया, जिन्होंने प्रशिक्षणार्थियों के कौशल और सीखने की प्रगति की सराहना की। समापन समारोह में संस्थान की फैकल्टी श्रीमती अनीता चौधरी, कु. शिवानी चिमोटे और श्री शिवम कटरे उपस्थित रहे। समारोह में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए, और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं को तकनीकी कौशल प्रदान करने और स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आरसेटी बालाघाट का यह प्रयास न केवल स्थानीय समुदाय को सशक्त कर रहा है, बल्कि क्षेत्र में उद्यमिता को भी बढ़ावा दे रहा है।

समाज की अंतरात्मा को झकझोरता मातृत्व पर लगा कलंक

रिश्तों की कोमल भूमि पर भरोसे के बीज बोए जाते हैं। वहीं से अंकुरित होता है जीवन, वहीं से जन्म लेती है संवेदना। लेकिन अगर मां की कोख से जीवन नहीं, हिंसा जन्म लेने लगे, तो वह केवल एक अपराध नहीं, बल्कि सभ्यता के विनाश का संकेत है। देवभूमि उत्तराखंड के हरिद्वार से आई हालिया घटना, जिसमें एक महिला नेत्री ने अपनी ही नाबालिग बेटी का बलात्कार करवाया, ये न केवल एक अमानवीय कृत्य है, बल्कि यह भारतीय समाज की मूल आत्मा पर किया गया क्रूरतापूर्ण आघात भी है। यह वो धरती है, जहां मां को देवी मानकर पूजा गया। जहां मातृभूमि की संकल्पना में राष्ट्र का रूप देखा गया। वही मां, जब शोषण की सूत्रधार बन जाए, सत्ता और वासना के कॉकटेल में नैतिकता की हत्या कर दे, तो इस त्रासदी को केवल अपराध नहीं कहा जा सकता। यह एक आत्महत्या है संवेदना की, परिवार की, और समाज की। यह घटना हमें मजबूर करती है कि हम सिर्फ पुलिस कार्रवाई या न्यायिक प्रक्रिया की प्रतीक्षा न करें, बल्कि आत्ममंथन करें। उस मासूम लड़की के कोमल मन पर क्या बीती होगी, जो दुनिया में सबसे सुरक्षित स्थान अपनी मां की गोद से ही अपमान, उत्पीड़न और दर्द पाती रही। जब बेटी अपनी आंखों में दहशत और सवाल लिए देखती है, और मां जवाब में ॠये सब करना ही पड़ेगाॠ कहती है, तब ये न सिर्फ विश्वासघात होता है, बल्कि उस नन्हीं आत्मा के साथ एक गहन ऐतिहासिक अन्याय भी। परिवार को भारतीय समाज में प्राथमिक इकाई कहा गया है ये वो ईकाई जो मनुष्य को मनुष्य बनाती है, जो आत्मा को साकार करती है, जो सभ्यता की नींव रखती है। लेकिन जब वही इकाई भीतर से सड़ जाए, तो कौन से मंदिर, कौन से विद्यालय, कौन सा कानून समाज को बचा पाएंगे? हम टेक्नोलॉजी में आगे बढ़े हैं, लेकिन मूल्य कहाँ पीछे छूट गए? हमारी आत्मा की आवाज़ क्यों मंद पड़ती जा रही है? यह सवाल केवल उस एक मां का नहीं है। यह सवाल हम सबका है क्या हमने परिवारों को एक आर्थिक, सामाजिक संस्था मान लिया है? क्या अब माता-पिता सिर्फ पद और प्रतिष्ठा के साधन बन गए हैं, जहां संवेदनाओं की जगह अब 'इमेज बिल्डिंग' का शोर है? बच्चे अब माता-पिता के 'इंस्ट्रूमेंट' बन रहे हैं कभी विज्ञापन में, कभी सोशल मीडिया पर, और अब, दुर्भाग्य से, अपराध के औजार में भी। हमारा समाज अक्सर बेटी के शोषण पर चुप रहता है क्योंकि अपराध घर के भीतर होता है, पर्दों के पीछे होता है, और 'इज्ज़त' की दीवार बहुत ऊंची होती है। लेकिन इस बार पर्दा खुद मां ने हटाया और अपराध को खुलेआम सहमति दी। यहां चुप रहना कायरता नहीं, सांस्कृतिक आत्मवध है। राजनीति की ज़मीन पहले से ही अपराधों से सनी हुई है, पर जब वह घर की चौखट लांघकर बेटी की अस्मिता तक पहुंच जाए, तो वह सिर्फ सत्ता का पतन नहीं, समाज की मृत्यु है। क्या हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि ऐसी महिला कैसे किसी पार्टी में पद पा गई? क्या हम केवल टिकट बांटते हैं, या चरित्र भी परखते हैं? राजनीति का अपराध से यह सांठगांठ, अब परिवारों के विनाश तक पहुंच चुका है। भारत की पारिवारिक व्यवस्था हजारों वर्षों से हमारी संस्कृति, सभ्यता और धर्म की नींव रही है। 'परिवार' केवल खून के रिश्तों का नाम नहीं, वह एक नैतिक अनुबंध है जहां बच्चों को संरक्षण, मूल्य और प्रेम मिलता है। परंतु जब वही संस्था अपवित्र हो जाए, और माता-पिता स्वयं अपने बच्चों के अपराधी बन जाएं, तब सामाजिक ताना-बाना ढहने लगता है। यह घटना स्पष्ट संकेत देती है कि आधुनिक समाज में रिश्ते अब भावना नहीं, स्वार्थ के समीकरण बन गए हैं। वह महिला नेत्री अपने प्रेमी के साथ जीवन बिताने की इच्छा में अपनी ही बेटी की बलि चढ़ा रही थी ये प्रेम नहीं, पाशविकता का आधुनिक संस्करण है। हमारे यहां 'सनातन धर्म' की धारणा केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं थी। उसमें परिवार एक धार्मिक संस्था मानी जाती थी।

परीक्षा के नए पैटर्न में छात्रों को अंकों में बेहतर सुधार का यह मौका करियर में मील का पत्थर साबित होगा

वैश्विक स्तरपर भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर पूरी दुनिया के मंझे हुएशिक्षाविदों बुद्धिजीवियों व शिक्षा के क्षेत्र में विशेष विश्लेषणात्मक भूमिका रखने वालों की पूरी नजर गड़ी हुई है, क्योंकि इस नई राष्ट्रीय नीति 2020 में अनेकों ऐसे अनुशंसित नियम व मौके हैं जो शिक्षा के क्षेत्र में भारत की पीढ़ीयों में मील का पत्थर साबित होंगे। इसके पूर्व हमने देखे कि इंजीनियरिंग सहित अनेको कोर्स अपनी मातृभाषा में करने का सटीक सिस्टम लागू किया गया है, जो इस एनईपी 2020 का ही हिस्सा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को भारत के सभी राज्यों ने भी तुरंत लागू करना चाहिए क्योंकि इस शिक्षा नीति को अपनाने से जोजनरेशन निकलेगी वह पारिस्थितिकीजन्य विश्लेषण कर नई प्रौद्योगिकी वह नीति से आगे बढ़ाने वाली होगी।आज इस विषय पर हम चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि सीबीएसई के एग्जामिनर कंट्रोलर ने बुधवार दिनांक 25 जून 2025 शाम को प्रेस में बताया कि दसवीं की परीक्षा अब सत्र 2025-2026 से वर्ष में दो बार होगी, व उसका पूरा विवरण बताए जो हम नीचे पैराग्राफ में चर्चा करेंगे।चूँकि इस नए पैटर्न से छात्रों को अंकों में बेहतर सुधार करने का मौका मिलेगा जो उनके करियर में मील का पत्थर साबित होगा, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे सीबीएसई 10वीं बोर्ड का नया पैटर्न राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिश के अनुरूप परीक्षाओं को कम तनावपूर्ण व छात्रों को सीखने का बेहतर मौका देना है। साथियों बात अगर हम सत्र 2025-26 से सीबीएसई 10वीं की परीक्षा पैटर्न में चेंज की करें तो,अगर हम या हमारे बच्चे 10वीं की तैयारी कर रहे हैं तो यह खबर हमारे लिए बेहद जरूरी है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 2026 से कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाओं के तरीके में बड़ा बदलाव करने का ऐलान किया है, अब छात्रों को परीक्षा में साल में दो बार बैठने का मौका मिलेगा, यानी अगर कोई छात्र अपने पहले प्रयास के अंकों से संतुष्ट नहीं है, तो वह दूसरी परीक्षा में बैठ सकता है, इसका उद्देश्य छात्रों पर से दबाव कम करना और उन्हें बेहतर प्रदर्शन का दूसरा मौका देना है।सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक ने दी जानकारी दीं उन्होंने कहा, "पहला चरण फरवरी में और दूसरा मई में आयोजित किया जाएगा, दोनों चरणों के परिणाम क्रमश: अप्रैल और जून में घोषित किए जाएंगेइससे छात्रों को एक ही शैक्षणिक सत्र में दो अवसर मिलेंगे और वे समय पर अपने करियर और आगे की पढ़ाई के लिए निर्णय ले सकेंगे।उन्होंने आगे कहा, "छात्रों के लिए पहले चरण में शामिल होना अनिवार्य होगा, जबकि दूसरा चरण वैकल्पिक होगा, छात्रों को विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में से किसी भी तीन विषयों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का मौका मिल सकेगा, इसका मतलब यह है कि छात्र केवल उन्हीं विषयों की परीक्षा दोबारा देंगे, जिनमां वे अपनी पहली कोशिश से संतुष्ट नहीं हैं तय मानदंडों के अनुसार, शीतकाल में बंद रहने वाले स्कूलों के दसवीं कक्षा के छात्रों को किसी भी चरण में उपस्थित होने का विकल्प मिलेगा. इसके अनुसार, शैक्षणिक सत्र के दौरान आंतरिक मूल्यांकन केवल एक बार किया जाएगा, यह बदलाव परीक्षा प्रक्रिया को सरल और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए किया गया है, सीबीएसई ने फरवरी में मसौदा मानदंडों की घोषणा की थी और हितधारकों की

प्रतिक्रिया मांगी गई थी, नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिश के मुताबिक, बोर्ड परीक्षाओं की "उच्च अपेक्षा वाले पहलू को खत्म करने के लिए सभी छात्रों को किसी भी शैक्षणिक वर्ष के दौरान दो मौकों पर परीक्षा देने की अनुमति दी जाएगी।सीबीएसई का यह नया पैटर्न राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के अनुरूप है। नीति का उद्देश्य बोर्ड परीक्षाओं को कम तनावपूर्ण बनाना और छात्रों को सीखने के बेहतर मौके देना है,सीबीएसई ने इस बदलाव से पहले फरवरी 2025 में ड्राफ्ट नियम जारी कर सभी हितधारकों से सुझाव मांगे थे,इन सुझावों के आधार पर ही यह नया पैटर्न तैयार किया गया है।सीबीएसई का यह नया फैसला बोर्ड परीक्षा को ज्यादा लचीला और छात्र-केंद्रित बनाता है, अब छात्र अपनी गलतियों को सुधारने और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए दो मौके पा सकेंगे, जिससे परीक्षा का तनाव कम होगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा। कक्षा 10 के छात्रों के लिए बोर्ड परीक्षा के पहले चरण में उपस्थित होना अनिवार्य, दूसरा चरण वैकल्पिक रहेगा। आंतरिक मूल्यांकन केवल एक बार किया जाएगा।इस फैसले के बाद छात्रों को अपने अंकों में सुधार का मौका मिल पाएगा। यदि किसी छात्र के अंक पहले चरण में कम रह जाते हैं, तो वह दूसरे चरण में अच्छा प्रदर्शन करके सुधार कर सकेगा, यह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में अनुशंसित एक कदम है। साथियों बात अगर हम 10वीं सीबीएसई के इस चेंज पैटर्न को गहराई से समझने की करें तो, नए एग्जामि पैटर्न की 3 अहम बातें, परीक्षा यानी ऑप्शनल एग्जाम में छात्रों को साइंस, मैथमेटिक्स, सोशल साइंस और लैंग्वेजेस में से किन्हीं 3 सब्जेक्ट में अपनी परफॉर्मेंस सुधारने की इजाजत दी जाएगी।विंटर बाउंड स्कूलों (सर्दियों में बंद रहने वाले स्कूल) के छात्रों को दोनों परीक्षाओं में से किसी में भी बैठने की इजाजत होगी। अगर कोई छात्र पहली परीक्षा में 3 या अधिक सब्जेक्ट्सओ में शामिल नहीं हुआ है, तो उसे दूसरी परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बता दें कि पहले और दूसरे चरण की परीक्षाओं में सेलेबस भी एक ही रहेगा और पूर्ण पाठ्यक्रम शामिल होगा, इसके साथ ही जो स्टूडेंट दोनों परीक्षा में हिस्सा लेंगे, उनके परीक्षा केंद्र एक ही होंगे,(1) अगर एग्जाम फीस की बात करें तो रजिस्ट्रेशन के वक्त ही दोनों परीक्षाओं की फीस जमा करनी होगी। (2) सीबीएसई दूसरे एग्जाम के जरिए उन स्टूडेंट्स को मौका देना चाहता है, जो एक बार परीक्षा के बाद अपने परिणामों में सुधार करना चाहते हैं (3) अगर कोई स्टूडेंट साल की दोनों परीक्षाओं में हिस्सा लेता है तो उसके उन नंबरों को फाइनल माना जाएगा, जो ज्यादा होंगे, अगर किसी के पहले एग्जाम में ज्यादा नंबर आते हैं और दूसरे एग्जाम में कम नंबर आते हैं तो उसके पहले चरण की परीक्षा के नंबर को फाइनल माना जा सकता है। बता दें कि स्टूडेंट्स तीन विषयों में अपने प्रदर्शन को बेहतर करने की अनुमति दी जाएगी, अगर कोई स्टूडेंट पहली परीक्षा में 3 या 3 से ज्यादा विषयों में शामिल नहीं हुआ है तो उसे दूसरी परीक्षा में बैठने का मौका नहीं मिलेगा।सीबीएसई की ओर से फरवरी में जो ड्राफ्ट तैयार किया गया था, उसमें कहा गया था कि सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा के पहले चरण की परीक्षा 17 फरवरी से 6 मार्च के बीच आयोजित हो सकती है और दूसरे चरण की परीक्षाएं 5 से 20 मई के आयोजित होंगी।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 2026 से वर्ष में दो बार होगी- सप्लीमेंट्री खत्म-पहली परीक्षा फरवरी में कंपलसरी, दूसरी मई में ऑप्शनल-अप्रैल जून में नतीजे,परीक्षा के नए पैटर्न में छात्रों को अंकों में बेहतर सुधार का यह मौका करियर में मील का पत्थर साबित होगा।सीबीएसई 10वीं का नया पैटर्न राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिश के अनुरूप,परीक्षाओं में कम तनावपूर्ण माहौल व छात्रों को सीखने का बेहतर मौके देना है।

-किशन सनमुखदास भावनानीं

भारत में यूरोपीय ढंग के राष्ट्रवाद की विकास यात्रा

इन दिनों दि इंडियन एक्सप्रेस में हिंदू राष्ट्रवाद के उदय एवं प्रभुत्व पर योगेन्द्र यादव, सुहास पलसीकर एवं अकील बिलग्रामी जैसे मेधावी समाज विज्ञानियों के अत्यंत गहन विचार प्रकाशित हो रहे हैं। वे इस बात से चिंतित हैं कि भारतीय राष्ट्रवाद की वर्तमान अवधारणा यूरोपियन ढंग के राष्ट्रवाद जैसी है। हम इसे हिन्दुत्व की राजनीति या हिंदू राष्ट्रवाद का नाम देते हैं। ये सभी यह स्वीकार करते हैं कि हिन्दू राष्ट्रवाद ही आज विद्यमान राष्ट्रवाद है। इसमें कोई संदेह नहीं कि हिन्दू राष्ट्रवाद अत्यंत मुखर एवं प्रभुत्वशाली है। लेकिन फिर भी भारतीय राष्ट्रवाद का विचार अभी तक भारतीय समाज के बड़े तबके के दिलों में कायम है। यदि हम मतदान प्रतिशत की बात करें तो सन् 2024 के चुनाव में हिन्दू राष्ट्रवादी पार्टी को 36। 5 प्रतिशत मत हासिल हुए थे और ऐसे आरोप थे कि इनमें से बहुत से वोट हेराफेरी और जोड़तोड़ के जरिए हासिल किए गए थे।

लेकिन फिर भी इन अध्येताओं की चिंताओं पर गहराई से विचार किया जाना जरूरी है। हिन्दू राष्ट्रवाद न केवल चुनावी राजनीति के माध्यम से सशक्त हो रहा है बल्कि इसने राष्ट्र के विभिन्न अंगों मंय घुसपैठ कर ली है और मीडिया व सोशल मीडिया के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है। यादव कहते हैं कि आज के भारत में इस आक्रामक राष्ट्रवाद के बोलबाले के लिए वे सेकुलरवादी, अंतर्राष्ट्रीयतावादी व आधुनिकतावादी आचार-व्यवहार दोषी हैं जिन्हें आजादी के बाद के भारत में बढ़ावा दिया गया। इसके चलते हर किस्म के राष्ट्रवाद से किनारा कर लिया गया। राष्ट्रवाद का एक शून्य उत्पन्न हो गया जिसे आज राष्ट्र के हिन्दुत्वादी विचार ने भर दिया हैं"। पलसीकर का मानना है कि आज के हिन्दू राष्ट्रवाद की जडें उस राष्ट्रीय आन्दोलन में हैं जो आज से एक सदी से भी ज्यादा पहले भारत में चलाया गया था।बिलग्रामी भारतीय लोकाचार की प्रशंसा इन शब्दों में करते हैं सदियों से भारतीय समाज की यह खासियत रही है कि वह बिना प्रयास किए और बिना ढोल पीटे धर्म और संस्कृति की दृष्टि से बहुवादी बना रहा। इसके विपरीत, आज का यूरोपीय ढंग का राष्ट्रवाद विभाजित करता है और उसे एकता बताता है। पलसीकर के इस टिप्पणी कि हिन्दू राष्ट्रवाद की जड़ें आजादी के संघर्ष के काल में हैं के उत्तर में वे कहते हैं, "इसमें कोई संदेह नहीं कि यह नजरिया आजादी के संघर्ष के दौरान मौजूद था किंतु गांधी और नेहरू के बोलबाले के कारण वह हाशिए पर रहा और इससे निश्चित ही कई सवाल उलझे हुए रह गए। किंतु यह पक्के तौर पर कहा जा सकता है यह मौजूदा हिन्दुत्व राष्ट्रवाद की जड़ नहीं हैं"। भारत के मौजूदा हालातों और हिन्दू राष्ट्रवाद के बढ़ते खतरे को समझने के लिए कुछ अन्य बिन्दुओं पर विचार करना आवश्यक है। यूरोप में सार्वभौमिकता सम्राटों/राजाओं से आधुनिक केन्द्रीयकृत राज्य तक पहुंची। ऐसे राज्यों के उदित होने पर उनका साबका समाज के विभिन्न तबकों से पड़ा जिससे धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा उत्पन्न हुई। भारत में हम औपनिवेशिक शासन के अधीन रहे जिसने ज्यादातर राजाओं की सार्वभौमिकता को समाप्त कर उनके राज्यों को अपने अधीन कर लिया। आजादी के बाद ये औपनिवेशिक राज्य भारत का हिस्सा बने। यह भारत अपने संविधान के प्रावधानों के अनुसार संचालित होना था जो समावेशी था और किसी को दूसरा नहीं बताता था (योगेन्द्र यादव के शब्द)। भारत इस राह पर चला और कम से कम सैद्धांतिक तौर पर आज भी वह भारतीय राष्ट्रवाद की राह पर चल रहा है। मगर आज हिंदू राष्ट्रवाद, भारतीय राष्ट्रवाद से बड़ा हो गया है। वह संकीर्ण है और यूरोपीय ढंग का है लेकिन जहाँ यूरोप में भाषा, धर्म और संस्कृति आधारित विभाजन और राष्ट्रवाद थे (मुख्यत: भाषा-आधारित), भारत में हिंदू और मुस्लिम राष्ट्रवाद का एकमात्र आधार धर्म था, जिसे साम्प्रदायिकता भी कहा गया। आधुनिक कल-कारखानों, शिक्षा, परिवहन एवं संचार के साधनों के विकास के साथ ही भारतीय राष्ट्रवाद की जड़ें उभरना प्रारंभ हो गईं। इस राष्ट्रवाद के उभार में सहायक थे वे सामाजिक आंदोलन जो ऊंच-नीच के बंधनों को तोड़ रहे थे। नारायण मेघाजी लोखंडे व कामरेड सिंगरालू के नेतृत्व वाले आंदोलनों ने मजदूरों को संगठित किया। जोतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, अंबेडकर और पेरियार ने सामाजिक समानता के लिए संघर्ष किया जो भारतीय राष्ट्रवाद का एक महत्वपूर्ण घटक है। गांधी और नेहरू ने औपनिवेशिक शासन के खिलाफ जनांदोलन का नेतृत्व किया। इस आंदोलन का लक्ष्य केवल देश की सार्वभौमिकता अंग्रेजों से छीनकर भारतीय निर्वाचित प्रतिनिधियों को सौंपना नहीं था बल्कि पूर्ण समावेशिता हासिल करना भी था। इस भारतीय राष्ट्रवाद के सशक्त होने के साथ-साथ ही सामंती तत्वों ने उन प्रवृत्तियों की नींव डाली जिन्होंने अंतत: हिंदू और मुस्लिम राष्ट्रवाद का स्वरूप लिया। इन प्रवृत्तियों का विश्वास था कि धर्म ही राष्ट्रवाद का आधार है। उन्हें राजाओं-नवाबों और समाज के कुलीन वर्गों का समर्थन मिला जिन्हें उस समय कायम किंतु अस्त होते सामाजिक ढांचे में ऊंचा दर्जा हासिल था। समय के साथ इसका नतीजा मुस्लिम लीग, हिंदू महासभा और आरएसएस की स्थापना के रूप में सामने आया। इससे अंग्रेजों को 'फूट डालो और राज करो' की अपनी नीति को लागू करने में मदद मिली और बाद में इसी के नतीजे में भारत का विभाजन हुआ। भारत में हिंदू राष्ट्रवाद पहले ही काफी सशक्त हो चुका था और जर्मनी और इटली जैसे यूरोपीय राष्ट्रवाद इसके आदर्श थे। प्रशिक्षित स्वयंसेवकों और प्रचारकों के माध्यम से इसकी विचारधारा मुंहजुबानी प्रचार से देश के कोने-कोने में फैल गई। आजादी के तुरंत बाद यह स्पष्ट हो गया कि हिंदू राष्ट्रवाद कितना प्रबल है। उसके पूर्व प्रचारक नाथूराम गोडसे ने उपनिवेश विरोधी आंदोलन के मुखिया, भारतीय राष्ट्रवाद के सबसे बड़े हिमायती, महात्मा गांधी के सीने में तीन गोलियां झोंक दीं। आरएसएस हिंदू राष्ट्रवाद का समर्थन करने वाला एकमात्र संगठन नहीं था। हिंदू महासभा भी थी और हिंदू राष्ट्रवादी तत्वों के एक तबके ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में भी घुसपैठ कर ली थी। जवाहरलाल नेहरू को इसके कारण भारतीय राष्ट्रवाद के लिए उत्पन्न हुए खतरे का एहसास हो गया था किंतु विभिन्न कारणों से वे इसे जड़ से उखाड़ नहीं पाए, जिनमें से एक था भारत में जमींदारी प्रथा का कायम रहना। यह समाज में बढ़ती धार्मिकता में भी प्रतिबिंबित होता था। स्पष्टत: हिंदू राष्ट्रवाद जाति एवं लिंग आधारित गैर-बराबरी के मामले में यथास्थिति कायम रखने का पक्षधर है। उसका समाज के कुछ विशिष्ट वर्गों पर प्रभाव तब साफ नजर आया जब गौवध के संबंध में एक कानून बनाने की मांग उठाई गई और हजारों साधु संसद के समक्ष एकत्रित हुए। सन 1980 के दशक में उसका प्रभुत्व तब स्पष्ट दिखा जब यात्राओं के आव्हान किए गए और धार्मिक कट्टरता में जबरदस्त बढ़ोत्तरी हुई। शाहबानो मामले के बहाने मुसलमानों के तुष्टिकरण की बात लोगों के दिल में बिठा दी गई और राम मंदिर आंदोलन ने हिंदू राष्ट्रवाद के ज्वार का मार्ग प्रशस्त कर दिया।

-राम पुनियानी

जगन्नाथ रथ यात्रा है भगवान को पाने का पर्व

हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है।देवताओं की मूर्तियों को तीन विशाल रथों में ले जाया जाता है जिन्हें उत्साहित भक्त खींचते हैं। यह उत्सव आषाढ़ (जून-जुलाई) महीने के पखवाड़े के दूसरे दिन शुरू होता है और नौ दिनों तक चलता है। इस यात्रा को रथ महोत्सव और गुंडिचा यात्रा के नाम से जाना जाता है। पंचांग के अनुसार, 2025 में तिथि 26 जून को दोपहर 1:24 बजे से शुरू हुआ और पुरे देश मेँ धूमधाम से मनाई जा रही है जो 5मई तक चलेगा । पूरी के जगन्नाथपूरी मेँ कहा जाता की भगवान श्री कृष्ण का दिल है दरअसल जब महाभारत मेँ गांधारी जो एक पतिव्रता स्त्री थी गांधारी ने महाभारत मेँ कौरवों के नाश के बाद भगवान श्री कृष्ण को श्राप दिया था जिस तरह मेरे सारे पुत्रों कृष्ण के उकसाने पर मारे गए हैं तो तुम्हारे वंश का भी विनाश होगा भगवान कृष्ण चाहते तो इसे बचा सकते थे और कहा जाता है कि द्वारिका नगरी समुद्र मेँ डूब गई और भगवान श्री कृष्ण किसी जंगल मेँ सोये थे तो किसी जंगल मेँ जानवर का एक शिकारी ने हिरण के शिकार के भ्रम मेँ भगवान श्री कृष्ण के पाँव मेँ तीर लग गई और तब शिकारी ने कहा कि गलती से भगवान ये बाण लगा मुझे माफ करें तब उन्होंने बताया की यह होना तय था और पिछले जन्म मेँ तुम बाली थे और मैं भगवान श्री राम और मैंने तुम्हे धोखे से मारा था उसके बाद भगवान कृष्ण ने प्राण त्याग दिए और पांडवों ने भगवान कृष्ण का अंतिम संस्कार किया था।जिसमें अस्थि के साथ उनका दिल भी था समुद्र मेँ प्रवाहित कर दि एक पौराणिक कथा के अनुसार, राजा इंद्रद्युम्न को स्वप्न में भगवान कृष्ण ने दर्शन दिए और अपनी अस्थियों वाला एक संदूक जिसमें दिल भी था जो पुरी में समुद्र किनारे मिलने की बात बताई। भगवान ने राजा को उस संदूक को उसी स्थान पर रखकर उसके ऊपर एक मंदिर बनवाने का आदेश दिया, जिसका नाम जगन्नाथ होगा। भगवान ने यह भी कहा कि मंदिर में कोई मूर्ति नहीं होगी और एक विद्वान को रखा जाएगा जो पवित्र गीता के अनुसार ज्ञान का प्रचार करेगा। राजा ने भगवान से मंदिर के स्थान को दिखाने का अनुरोध किया, और भगवान ने उन्हें वह स्थान दिखायाइस मंदिर का सबसे पहला प्रमाण महाभारत के वनपर्व में मिलता है। कहा जाता है कि सबसे पहले सबर आदिवासी विश्वावसु ने नीलमाधव के रूप में इनकी पूजा की थी। आज भी पुरी के मंदिरों में कई सेवक हैं जिन्हें दैतापति के नाम से जाना जाता है। राजा इंद्रदयुम्न मालवा का राजा था जिनके पिता का नाम भारत और माता सुमति था। राजा इंद्रदयुम्न को सपने में हुए थे जगन्नाथ के दर्शन। कई ग्रंथों में राजा इंद्रदयुम्न और उनके यज्ञ के बारे में विस्तार से लिखा है। उन्होंने यहां कई विशाल यज्ञ किए और एक सरोवर बनवाया। एक रात भगवान विष्णु ने उनको सपने में दर्शन दिए और कहा नीलांचल पर्वत की एक गुफा में मेरी एक मूर्ति है उसे नीलमाधव कहते हैं। ?तुम एक मंदिर बनवाकर उसमें मेरी यह मूर्ति स्थापित कर दो। राजा ने अपने सेवकों को नीलांचल पर्वत की खोज में भेजा। उसमें से एक था ब्राह्मण विद्यापति। विद्यापति ने सुन रखा था कि सबर कबीले के लोग नीलमाधव की पूजा करते हैं और उन्होंने अपने देवता की इस मूर्ति को नीलांचल पर्वत की गुफा में छुपा रखा है। वह यह भी जानता था कि सबर कबीले का मुखिया विश्वेवसु नीलमाधव का उपासक है और उसी ने मूर्ति को गुफा में छुपा रखा है। चतुर विद्यापति ने मुखिया की बेटी से विवाह कर लिया। आखिर में वह अपनी पत्नी के जरिए नीलमाधव की गुफा तक पहुंचने में सफल हो गया। उसने मूर्ति चुरा ली और राजा को लाकर दे दी। विश्वचवसु अपने आराध्य देव की मूर्ति चोरी होने से बहुत दुखी हुआ। अपने भक्त के दुख से भगवान भी दुखी हो गए। भगवान गुफा में लौट गए, लेकिन साथ ही राज इंद्रदयुम्न से वादा किया कि वो एक दिन उनके पास जरूर लौटेंगे बशर्ते कि वो एक दिन उनके लिए विशाल मंदिर बनवा दे। राजा ने मंदिर बनवा दिया और भगवान विष्णु से मंदिर में विराजमान होने के लिए कहा। भगवान ने कहा कि तुम मेरी मूर्ति बनाने के लिए समुद्र में तैर रहा पेड़ का बड़ा टुकड़ा उठाकर लाओ, जो द्वारिका से समुद्र में तैरकर पुरी आ रहा है। राजा के सेवकों ने उस पेड़ के टुकड़े को तो ढूंढ लिया लेकिन सब लोग मिलकर भी उस पेड़ को नहीं उठा पाए। तब राजा को समझ आ गया कि नीलमाधव के अनन्य भक्त सबर कबीले के मुखिया विश्वूवसु की ही सहायता लेना पड़ेगी। सब उस वक्त हैरान रह गए, जब विश्ववसु भारी-भरकम लकड़ी को उठाकर मंदिर तक ले आए। अब बारी थी लकड़ी से भगवान की मूर्ति गढ़ने की। राजा के कारीगरों ने लाख कोशिश कर ली लेकिन कोई भी लकड़ी में एक छैनी तक भी नहीं लगा सका। तब तीनों लोक के कुशल कारीगर भगवान विश्वेकर्मा एक बूढ़े व्यक्ति का रूप धरकर आए। उन्होंने राजा को कहा कि वे नीलमाधव की मूर्ति बना सकते हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने अपनी शर्त भी रखी कि वे 21 दिन में मूर्ति बनाएंगे और अकेले में बनाएंगे। कोई उनको बनाते हुए नहीं देख सकता। उनकी शर्त मान ली गई। लोगों को आरी, छैनी, हथौड़ी की आवाजें आती रहीं। राजा इंद्रदयुम्न की रानी गुंडिचा अपने को रोक नहीं पाई। वह दरवाजे के पास गई तो उसे कोई आवाज सुनाई नहीं दी। वह घबरा गई। उसे लगा बूढ़ा कारीगर मर गया है। उसने राजा को इसकी सूचना दी। अंदर से कोई आवाज सुनाई नहीं दे रही थी तो राजा को भी ऐसा ही लगा। सभी शर्तों और चेतावनियों को दरकिनार करते हुए राजा ने कमरे का दरवाजा खोलने का आदेश दिया।जैसे ही कमरा खोला गया तो बूढ़ा व्यक्ति गायब था और उसमें 3 अधूरी मूर्तियां मिली पड़ी मिलीं। भगवान नीलमाधव और उनके भाई के छोटे-छोटे हाथ बने थे, लेकिन उनकी टांगें नहीं, जबकि सुभद्रा के हाथ-पांव बनाए ही नहीं गए थे। राजा ने इसे भगवान की इच्छा मानकर इन्हीं अधूरी मूर्तियों को स्थापित कर दिया। तब से लेकर आज तक तीनों भाई बहन इसी रूप में विद्यमान हैं लेकिन भगवान कृष्ण के दिल को अग्नि देवता ने कुछ नहीँ किया क्योंकि ऐसा करने पर संपूर्ण जगत का विनाश हो जाता और अस्थि विसर्जन मेँ दिल भी नदी मेँ प्रवाहित हो गईकि पद्म पुराण की मानें तो एक बार भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने नगर देखने की इच्छा जाहिर की। इसके लिए भगवान जगन्नाथ ने सुभद्रा को रथ पर बैठाकर नगर दिखाया। इस दौरान वह अपनी मौसी के घर भी गए। जहां वह सात दिन तक रुके। मान्यता है कि तभी से हर साल भगवान जगन्नाथ निकालने की परंपरा जारी है।ज्येष्ठ मास में गर्मी का आरम्भ होता है, अत: पुरी में श्रीजगन्नाथ जी के चतुर्धा विग्रह को स्नान कराया जाता है। 108 घड़ों से स्नान के बाद उनको ज्वर हो जाता है, तथा 15 दिन बीमार रहने पर उनकी चिकित्सा होती है। उसके बाद आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को वे घूमने निकलते हैं। 3 रथों में जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा गुण्डिचा मन्दिर तक जाते हैं तथा 9 दिन बाद दशमी को लौटते हैं जिसे बाहु?ा कहते हैं। लौटने को बहोर कहते हैं-गयी बहोर गरीब नेवाजू सरल सबल साहिब रघुराजू। (रामचरितमानस, बाल काण्ड, 12/4)। चान्द्र मास में भी जब अमावास्या के बाद चन्द्र सूर्य से दूर जाता है तब शुक्ल पक्ष की शुद्ध तिथि होती है। जब सूर्य के निकट लौटता है तब बहुल तिथि होती है।परब्रह्म के अव्यय पुरुष रूप को जगन्नाथ कहा गया है। इसे गीता (15/1) में विपरीत वृक्ष कहा गया है। भगवान बलभद्र को बलराम, दाऊ और बलदाऊ के नाम से भी जाना जाता है। बागियों में श्रेष्ठ होने के कारण इन्हें बलभद्र भी कहा जाता है। बलभद्र को शेषनाग के नाम से जाना जाता है और भगवान जग अर्थात श्री कृष्ण को भगवान कृष्ण का अवतार माना जाता है।. कहा जाता है कि जब कंस ने देवकी-वसुदेव के छह पुत्रों को मार डाला था, तब देवकी के गर्भ से शेषावतार और भगवान बलराम का जन्म हुआ था। योगी आदित्यनाथ ने उन्हें आकर्षित कर नंद बाबा के यहां रह रही श्री रोहिणी जी के गर्भ में निषेचित करवा दिया था। इसलिए उनका नाम संकर्षण पड़ा। श्री कृष्ण और बलराम की माताएं अलग-अलग हैं, लेकिन वे एक ही हैं। ध्यान से देखा जाए तो वे पहले देवकी के गर्भ में थे। बलराम सत्ययुग के राजा कुकुदनी की पुत्री रेवती के वंशज थे। रेवती बलराम से काफी लंबी थी, इसलिए बलराम ने उसे अपने हल से पराजित कर दिया था। संसार की रथयात्रा में बलभद्र का भी रथ है। वे गदा धारण करते हैं। बलराम ने अपनी गदा से योगेन्द्र और भीम दोनों को मार डाला था। कौरव और पांडव दोनों ही उनके बराबर थे, इसलिए उन्होंने युद्ध में भाग नहीं लिया। मौसूलम युद्ध में यवंश के विनाश के बाद बलराम ने समुद्र तट पर बैठकर अपने प्राण त्याग दिए।सुभद्रा श्री कृष्ण की बहन भी थीं। बलराम चाहते थे कि सुभद्रा का विवाह कौरव कुल में हो। बलराम के हठ के कारण कृष्ण ने सुभद्रा का अर्जुन से हरण करवा दिया। बाद में अर्जुन का विवाह सुभद्रा से राका में हुआ।. विवाह के बाद वे एक वर्ष तक राका में रहे और शेष समय पुकुर में बिताया। 12 वर्ष पूरे होने पर वे सुभद्रा के साथ इंद्रप्रस्थ लौट आए।. सुभद्रा का पुत्र अमौध था, जिसे युद्ध में फंसने के कारण धन, कर्ण समेत कुल के आठ लोगों ने मार डाला था। अमौध की पत्नी उर थी, जिसके गर्भ से पार्वती का जन्म हुआ और पार्वती के पुत्र जनमेजय थे कहा जाता है कि नरकासुर का वध करने के बाद भगवान कृष्ण अपनी बहन सुभद्रा के घर उसके भाई को लेने गए थे। सुभद्रा ने उनका स्वागत किया और अपने हाथों से उन्हें भोजन कराया और उनके गले में एक ताला डाल दिया। पुरी में जगत की यात्रा में भगवान कृष्ण के साथ बलराम और सुभद्रा दोनों की मूर्तियां रखी जाती हैं। सुभद्रा वसुदेव की पत्नी रोहिणी की पुत्री थीं, जबकि श्रीकृष्ण वसुदेव की पत्नी देवकी के पुत्र थे। इस तरह श्रीकृष्ण और सुभद्रा के पिता एक ही थे लेकिन माताएं अलग-अलग थीं। फिर भगवान जगत को बड़े भाई बलराम जी और बहन सुभद्रा के साथ राणा हाउस से नीचे उतारकर मंदिर के पास बने नान मंडप में ले जाया जाता है। उन्हें 108 कलशों से स्नान कराया जाता है। मान्यता है कि इस स्नान से भगवान बीमार हो जाते हैं और वे पुन: स्वस्थ हो जाते हैं। फिर 15 मिनट के लिए भगवान जगत को शेष कलश में रखा जाता है।

संजय गोस्वामी

इन्दौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इन्दौर। निचले स्तरों पर बनी माँग से आलौच्य सप्ताह के दौरान दलहनों में चना उछाल पर रहा। तुअर व मूंग में बाजार बने रहे। खाद्य तेलों में नरमी का रूख रहा। तिलहनों में बाजार बने रहे। माल की अक्षत से खोपरा गोला व नारियलों में भरपूर तेजी बनी। शक्कर में बाजार बने रहे।

किराना- शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। शक्कर में जुलाई का कोटा 23 लाख टन का जारी किया गया है, जो कि गत वर्ष जुलाई से 2 लाख टन कम है। यद्यपि जुलाई माह में तीज त्यौहार कम ही है। उसके अनुपात में कोटा सामान्य ही है। शक्कर में बाजार 4110-4140 रू. प्रति क्विंटल पर बने रहे। खोपरे गोले में पूछपरख रहने के साथ ही आवकें कमजोर रहने से भावों में पंख लग गये है। खोपरा गोला बीते सप्ताह के दौरान 360 रू. प्रति किलो तक आ गया। साबूदाने व अन्य फलिहारी जिंसों में श्रावण मास की लेवाली है, जिससे भावों में मजबूती बनी है। नारियलों में आवक औस्त 4-5 गाड़ी से अधिक नहीं है, जिसके चलते बाजार जोरदार उछाल पर रहे। नारियलों में 250 भरती मालों में बाजार 4800-4850 रू. प्रति थैले पर आ गये। कालीमिर्च में पूछपरख ठंडी रहने से बाजार में सुस्ती की स्थिति रही। समीक्षा सप्ताह के दौरान कालीमिर्च में एटम क्वालिटी मालों में बाजार 770-800 रू. प्रति किलो तक आ गये। अन्य किराना जिंसों में बाजार बने रहे।

तेल तिलहन- समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में व्यापार बेहद सुस्त ही रहा। सींगदाना तेलों में माँग-पूर्ती सामान्य ही रहने से बाजार 1370-1380 रू. प्रति 10 किलो पर बने रहे। सोया व कपास्या तेलों में 5-10 रू. प्रति 10 किलो तक की तेजी आयी और सोया तेल रिफाइंड मालों में 1190-1200 रू. प्रति 10 किलो पर मजबूत बने रहे। कपास्या तेलों में बाजार 1210 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 4150-4200 रू. प्रति क्विटल पर बने रहे। सरसो व रायडा में बाजार मजबूती बनाये रहे।

दाल दलहन- आलौच्य सप्ताह के दौरान दाल दलहनों में व्यापार की मात्रा सामान्य ही रही। चने में पूछपरख से भावों में 150-200 रू. प्रति क्विंटल की तेजी आयी और चना बढ़िया मालों में बाजार 5900-5950 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। तुअर में लेवाली सामान्य ही है। जिसके चलते बाजार 6000-6500 रू. प्रति क्विंटल के बीच आ गये। मसूर में पूछपरख से बाजार 6050-6100 रू. प्रति क्विटल के बीच बने रहे।

अब भयानक रूप लेने लगा चीन-अमेरिका के बीच चल रहा ट्रेड वॉर

नई दिल्ली। चीन और अमेरिका के बीच चल रहा ट्रेड वॉर अब भयानक रूप लेता जा रहा है। इस वॉर में अमेरिका फंसता दिखाई दे रहा है। दरसअल, फोर्ड मोटर कंपनी को पिछले तीन हफ्तों में अमेरिका में अपनी कुछ फैक्ट्रियां बंद करनी पड़ीं। इसकी वजह थी रेयर अर्थ मिनरल्स से बने चुम्बकों यानी मैग्नेट की कमी। ये मैग्नेट गाड़ियों के कई जरूरी पार्ट्स में लगते हैं। अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड को लेकर जो तनाव चल रहा है, उसमें ये रेयर अर्थ मिनरल्स एक बड़ा मुद्दा हैं। इसका असर भारत पर भी दिखाई दे सकता है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस स्थिति से पता चलता है कि हमें गाड़ियों के पार्ट्स बनाने के लिए अपने देश में ही सप्लाई चेन बनानी होगी। चीन ने रेयर अर्थ के एक्सपोर्ट के लिए एक नया नियम बनाया है। इससे सप्लाई में देरी हो रही है। उन्होंने एस्पेन आइडियाज फेस्टिवल में कहा कि पिछले तीन हफ्तों से हमने अपनी फैक्ट्रियां बंद कर दी हैं क्योंकि हमें चीन के हाई पॉवर वाले चुम्बक नहीं मिल रहे हैं। ये चुम्बक गाड़ियों की सीटों, विंडशील्ड वाइपर, दरवाजों और ऑडियो सिस्टम के लिए बहुत जरूरी हैं। यहां तक कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कहा था कि चीन के साथ बातचीत में रेयर अर्थ के एक्सपोर्ट लाइसेंस को जल्दी मंजूरी देने पर सहमति बनी है। इसके बावजूद भी समस्या बनी रही। रेयर अर्थ अमेरिका और चीन के बीच व्यापार की बातचीत में एक अहम मुद्दा बन गया है। ये कीमती रॉ मटेरियल गाड़ियों, आईफोन और दूसरी चीजों में इस्तेमाल होते हैं। चीन इसका सबसे बड़ा उत्पादक है और वो इसका इस्तेमाल बातचीत में अपनी बात मनवाने के लिए करता है। चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स के एक्सपोर्ट पर भारत समेत दुनियाभर में रोक लगाई हुई है। चीन ने 4 अप्रैल को एक नियम बनाया था। इस नियम के अनुसार जो भी कंपनी मीडियम और हैवी अर्थ मैग्नेट को बाहर भेजना चाहती है, उसे पहले चीन के वाणिज्य मंत्रालय से लाइसेंस लेना होगा। लाइसेंस लेने से पहले खरीदने वाली कंपनी से एक सर्टिफिकेट भी लेना होता है। इस सर्टिफिकेट में कुछ गारंटी देनी होती हैं। इन गारंटी में यह भी शामिल है कि वे इन चुम्बकों का इस्तेमाल विनाशकारी हथियार बनाने में नहीं करेंगे। उन्हें यह भी बताना होगा कि इन चुम्बकों का इस्तेमाल ऐसे हथियार बनाने में नहीं होगा जिनसे पूरी दुनिया को खतरा हो। यह नियम डोनाल्ड ट्रंप के लगाए गए टैक्स के जवाब में आया था। इस लाइसेंस के लिए भारत की 20 से ज्यादा कंपनियों ने अप्लाई किया है, लेकिन चीन ने अभी तक लाइसेंस नहीं दिया है।

वैश्विक अस्थिरता के दौर में भी मजबूत बनी हुई है भारतीय अर्थव्यवस्था- केंद्र

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 26 के पहले दो महीने में भारत की अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वित्त मंत्रालय ने मासिक रिव्यू में बताया कि मजबूत घरेलू मांग, कम होती महंगाई, मजबूत एक्सटर्नल सेक्टर और एक स्थिर रोजगार की स्थिति के कारण वैश्विक अस्थिरता के दौर में भी अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 26 में भी सकारात्मक रुझान जारी रहने की संभावना है, शुरुआती हाई-फ्रीक्वेंसी इंडीकेटर्स (एचएफआई) संकेत दे रहे हैं कि आर्थिक गतिविधि मजबूत बनी हुई है। ई-वे बिल जनरेशन, ईंधन खपत और पीएमआई सूचकांक जैसे एचएफआई निरंतर मजबूती की ओर इशारा करते हैं। ग्रामीण मांग में और मजबूती आई है, जिसे रबी की अच्छी फसल और सकारात्मक मानसून के पूर्वानुमान से सपोर्ट मिला है। शहरी खपत को अवकाश और व्यावसायिक यात्राओं में वृद्धि से समर्थन मिल रहा है। हवाई यात्रियों की आवाजाही और होटलों में लोगों की बढ़ती संख्या में इसे आसानी से देखा जा सकता है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि घरेलू संकेतक काफी हद तक सकारात्मक रहे हैं, बाहरी घटनाक्रमों के परिणामस्वरूप वित्तीय बाजारों में अस्थिरता देखी गई। 2025 की शुरुआत में व्यापार तनाव में वृद्धि हुई और उसके बाद दूसरी तिमाही में आंशिक कमी देखी गई। रिव्यू में कहा गया है कि एक्सटर्नल सेक्टर पर भारत के कुल निर्यात में मई 2025 में 2.8 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की गई, जो टैरिफ अनिश्चितताओं और कमजोर वैश्विक आर्थिक स्थितियों के बीच हमारे निर्यात की मजबूती बताता है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए किसी नए घर और दुकान आदि की खरीदारी के लिए अच्छा रहेगा। जो लोग निवेश करने की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें थोड़ा समझदारी दिखाते हुए इन्वेस्टमेंट करना होगा। शेयर मार्केट से जुड़े लोग बेहतर लाभ कमा सकते हैं, लेकिन आप किसी काम को लेकर नुकसान में आ सकते हैं, इसलिए आपको अपने डिसीजन मेकिंग को मजबूत करने की आवश्यकता है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। आपको अपने जरूरी कामों को कल पर टालने से बचना होगा। परिवार में यदि किसी बात को लेकर कलह की स्थिति उत्पन्न हो, तो आप उसमें चुप रहें। आपको अपने किसी काम को लेकर कहीं बाहर जा सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए धैर्य और संयम से काम लेने के लिए रहेगा। आपको थोड़ा समझदारी दिखाते हुए कामों को करना होगा और आप अपने जीवनसाथी के लिए कोई सरप्राइज पार्टी प्लान कर सकते हैं। आपकी कोई डील फाइनल होते-होते रुक सकती हैं, जो आपकी परेशानियों को थोडा बढ़ा सकती है। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आप अपनी शारीरिक समस्याओं को नजरअंदाज न करें, नहीं तो बाद में वह बढ़ सकती है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए धन के मामले में अच्छा रहने वाला है। आप अपने घर के रिनोवेशन का काम भी शुरू कर सकते हैं, लेकिन आपको कुछ अजनबी लोगों से सावधान रहने की आवश्यकता है, क्योंकि वह आपको धोखा दे सकते हैं। आपको ससुराल पक्ष से धन उधार लेने से बचना होगा। आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा हो सकता है। आपकी सुख और समृद्धि बढ़ने से खुशी होगी।

सिंह- आज आपको सोच समझकर कामों को करने की आवश्यकता है। आप दूसरों के मामले में बेवजह ना बोले। आपको कामो में कुछ नया सीखने का मौका मिलेगा। बिजनेस कर रहे जातकों को अपने कामों में लापरवाही बिल्कुल नहीं करनी है। आप किसी विरोधी की बातों में ना आएं। आपको किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा। आपको अपनी सेहत पर पूरा ध्यान देना होगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहने वाला है। नौकरी में कार्यरत लोगों का प्रमोशन यदि पेंडिंग चल रहा था, तो वह भी दूर हो सकता है। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा। आपका अपने परिवार में किसी बात के लेकर मन परेशान रहेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोगों में यदि किसी बात को लेकर मतभेद चल रहे थे, तो वह भी दूर हो सकते हैं। सेहत को लेकर आपको कुछ उतार-चढ़ाव लगे रहेंगे।

तुला- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपका कोई काम यदि लंबे समय से रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आपको अपने कामों को लेकर थोड़ी सावधानी बरतनी होगी। आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह ना बोलें और अपने जरूरी कामों को समय से निपटाने की कोशिश करें। माताजी से आप परिवारिक मामलों को लेकर बातचीत करेंगे। आपकी कोई पुरानी गलती आपके लिए सिरदर्द बन सकती है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। वैवाहिक जीवन में किसी नए मेहमान की दस्तक हो सकती है। आप किसी बात को लेकर आपके सहयोगी आपको परेशान कर सकते हैं। आप अपने पिताजी से किसी बात को लेकर नाराज हो सकते हैं।

धनु- आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। आपको अपने व्यवसाय में मन मुताबिक लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आप अपने कामों को कल पर टालने से बचें। संपत्ति को लेकर यदि कोई विवाद लंबे समय से चला आ रहा था, तो उससे भी आपको छुटकारा मिलेगा। पारिवारिक रिश्तों में एकजुटता बनी रहेगी, लेकिन आपने यदि किसी से कोई वादा किया था, तो आपको उसे समय रहते पूरा करने की आवश्यकता है।

मकर- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आपके प्रभाव और प्रताप में वृद्धि होगी। आप अपनी आय को बढ़ाने का कोई भी मौका हाथ से जाने नहीं देंगे। आपका कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। काम के सिलसिले में आपको कहीं यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। जल्दबाजी में आपको अपने निर्णय को लेकर पछतावा हो सकता है। पारिवारिक जीवन में खुशियां भरपूर रहेंगी। आप परिवार के सदस्यों के साथ कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे, जो आपको खुशी देगी। आप अपनी वाणी पर संयम रखें। कार्यक्षेत्र में किसी वाद-विवाद की स्थिति को उत्पन्न होने से आप बचा सकते हैं। आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपकी सुख-सुविधा बढ़ेगी जो आपको खुशी देगी। आप अपनी मेहनत से एक अच्छा मुकाम हासिल कर सकते हैं। आपको बिजली के उपकरणों से थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है। आपकी परोपकार के कार्यों में काफी रुचि रहेगी। सामाजिक आयोजन में आपको सम्मिलित होने का मौका मिल सकता है।

शब्दजाल - 7945

शब्दजाल में दस धार्मिक स्थलों के नाम ढूंढिए. दिये गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

गं	रा	ब	द्री	ना	थ	य	ऋ	ज	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	षि	ह	कां	गं
वि	स	की	वै	को	ह	रा	के	ल	ख	गो
के	स	स	क	ष्णो	वा	ज	ष	ह	श	त्री
दा	आ	र	ग	स	दे	ना	तू	रि	झ	प
र	ल	ला	र	दि	म	वी	ती	द्वा	घ	रिं
ना	व	का	शी	प	बा	ज	र	र	ना	थ
थ	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	सि	मी
ड	ल	अ	म	र	ना	थ	ग	शी	क	र
गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द	वि
वा	रा	ण	सी	क्षी	डि	त	ब	प	म	र

हरिद्वार,गंगोत्री,वैष्णोदेवी,बद्रीनाथ,नासिक, केदारनाथ,अमरनाथ,ऋषिकेष,काशी, वाराणसी

शब्दजाल - 7944 का हल

कु	क	ल	ह	वा	म	ह	ल	सी	गे	ज
र	तु	ल	दे	र	ण	थ	म्भौ	र	ट	वा
त	स	ब	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	वे	द
वि	ज	ज	मी	पु	र	रा	प	र	ऑ	ब
वे	गा	इं	ग	ना	लं	ज	जं	गी	फ	निं
का	क	व	डि	ह	र	पू	त	ता	इं	ग
नें	अ	स	त	या	प	त	र	ज	डि	ट्रे
द	ता	दा	ई	ह	गे	सा	मं	ड	या	ला
स्मा	बा	चे	न	ब्रा	जी	ट	त	ल	प	ल
र	पा	ला	ल	शो	ले	दु	र	झी	स्त्री	कि
क	रा	जी	व	ता	ज	म	ह	ल	म	ला

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6889

ऊपर से नीचे:-

१. 'बहुत खूबसूरत गजल' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
२. फिल्म 'गदर' में अमीषा पटेल के पिता की भूमिका किसने की थी?-४
३. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
४. 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
५. विश्वजीत, राजश्री की ' ना ये जमीं थी ना आसमाँ' गीत वाली फिल्म-३
९. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१२. 'हम प्यार में जलनेवालों को' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'तुम मुझे यूँ' गीत वाली फिल्म जिसमें शम्मी ने पागल की भूमिका की-३,२,१
१४. 'आला रे पाउस आला' गीत वाली फिल्म-३
१५. बॉबी, टिवंकल खन्ना की 'तेरी अदाओं पे मरता हूँ' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'अच्छा जी मैं हारी' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
१७. 'रू तू तू दिल में है तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-२
१९. 'आजा सजन आजा' गीत वाली फिल्म-५
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की एक फिल्म-३
२५. संजयदत्त, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२९. नाना, पुरू, अनुपमा की 'बहुत खूबसूरत हैं आँखें तुम्हारी' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. फिल्म 'कर्ज' में नायिका कौन थी-२
२. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था-४
६. फिल्म 'अभय' में दोहरी भूमिका करने वाला नायक -३
७. 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका कौन थी-२
१०. फिल्म 'मैं ने प्यार किया' में सलमान खान की माँ की भूमिका किसने की थी-२
११. हेमा मालिनी वाली फिल्म 'प्रेमनगर' का नायक कौन था?-३
१६. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
१७. संजय, चंद्रचूड़, महिमा चौधरी की फिल्म-२,१,३
१८. 'मेरे दिल ने जो माँगा' गीत वाली फिल्म-४
२०. फिल्म जिसमें राजकपूर का डबल रोल था-२
२१. 'तू कितने बरस की' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२३. ऋषिकपूर, जेबा की 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
२४. फिल्म 'शोले' में अमिताभ के किरदार का क्या नाम था?-२
२६. फिल्म जगत में राजेश खन्ना का प्रचलित नाम-२
२८. सलमान. रेवती की 'आजा गिव मी ए किस' गीत वाली फिल्म-२
३०.'इस जहाँ की' गीत वाली जैकी, अनु अग्रवाल, नगमा की फिल्म-२,३
३१. लोकप्रिय गीत 'इश्क कमीना' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6888

का	ला	प	त्थ	र		को	ह	रा	
र		ड़ो		क्ष	त्रि	य		ही	रा
बाँ		स	ड़	क		ला	वा		खी
	जा	न			ज		दा	दा	
दि	ल		ख	ट्टा	मी	ठा		मि	ली
व्या		खे	ल		र		स	नी	
	प		ना	ना		डॉ	न		डो
प	रि	च	य		सु		म	वा	ली
	वा		क	सू	र			रि	
पा	र	स		र्या		वि	रा	स	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8413

बाएँ से दाएँ

1. धनुर्धर-2,2
4. तरुणी,नाजनीन-4
7. संतुष्ट होना-5
9. टेलीग्राम-2
11. महोदय (अंग्रेजी-2)
12. कटि,कमरिया-3
14. फटकार,भर्त्सना-4
15. वतन,स्वेदश-4
16. पार होना,पार करना-3
18. विद्रोही-2
19. गरीब,निर्धन-2
21. लोचदार,लचकदार-5
25. पारंपरिक,पुरातन-4
26. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4

ऊपर से नीचे

1. शीघ्रता,जल्दी-3
2. मूल्य,कीमत-2
3. जनता,आम आदमी-2
4. किनारा,कोरा-2
5. इंकार,मनाही-2
6. पानी गर्म करने का यंत्र-3
8. भ्रम,वहम-3
10. साधू,संन्यासी-3,2
11. मुलायम सिंह की राजनीतिक पार्टी-5
12. कपड़े की दीवार-3
13. जिव्हा,जीभ-3
17. रसदार,रसभरा-3
18. कारण,वजह-3
20. नेत्र,लोचन-3
21. बुरी आदत-2
22. एक पड़ोसी देश-2
23. पराया,पंख-3
24. रग,नाड़ी-2

शब्द पहेली -8412 का हल

	शा	र	दा		सा	हि	ल	
दा	म		न		ल		त	ब
खि		प्रा	व	धा	न			रा
ल	व	ण		न		त	ह	त
		ना	म		रा	ह		
ती	र	थ		स		ल	ग	न
स			मु	च	ल	का		क
रा	ज		नी		ह		बे	टा
	न	र	म		जा	हि	ल	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

30 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.33 बजे से
चंद्र	सिंह में	सिंह	08.49 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.01 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.11 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.26 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.42 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.47 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.34 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.07 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मेष	00.37 बजे से
		वृष	02.17 बजे से
		मिथुन	04.15 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 181 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 09.24 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 07.21 बजे को समाप्त।
योग सिद्धि(असृक) 17.21 बजे को समाप्त।
करण बालव 09.24 बजे तदनन्तर कौलव 21.47 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 04.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 10'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872391
जूलियन दिन 2460856.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम **तारीख** 04
विशेष स्कंद षष्ठी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः धन, कुटुंब और धर्म

किसी आश्रम में अनेक छात्र शिक्षा ग्रहण करते थे। एक दिन कुछ छात्रों ने अपने गुरु से प्रश्न किया, 'गुरुजी, धन, कुटुंब और धर्म में कौन सच्चा सहायक होता है?' गुरु ने प्रश्न का सीधा उत्तर न देते हुए एक कथा सुनाई - एक व्यक्ति के तीन मित्र थे। जिनमें एक सबसे प्रिय था, जिसके साथ वह अधिक समय बिताता था। कहीं भी जाना होता तो उसी के साथ जाता। दूसरे मित्र से उसकी कम घनिष्ठता थी और तीसरा मित्र बिल्कुल उपेक्षित था। वह उससे बहुत कम मिलता था। एक बार वह व्यक्ति किसी मुसीबत में फंस गया जिसके कारण उसे राज दरबार में बुलाया गया। वह थोड़ा घबरा गया। उसे अकेले जाने में डर लगा, इसलिए उसने अपने किसी मित्र को साथ ले जाने की सोची। वह अपने सबसे प्रिय मित्र के पास गया, लेकिन उसने उसके साथ जाने से इनकार कर दिया। फिर वह दूसरे मित्र के पास गया। उसने व्यस्तता के कारण साथ जाने से इनकार कर दिया। हां, यह जरूर कहा कि और कोई मदद हो तो कर दूंगा। वह व्यक्ति निराश हो गया। फिर वह तीसरे मित्र के पास पहुंचा। तीसरे मित्र ने उसकी पूरी बात सुनी और सहायता करने का वचन देकर उसके साथ राजदरबार गया। राजदरबार में उसने अपने मित्र का पक्ष रखा और उसे संकट से बचाकर ले आया। कथा पूरी होने पर गुरुजी ने अपने शिष्यों को तीनों मित्रों के प्रतीकात्मक अर्थ बताए, 'पहला मित्र धन है जिसे परमप्रिय समझा जाता है लेकिन वह मुत्यु के बाद घर से बाहर एक कदम नहीं निकालता। दूसरा मित्र कुटुंब है जो यथासंभव सहायता तो करता है लेकिन उसका सहयोग भी शरीर रहने तक ही रहता है। धर्म ही वह मित्र है जो इस लोक और परलोक दोनों में साथ देता है। हालांकि हम इसके प्रति उपेक्षा का भाव रखते हैं लेकिन यह चिरस्थायी सुख- शांति प्रदान करता है।' सभी शिष्यों को अपने प्रश्न का उत्तर मिल गया।

सूडोकु नवताल- 7198

★☆☆☆☆ सरल

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7197 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

वृहद आर्थिक आंकड़े व वैश्विक रुझान तय करेंगे स्थानीय शेयर बाजार की चाल

मुंबई। इस सप्ताह औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) जैसे वृहद आर्थिक आंकड़ों, अमेरिकी शुल्क से जुड़े घटनाक्रमों तथा अन्य वैश्विक रुझानों से तय होगी घरेलू शेयर बाजारों की चाल। बाजार के जानकारों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि सप्ताह के दौरान विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों और कच्चे तेल की कीमतों पर भी सभी की नजर रहेगी। एक ब्रोकिंग रिसर्च के अनुसार इस सप्ताह भारत और अमेरिका से कई महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े जारी किए जाएंगे, जो बाजार की धारणा और केंद्रीय बैंक के परिदृश्य को प्रभावित करेंगे। भारत में सप्ताह की शुरुआत 30 जून को मई के लिए औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों से होगी। इसके अलावा एक जुलाई को विनिर्माण पीएमआई के आंकड़े आएंगे, जिससे भारत के औद्योगिक क्षेत्र और ऑर्डर प्रवाह की स्थिति की जानकारी मिलेगी। इसके बाद तीन जुलाई को सेवा पीएमआई के आंकड़े जारी किए जाएंगे। बाजार के एक अन्य जानकार ने कहा ?कि जैसे-जैसे पहली तिमाही के नतीजों का सत्र नजदीक आ रहा है, निवेशक वृद्धि के रुझानों के शुरुआती संकेतकों के रूप में कंपनियों के प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसके अलावा आने वाले सप्ताह में अमेरिका द्वारा प्रमुख वैश्विक भागीदारों के साथ अंतिम रूप दिए जाने वाले व्यापार समझौतों को लेकर भी उत्सुकता बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि इसके साथ बाजार भागीदार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अर्थव्यवस्था में सुधार का आकलन करने के लिए अमेरिका के गैर-कृषि पेरोल और बेरोजगारी के आंकड़ों के साथ-साथ भारत के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। इससे संस्थागत प्रवाह में सुधार, अमेरिका-भारत व्यापार समझौते की संभावनाओं से समर्थन मिलेगा। घरेलू स्तर पर आईआईपी और पीएमआई के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। साथ ही मानसून की प्रगति और एफआईआई की गतिविधियां भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

देश का स्वर्ण भंडार बढ़कर 870 टन पहुंचा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सोने के महत्व को समझता है। इसी ?लिए वह 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुणा बढ़ा चुका है और वर्तमान में यह लगभग 870 टन पहुंच गया है। केंद्रीय बैंक 12.5 किलो वजन की सोने की ईंट के रूप में विभिन्न जगहों पर यह स्वर्ण भंडार रखता है। आरबीआई पर बने एक वृत्त चित्र में यह जानकारी दी गयी है। आरबीआई ने अपने कामकाज और भूमिकाओं को लोगों के सामने लाने के लिए हाल में जारी वृत्तचित्र के जरिये यह भी बताया है कि हमारा देश दुनिया में करेंसी नोट के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। जहां अमेरिका में यह लगभग 5,000 करोड़ इकाई, यूरोप में 2,900 करोड़ इकाई है वहीं भारत में यह 13,000 करोड़ इकाई है। यह पहली बार है जब आरबीआई के कार्यों को वृत्तचित्र के रूप में लाया गया है। वृत्त चित्र में दी गयी जानकारी के अनुसार केंद्रीय बैंक 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुणा बढ़ा चुका है और देश में स्वर्ण भंडार के संरक्षक के रूप में लगभग 870 टन सोना काफी सुरक्षित स्थानों पर रखा है। बहुत कम लोगों को ही सोने की तिजोरियों तक पहुंच है। इस सोने को केंद्रीय बैंक 12.5 किलो वजन के स्वर्ण ईंट के रूप में रखा गया है। केंद्रीय बैंक के अधिकारी कहते हैं कि सोना केवल धातु नहीं बल्कि देश की ताकत है। देश बनते रहेंगे, बिगड़ते रहेंगे। अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव होता रहेगा लेकिन सोना हमेशा अपना मूल्य बनाये रहेगा।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की शर्तों पर सहमति पर कुछ मुद्दों पर फंसा पेंच

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की अधिकतर शर्तों पर लगभग सहमति तो बन चुकी है लेकिन कुछ मुद्दो पर अभी गतिरोध बना हुआ है। जानकारों का कहना है कि इन अड़चनों को दूर करने के लिए दोनों ही देशों के शीर्ष नेतृत्व को हस्तक्षेप करना होगा। एक और भारत चाहता है कि सभी टैरिफ को पूरी तरह से हटाने की स्पष्ट गारंटी दे और अमेरिकी अपनी भारत के संवेदनशील कृषि क्षेत्र को अधिक मुक्त करने की मांग पर पुनर्विचार करे। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि वाशिंगटन में शुरू हुई दो दिवसीय वार्ता अगले सप्ताह तक खिंच सकती है। विशेष सचिव (वाणिज्य) राजेश अग्रवाल की अगुवाई में भारतीय वार्ताकारों की टीम अभी भी अमेरिका में मौजूद है। इससे संकेत मिलता है कि बातचीत अगले सप्ताह तक जारी रह सकती है। व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि दोनों देश अगर एक-दूसरे की व्यावहारिक और राजनीतिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रख फैसला ले तो अंतरिम व्यापार समझौता जल्द हो सकता है। अमेरिका चाहता है कि भारत अपने कृषि और डेयरी क्षेत्र को अमेरिका के लिए खोल दे। भारत में डेयरी क्षेत्र छोटे किसानों पर आधारित है, जिनकी आजीविका एक या दो पशुओं पर निर्भर होती है। ऐसे में वे अमेरिका के बड़े स्तर के डेयरी फार्म्स से मुकाबला नहीं कर सकते। अमेरिका के पशु चारे में मांसाहारी सामग्री होने के कारण धार्मिक भावना का मुद्दा जुड़ा है। भारत अमेरिका की मक्का और सोयाबीन जैसे उत्पादों को भी बिना शर्त प्रवेश देने को तैयार नहीं है, क्योंकि ये जेनेटिकली मॉडिफाइड होते हैं और भारतीय कानून जीएम फसलों की अनुमति नहीं देता। भारत चाहता है कि अमेरिका कोई ऐसी व्यवस्था बनाए जिससे यह प्रमाणित हो सके कि भेजे जा रहे उत्पाद जीएम नहीं हैं. लेकिन अमेरिका इसे व्यावहारिक रूप से संभव नहीं मानता।

झमाझम बारिश के साथ ही रोपाई कार्य में जुटे किसान

लांजी(पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र में जैसे ही मानसून ने दस्तक दी तथा झमाझम बारिश का दौर प्रारंभ हुआ वैसे क्षेत्र के किसानों के चेहरे खिल उठे। लांजी क्षेत्र सर्वाधिक खेती किसानी के लिये ही जाना जाता है। यहां के लोगो को प्रमुख कार्य खेती करना तथा धान की फसल प्राप्त करना मुख्य व्यवसाय है जिसके चलते क्षेत्र के किसानो बडी बेसब्री से मानसून का इंतजार करते है और जब वर्षा ऋतु प्रारंभ हो चुकी है तो किसान पुरी ईमानदारी एवं मेहनत के साथ खेती कार्य में जुट चुके है। जिन जिन किसानों के द्वारा पूर्व में खार बो दी गई है वे परहा लगाना प्रारंभ कर चुके, वहीं वर्षा ऋतु के बाद अन्य किसानों के द्वारा जोताई कर दी गई है तथा खार भी बोआई हो चुकी है ऐसी लगातार बारिश होती रही तो जल्द ही क्षेत्र में धान की रोपाई का कार्य परहा लग जायेगा।

आधुनिक उपकरणो का खेती में उपयोग

शासन की अनेको योजनाऐं है जो कि सीधे तौर पर खेती को लाभ धंधा बनाने की ओर अग्रसर है। खेती से किसानों को लाभ इस हेतु अनेको योजनाऐं कृषि संबधी शासन के द्वारा चलाई जा रही है। इनमे मुख्य रूप से खेती का आधुनिकरण शामिल है। आज खेती करने के लिये अनेको ऐसे अत्याधुनिक यंत्र, वाहन, वैज्ञानिक कार्यशैली, जैविक खेती, जांचे परखे बीज सहित अन्य ऐसे अनेको वस्तुऐं एवं उपकरण है जो कि किसानों को खेती में सुविधाजनक होती है। समय समय पर कृषि विभाग के वैज्ञानिकों के द्वारा किसानों की संगोष्ठि का आयोजन कर उन्हे खेती से संबधी महत्वपूर्ण एवं उचित जानकारी देती है ताकि फसलों में किसी भी प्रकार की बिमारी ना हो। इसके अलावा सहकारिता विभाग भी किसानो के लिये पूर्ण सहायतार्थ होती है उन्हे खेती करने के लिये शुन्य ब्याज दर पर लोन प्रदान किया जाता है। खाद्य बीज दिया जाता है। ता कि किसान अपनी फसल ले सके और धान के समर्थन मुल्य पर विक्री पश्चात अपना कर्ज जो कि शुन्य ब्याज दर पर लिया गया है उसे अदा कर सके।

मशीनों के द्वारा की जा रही खेती

लांजी क्षेत्र में ऐसे कई किसान है जो उन्नतशील किसानों की श्रेणी मे आते है आज इनके द्वारा शासन की सभी योजनाओं का लाभ लेकर खेती की जा रही। उपकरणों के माध्यम खेती किसानी का दौर प्रारंभ हो चुका है। आज,द्रोन के माध्यम से खाद्य, दवाईयों को छिडकाव किया जा सकता है जिससें किसान का समय और मेहनत दोनो ही बचेगी। श्री पद्धति, मेडागास्कर, पेडीट ट्रांसप्लांटर, सुपर सीडर इन सभी उपककरणों एवं पद्धति का उपयोग कर किसानी की जा रही है जो कि आज किसानों के लिये एक वरदान से कम नही है और यह खेती को लाभ का धंधा बना रही है।

11 से प्रारंभ होगा श्रावण मास, श्री कोटेश्वर महादेव मंदिर तैयारियां हुई प्रारंभ

लांजी(पद्मेश न्यूज)। धर्म नगरी लांजी जहां प्राकृतिक छटा बिखेरती सुरम्यी वादियों मे आदिकाल से साक्षात भगवान श्री कोटेश्वर महादेव का वास है। सिद्धपीठ एवं 108 उपलिंगो में से एक भगवान श्री कोटेश्वर महादेव की महिमा का सम्पूर्ण जिले तथा संभाग एवं आस पास के पडोसी राज्यो मे इनकी महिमा का गुणगान व्याप्त है। कोटेश्वर धाम जहां आगामी श्रावण मास में कांवडियों एवं भक्त जनों का तांता लगता हुआ दिखाई देगा वहीं बोल बम सेवा समिति के द्वारा आयोजित कांवड़ यात्रा श्रावण मास के 4 सोमवार में आयोजित होगी। 11 जुलाई से 8 अगस्त 2025 तक चलने वाले श्रावण मास मे लाखो श्रृद्धालु भक्त जन कोटेश्वर धाम मे श्री कोटेश्वर भगवान के दर्शनो लिये पंहुचेंगे साथ ही हजारो की संध्या मे कांवडिये भी नदी के उद्गम स्थल, पवित्र सरोवर, झील आदि से कांवड़ यात्रा के माध्यम से जल लाकर भगवान कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया जाता है श्रावण मास प्रारंभ हो रहा है और धार्मिक आस्था का केन्द्र लांजी में संपूर्ण माह भक्ति की गंगा बहते दिखाई देगी जहां कांवड यात्राओ का दौर प्रारंभ होगा, वंही मंदिरो में रामायण, सुन्दर काण्ड पाठ सहित अनेको पुजन अर्चन कार्य पूर्ण किये जायेंगे देखा जाये तो श्रावण मास भी अपने आप मे एक धार्मिक माह के रूप में देखा जाता है और इस धार्मिक माह पर अनेको धार्मिक आयोजन पूर्ण होंगे।

भारत का टीकाकरण वैश्विक स्तर पर बना मिसाल, जीरो-डोज बच्चों की संख्या भी घटी

नई दिल्ली। भारत ने टीकाकरण में उल्लेखनीय प्रगति की है। साल 2023 में डिप्थीरिया-टेटनस-पर्टुसिस (डीटीपी) टीके की पहली खुराक (पेंटा-1) का कवरेज 93 प्रतिशत रहा, जिसमें 2.65 करोड़ शिशुओं में से 2.47 करोड़ को टीका लगा। यह नाइजीरिया के 70 प्रतिशत की तुलना में काफी अधिक है। डीटीपी-1 से डीटीपी-3 तक ड्रॉपआउट दर 2013 में 7 प्रतिशत से घटकर साल 2023 में 2 प्रतिशत हो गई। खसरे के टीके का कवरेज भी 2013 के 83 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 93 प्रतिशत हो गया। एक हालिया अध्ययन में भारत को उन आठ देशों में शामिल किया गया, जहां जीरो-डोज बच्चे (यानी वे बच्चे जो नियमित टीके से वंचित हैं) की संख्या अधिक है। केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि भारत की बड़ी आबादी और वैक्सीनेशन रेट को ध्यान में रखना जरूरी है। सरकार ने बताया कि भारत का टीकाकरण कवरेज वैश्विक औसत से बेहतर है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, साल 2023 के डब्ल्यूयूईएनआईसी रिपोर्ट के मुताबिक, जीरो-डोज बच्चों की संख्या भारत की कुल आबादी का 0.11 प्रतिशत थी, जो 2024 में घटकर 0.06 प्रतिशत हो गई। यह यमन (1.68 प्रतिशत), सूडान (1.45 प्रतिशत), अंगोला (1.1 प्रतिशत), अफगानिस्तान (1.1 प्रतिशत), नाइजीरिया (0.98 प्रतिशत), डीआर कांगो (0.82 प्रतिशत), इथियोपिया (0.72 प्रतिशत), इंडोनेशिया (0.23 प्रतिशत), और पाकिस्तान (0.16 प्रतिशत) से काफी कम है।

कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के तहत केन्द्रीय पर्यवेक्षको ने की रायशुमारी

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी जी द्वारा मिले निर्देशों के अनुरूप कर्नाटक से केन्द्रीय पर्यवेक्षक सूरज हेगड़े एवं जबलपुर से पूर्व डीसीसीआई अध्यक्ष दिनेश जी ने किरनापुर के रेस्ट हाउस पहुंचकर समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों से विचार विमर्श करते हुए कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष पद के लिए रायशुमारी की। तथा कांग्रेस पार्टी संगठन को बूथ स्तर पर कैसे मजबूती मिल सकती हैं , पार्टी के यूथ कांग्रेस, महिला संगठन को कैसे मजबूती मिलेगी इन बिन्दुओं पर चर्चा की गई। इस दौरान दोनो ही पर्यवेक्षको ने लांजी किरनापुर के कांग्रेस पार्टी के नेताओं,सीनियर कार्यकर्ताओं, युवा कार्यकर्ताओं, व्यापारियों, पत्रकारों से बातचीत की सभी की राय जानी। इस दौरान पर्यवेक्षक सूरज हेगडे ने बताया कि संगठन सृजन अभियान के दूसरे दौर में हम आए हुए है और समाज के सभी वर्ग के लोगों से राय ली जा रही है। पार्टी द्वारा जिला अध्यक्ष ऐसे व्यक्ति को बनाया जाएगा जिसमें समता की भावना हो जो सभी लोगों को समान दृष्टिकोण से देखता हो, पार्टी की गतिविधियों में अपना पूरा समय दे सके,ऐसे व्यक्ति को जिला अध्यक्ष चुना जाएगा ।इस दौरान पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष सुश्री हीना कावरे,कांग्रेस पार्टी जिला अध्यक्ष संजय उईके, बस एसोसिएशन जिला अध्यक्ष मुकेश चौहान,देवेन्द्र खोंगल, अजय अवसरे, युसुफ पटेल, बेनीराम खोटेले, मुकेश जोशी,मंगल प्रसाद रैकवार, अनुप सिंह बैंस सहित बड़ी संख्या मे कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही।

बोल बल सेवा समिति 4 चरणों में आयोजित करेगी कांवड़ यात्रा

लांजी(पद्मेश न्यूज)। बोल बम सेवा समिति के द्वारा आयोजित कांवड़ यात्रा 10 जुलाई से श्रावण माह की शुरूवात हो रही है जो कि अंतिम 8 अगस्त श्रावण सोमवार को समाप्त होगी श्रावण मास पर बोल बम सेवा समिति द्वारा आयोजित कांवड यात्रा 14 जुलाई प्रथम सोमवार से प्रारंभ हो रही है। समिति के कार्यालय से प्रातः 07 बजे कांवड़ यात्री छोटी बाघनदी के उद्गम स्थल चहेली सीतापाला के लिये प्रस्थान करते है। उद्गम स्थल से जल लेकर 42 किमी की पद यात्रा कर कोटेश्वर धाम पंहुचकर श्री कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक करते है। 4 चरणों में आयोजित होने वाली कांवड यात्रा प्रथम सोमवार 14 जुलाई, द्वितीय सोमवार 21 जुलाई, तृतीय सोमवार 28 जुलाई अंतिम चौथा सोमवार 4 अगस्त तथा इसी दिन बोल बम सेवा समिति के द्वारा कोटेश्वर धाम में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी विशाल भण्डारा महाप्रसाद का आयोजन किया गया है। कावंड यात्रा में जाने के लिये बोल बम सेवा समिति के सदस्यो से संपर्क किया जा सकता है जिसमें संरक्षक रमेश दिलीप भटेरे, बोल बम सेवा समिति के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव एके इलेक्ट्रिकल्स लांजी,प्रमोद अग्रवाल, सचिव चंद्रकांत किरनापुरे लांजी, कपिल अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल एसकुमार्स बस सर्विस लांजी, मयूर सुले बी.टी. व्ही. न्यूज, दिव्य एक्सप्रेस कार्यालय भिलाई रोड लांजी, दीपक अग्रवाल रूपाली कलेक्शन सालेटेकरी रोड़ लांजी, ललीत लाला अग्रवाल रूपाली साडी सेंटर लांजी, दीपक बंसल बंसल ट्रेडर्स बालाघाट रोड़, अंकित श्रीवास्तव, जय श्रीवास्तव दादा कोटेश्वर फ्लेक्स लांजी, गिरीश अग्रवाल गोंदिया, रूपेश अग्रवाल गोंदिया, मनीष लालू अग्रवाल, संजय टेंभरे, राकेश रणदिवे सौम्या किराना भिलाई रोड़ लांजी, बाबु उपाध्याय, आलोक चौरसिया, अमित आसटकर, प्रकाश बेदरे टेडवा, से संपर्क कर सकते है।

शेफाली जरीवाला केस में बड़ा खुलासा, एंटी एजिंग दवा बनी मौत की वजह?

मुंबई। कांटा लगा फेम एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला की मौत की पुलिस जांच में कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। जांच में पता चला है कि शेफाली पिछले सात-आठ सालों से नियमित रूप से एंटी एजिंग दवा ले रही थीं। 27 जून को उनके घर पर पूजा रखी गई थी, जिसके चलते शेफाली व्रत भी रखी थीं, लेकिन फिर भी उन्होंने उसी दिन दोपहर में एंटी एजिंग दवा का इंजेक्शन ले लिया। ये दवा उन्हें सालों से डॉक्टर की सलाह पर दी जा रही थीं और तब से वे हर महीने यही ट्रीटमेंट ले रही थीं। मुंबई पुलिस को शक है कि ये दवा उनकी अचानक मौत की बड़ी वजह हो सकती हैं, जो हार्ट अटैक की वजह से हुई। घटना के वक्त रात 10 से 11 बजे के बीच शेफाली की तबीयत अचानक खराब हुई, उनका शरीर कांपने लगा और वे बेहोश हो गईं। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। घटना के वक्त घर पर शेफाली के पति पराग, मां और कुछ अन्य सदस्य मौजूद थे। फोरेंसिक टीम ने उनके घर से एंटी एजिंग पिल्स, विटामिन सप्लीमेंट और गैस्ट्रिक से जुड़ी कई दवाइयां बरामद की हैं। पुलिस ने अब तक इस मामले में आठ लोगों के बयान दर्ज किए हैं, जिनमें परिवार के सदस्य, घरेलू नौकरों और बेलव्यू अस्पताल के डॉक्टर शामिल हैं। पुलिस शेफाली की मौत की जांच कर रही है। जांच के दौरान किसी तरह के विवाद या लड़ाई के संकेत नहीं मिले हैं। पुलिस और फोरेंसिक टीम अब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और दवाओं की लैब जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है, ताकि मौत की असली वजह का पता चल सके। मामले की जांच जारी है और जल्द ही पूरी रिपोर्ट सामने आने की उम्मीद है। ज्ञात हो कि शेफाली को 27 जून की देर रात अचानक दिल का दौरा पड़ा था। इसके बाद उनके पति पराग त्यागी और तीन अन्य लोग उन्हें मुंबई के बेलव्यू मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शेफाली जरीवाला 2002 में 1972 की फिल्म समाधि में लता मंगेशकर की क्लासिक गाने कांटा लगा के रीमिक्स में नजर आई थीं।

बख्तियारपुर में सीएम नीतीश के साथ मंच पर नजर आए बेटे निशांत

पटना,। बिहार के सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार सार्वजनिक जीवन से दूरी बनाए रखते हैं। हालांकि अब वह धीरे-धीरे सियासी मंच पर अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं। शनिवार को बख्तियारपुर में नवनिर्मित रिवरफ्रंट और घाट के उद्घाटन के मौके पर निशांत अपने पिता के साथ नजर आए। इस आयोजन ने न केवल बख्तियारपुर के लिए एक नई सौगात दी, बल्कि निशांत की बढ़ती सार्वजनिक सक्रियता ने सियासी गलियारों में बाजार गर्म कर दिया है। लोग चर्चा कर रहे हैं क्या निशांत, जो अब तक शादी-ब्याह जैसे पारिवारिक आयोजनों तक सीमित थे, अब राजनीति में अपनी पारी शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं? यह सवाल जनता दल (यूनाइटेड) (जेडीयू) के कार्यकर्ताओं से लेकर विपक्षी दलों तक के बीच चर्चा का विषय बन गया है।

बख्तियारपुर नीतीश कुमार की जन्मस्थली और सियासी कर्मभूमि है। 28 जून को नीतीश और निशांत ने यहां गंगा किनारे नवनिर्मित रिवरफ्रंट और सीढ़ी घाट का उद्घाटन किया था। इस मौके पर नीतीश ने क्षेत्र के विकास कार्यों की सराहना की और कहा कि बख्तियारपुर का यह रिवरफ्रंट न केवल स्थानीय लोगों के लिए सुविधा लाएगा, बल्कि पर्यटन और धार्मिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगा। उन्होंने गंगा आरती में भी हिस्सा लिया, जिसने इस आयोजन को और भव्य बनाया है।

वहीं निशांत ने कहा कि बख्तियारपुर मेरा, मेरे पिता और दादा-दादी का घर है। मैं यहीं पला-बढ़ा हूं और मेरी बचपन की कई यादें इससे जुड़ी हैं। निशांत की यह बात और अपने पिता के साथ मंच साझा करना सियासी हलकों में चर्चा का विषय बन गई। 49 साल के निशांत कुमार बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी), मेसरा से सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग हैं। वह अब तक राजनीति से दूरी बनाए ही रखते थे। नीतीश कुमार भी हमेशा परिवारवाद की आलोचना करते रहे हैं। हालांकि, 2025 की शुरुआत से निशांत की सार्वजनिक उपस्थिति बढ़ने लगी। जनवरी 2025 में, बख्तियारपुर में स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्तियों के अनावरण के दौरान निशांत ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपने पिता और जेडीयू के लिए वोट मांगने की अपील की थी।

नीतीश कुमार 2005 से ही लगातार बिहार के सीएम हैं। वह अब 74 साल के हैं और उनके स्वास्थ्य को लेकर अटकलें लगती रहती हैं। बिहार में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं, और जेडीयू के सामने अपने भविष्य को सुरक्षित करने की चुनौती है।

ईरान-इजराइल युद्ध का असर, भारत में ड्राई फ्रूट्स व सेंधा नमक की कीमतें बढ़ी

नई दिल्ली। ईरान-इजराइल युद्ध का असर अब भारत के थोक बाजारों पर दिख रहा है। सेंधा नमक और ड्राई फ्रूट्स की कीमतों में जबरदस्त उछाल देखा जा रहा है। बीते 15 दिनों में इन उत्पादों के दाम 20 से 25 फीसदी तक बढ़ गए हैं। थोक व्यापारियों के मुताबिक सेंधा नमक और ड्राई फ्रूट्स मुख्य रूप से ईरान, इराक और खाड़ी देशों से भारत में आयात होता है। ईरान-इजराइल युद्ध और क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण इन देशों से माल की आपूर्ति पर असर पड़ा है, जिससे बाजार में उपलब्धता घट गई और कीमतें बढ़ गईं हैं।

व्यापारियों की मानें तो काजू, बादाम, पिस्ता, खजूर, केसर जैसे उत्पादों की कीमतों में उछाल आया है। वहीं, सेंधा नमक भी महंगा हो गया है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान से आने वाले उत्पादों के विरोध ने भी स्थिति को और बिगाड़ दिया है। प्रयागराज के व्यापारियों ने बताया कि पाकिस्तान से माल लेना बंद होने के बाद ज्यादातर सामान ईरान और खाड़ी देशों से मंगवाया जा रहा है, लेकिन युद्ध के चलते वहां से भी आपूर्ति पर असर हुआ है। प्रयागराज के एक थोक व्यापारी का कहना है कि ड्राई फ्रूट्स और सेंधा नमक की कीमतें रोज बदल रही हैं। सप्लाई कम है। एक किलो सेंधा नमक जो पहले 50 रुपए में मिलता था, अब 70-80 रुपए में मिल रहा है। ड्राई फ्रूट्स के तो और भी बुरे हाल हैं। कुछ व्यापारियों ने केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की बात कही है। एक व्यापारी ने कहा कि हमें भरोसा है कि सरकार इन हालात पर काबू पा लेगी और बाज़ार को स्थिर हो जाएगा।

बस एक बटन दबते ही हो जाएगा मानवता का विनाश?

-दुनिया में युद्ध और तनाव के चलते विशेषज्ञों ने दी चेतावनी

नई दिल्ली। रुस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-ईरान तनाव और वैश्विक अस्थिरता से दुनिया जूझ रही है। वहीं परमाणु हथियारों की होड़ मची है। वैज्ञानिक और सुरक्षा विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि यदि यह रफ्तार जारी रही तो मानवता फिर से उसी विनाशकारी दौर में पहुंच जाएगी, जहां सिर्फ एक बटन बदते ही पूरी दुनिया तबाह हो जाएगी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक 2025 की शुरुआत तक दुनिया में कुल 12,241 परमाणु हथियार हैं, जिनमें से करीब 9,600 हथियार सक्रिय सैन्य स्टॉक में हैं यानी किसी भी वक्त इस्तेमाल किए जा सकते हैं। इन हथियारों में से ज्यादातर अमेरिका और रूस के पास हैं, जो मिलकर दुनिया के 87 फीसदी परमाणु जखीरे पर नियंत्रण रखते हैं। इनके अलावा ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल जैसे देश भी इसमें शामिल हैं।

इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि इन हथियारों में से कई ऐसे ठिकानों पर रखे गए हैं जिनका कोई रिकॉर्ड नहीं है। ये अंडरग्राउंड बंकरों, गुप्त सैन्य ठिकानों और समुद्र के नीचे तैनात परमाणु पनडुब्बियों में लगातार सक्रिय हैं और इनकी निगरानी गोपनीय तरीके से की जा रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका ने अपने कई परमाणु हथियार न केवल खुद की धरती पर बल्कि यूरोप के कई देशों जैसे जर्मनी, बेल्जियम, नीदरलैंड, इटली और तुर्की में भी तैनात कर रखे हैं। ये हथियार आम तौर पर दिखाई नहीं देते, क्योंकि इन्हें एयरबेस के नीचे बने बंकरों में रखा गया है। वहीं रूस ने हाल ही में बेलारूस में टैक्टिकल न्यूक्लियर हथियार तैनात करने की बात कही थी, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। चीन और उत्तर कोरिया जैसे देशों का परमाणु नेटवर्क तो पूरी तरह गोपनीय है, जिससे इनके इरादों का अनुमान लगाना बहुत मुश्किल है। इजराइल ने भी रहस्यमयी ढंग से इन्हें छिपा रखा है। यह दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जिसने न तो अपने पास परमाणु हथियार होने की पुष्टि की है और न ही इसका खंडन किया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इजराइल के पास करीब 90 परमाणु हथियार हैं, जो नेगेव रेगिस्तान, डिमोना परमाणु केंद्र और अन्य अज्ञात जगहों पर छिपा कर रखे गए हैं। इसे रणनीतिक अस्पष्टता कहा जाता है, जिससे दुश्मनों को भ्रम में रखा जाता है। एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया एक बार फिर उसी परमाणु युग में लौट रही है, जो कभी 1960 और 70 के दशक में देखा गया था। फर्क सिर्फ इतना है कि अब ये हथियार छोटे, स्मार्ट और कहीं ज्यादा खतरनाक हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अब परमाणु हथियार डर पैदा करने की बजाय असुरक्षा की भावना को जन्म दे रहे हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या हम फिर से उस खतरनाक मोड़ पर पहुंच रहे हैं जहां एक गलती पूरी मानवता के विनाश का कारण बन सकती है?

ट्रेन में नहीं चल रहा एसी, कोई बात नहीं आईआरसीटीसी पूरा पैसा रिफंड देगा

नई दिल्ली। देश के करोड़ रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। भारतीय रेलवे की टिकट बुकिंग वेबसाइट आईआरसीटीसी ने एक नई सुविधा शुरू की है। अब अगर आपकी ट्रेन लेट होती है या एसची कोच में ठंडक नहीं मिलती, तब आपको पूरा टिकट का पैसा वापस मिल सकता है। यह फैसला यात्रियों की परेशानी को कम करने के लिए हुआ है। दरअसल कई बार लोग ट्रेन में देरी या एससी न चलने की शिकायत करते हैं, लेकिन अब आईआरसीटीसी ने उनकी मदद के लिए यह कदम उठाया है।

आईआरसीटीसी की नई पॉलिसी यात्रियों को राहत देगी। मान लीजिए आप दिल्ली से मुंबई जा रहे हैं, और ट्रेन 5 घंटे लेट होती है, या एससी कोच में ठंडक नहीं मिलती। पहले आपको सिर्फ आंशिक रिफंड मिलता था, लेकिन अब अगर ये दिक्कतें होती हैं, तब पूरा टिकट का पैसा वापस मिलेगा। यह सुविधा खास तौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो लंबी यात्रा करते हैं और समय की कीमत समझते हैं।

ट्रेन अगर 3 घंटे से ज्यादा लेट होती है। एससी कोच में ठंडक 2 घंटे से ज्यादा समय तक न मिले। तब आपको आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शिकायत दर्ज करानी होगी। रिफंड के लिए 24 घंटे के अंदर अप्लाई करना जरूरी है। रिफंड लेना बहुत आसान है, और इसके लिए आपको आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर जाना होगा। फिर रिफंड या परेशानी ऑप्शन ढूंढें और क्लिक करें। अपनी टिकट का पीएनआर नंबर, यात्रा की तारीख, और परेशानी (ट्रेन लेट या एसी खराब) बताएं।

मप्र कांग्रेस में बन रहा नया समीकरण

भोपाल। मप्र में इस समय कांग्रेस का फोकस संगठन की मजबूती पर है। इसके लिए संगठन सृजन अभियान चलाया जा रहा है। इस बीच कांग्रेस में नए सियासी समीकरण के संकेत देखने को मिल रहे हैं। यह समीकरण नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बीच बन रहा है। दरअसल, गतदिनों सिंघार पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के घर पहुंचकर उनसे मुलाकात की। इस दौरान दोनों ही नेताओं के बीच कई मुद्दों पर चर्चा हुई। वहीं प्रदेश में संगठन सृजन अभियानके बीच दोनों नेताओं की मुलाकात के राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं। मप्र कांग्रेस में नए सियासी समीकरण के भी संकेत है। हालांकि आधिकारिक रूप से इसे सौजन्य भेंट बताया जा रहा है।

दोनों नेताओं का इस तरह से मिलने को पार्टी में एकजुटता का संदेश देने की कोशिश भी बताया जा रहा है। बता दें कि कई जिलों में जिला अध्यक्ष तय होने हैं। वहीं अगले महीने 28 जुलाई से विधानसभा का मानसून सत्र भी शुरू होना है। उमंग सिंघार राहुल गांधी की पसंद माने जाते हैं। वहीं पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह पार्टी के सबसे सीनियर नेताओं में शुमार है। इसके अलावा अभी यूथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और अन्य पदों पर भी चुनाव चल रहे हैं। इस बीच दोनों ही नेताओं की मुलाकात को अहम माना जा रहा है।

कांग्रेस में दिग्विजय अभी भी दमदार

प्रदेश कांग्रेस में इन दिनों एक नए समीकरण की चर्चा तेज हो गई है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि प्रदेश में कांग्रेस की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का अपना अलग स्थान है। अब पार्टी युवा नेताओं को आगे बढ़ा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी हों या फिर आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. विक्रांत भूरिया, सब दिग्विजय समर्थक माने जाते हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी अब उनसे समीकरण

साधने में जुटे हैं। गुरुवार को उमंग सिंघार का दिग्विजय सिंह के भोपाल स्थित आवास पर पहुंचना और दोनों के बीच बंद कमरे में दो घंटे से अधिक बातचीत को नए समीकरण के रूप में देखा जा रहा है। भेंट का मुख्य केंद्र बिंदु युवा कांग्रेस का चुनाव है। इसके लिए मतदान की प्रक्रिया चल रही है। बताया जा रहा है कि दिग्विजय सिंह जबलपुर से विधायक लखन घनघोरिया के बेटे यश को इस दायित्व में लाने के पक्ष में हैं। सिंघार का भी घनघोरिया को समर्थन मिला हुआ है, जबकि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी अभिषेक परमार के पक्ष में बताए जाते हैं। घनघोरिया को इस पद पर लाने के लिए कैसे समीकरण अपने पक्ष में लाए जाएं, इस पर दोनों नेताओं के बीच चर्चा हुई।

ग्वालियर में बढ़ी थी बात

उल्लेखनीय है कि इसी माह ग्वालियर में संविधान सत्याग्रह के अंतर्गत उपवास के दौरान दिग्विजय सिंह ने खुद सिंघार के घर आकर भेंट करने की बात कही थी। इस पर सिंघार ने कहा था कि आप नहीं, मैं ही आऊंगा आपसे मिलने। दोनों नेताओं के बीच इस तरह की भेंट इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि वर्ष 2019-20 में प्रदेश में 15 महीने की कांग्रेस सरकार रहने के दौरान उमंग सिंघार ने दिग्विजय सिंह के विरुद्ध खुलकर बयानबाजी की थी। उनके रिश्तों में तब तल्खी देखी गई थी। हालांकि, दिग्विजय ने उस समय इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। दरअसल, उमंग सिंघार आदिवासी वर्ग से आते हैं और राष्ट्रीय स्तर पर नेताओं से मधुर संबंध हैं, लेकिन बतौर प्रदेश स्तरीय नेता उनकी मजबूत छवि नहीं है।

कभी सिंघार ने दिग्विजय के खिलाफ खोला था मोर्चा

गौरतलब है कि 2018 में कांग्रेस की सरकार में सिंघार वन मंत्री थे। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री और सिंघार के बीच विवाद हुआ था। उमंग सिंघार ने दिग्विजय सिंह के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उमंग सिंघार ने दिग्विजय सिंह के ऊपर कई आरोप लगाए थे। साथ ही उन्हें ब्लैकमेलर और माफिया तक कह दिया था। उमंग सिंघार ने दिग्विजय सिंह पर सरकार को अस्थिर करने व मंत्रियों से वसूली करने का आरोप लगाया था। सिंघार परिवार की दिग्विजय सिंह से पुरानी सियासी दुश्मनी रही है। कभी मध्य प्रदेश की उपमुख्यमंत्री रहते हुए उमंग सिंघार की बुआ जमुना देवी तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के खिलाफ मोर्चा खोला था। जमुना देवी ने एक बार कह दिया था कि मैं दिग्विजय सिंह के तंदूर में जल रही हूं। बता दें कि 1998 में कांग्रेस ने दिग्विजय सिंह को आगे रखकर चुनाव लड़ा था। चुनाव के परिणाम 1993 जैसे थे। कांग्रेस को 172 सीटें मिली थी तो भाजपा के हाथ 119 सीटें आई थीं। दिग्विजय सिंह को मुख्यमंत्री बनाया गया था। वहीं, जमुना देवी को डेप्युटी सीएम बनाया गया था। प्रदेश में आदिवासी नेता के तौर पर पहचान बनाने वालीं जमुना देवी का 2010 में निधन हो गया था।

बीयू ने 10 निजी कॉलेजों के खिलाफ भेजा नोटिस

- प्रोफेसर भर्ती फर्जीवाड़ा मामला

भोपाल। बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय में प्रोफेसरों की भर्ती को लेकर फर्जीवाड़े के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। बीयू से संबद्ध 45 निजी कॉलेजों द्वारा प्रोफेसरों की भर्ती को लेकर किए जा रहे फर्जीवाड़े को लेकर उनकी संबद्धता समाप्त भी की जा सकती है। इसमें राजधानी के 10 निजी कॉलेजों के भी नाम हैं। इसमें एमके पोंडा कॉलेज, आइएसकाम कॉलेज, आनंद विहार महिला कॉलेज, राजीव गांधी विधि कॉलेज, टीआइटी कॉलेज, राजगढ़ का आदर्श महाविद्यालय सहित अन्य बीएड, एमबीए और विधि पाठ्यक्रम संचालित करने वाले कॉलेज हैं, जो प्रोफेसरों की भर्ती में फर्जीवाड़ा कर रहे हैं।

बता दें कि बीयू प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है, जिसने निजी कालेजों से फैकल्टी का डेटा वेबसाइट पर अपलोड कराया। इसके बाद कालेजों द्वारा यह फर्जीवाड़ा सामने आया कि एक प्रोफेसर का नाम दो कॉलेज में है। वहीं कुछ प्रोफेसर उस कॉलेज में पढ़ा नहीं रहे हैं, लेकिन उनका नाम फैकल्टी की सूची में दर्ज है। इसके लिए बीयू ने न्यायाधिकरण भी गठित किया। इसके अध्यक्ष डॉ. एसके मल्होत्रा ने करीब 20 कॉलेजों को नोटिस देकर जवाब मांगा है। इसका निराकरण करने के लिए दो दिन सुनवाई हुई है। इसमें करीब 10 कॉलेज उपस्थित नहीं हुए। बीयू ने उन्हें नोटिस देकर जवाब-तलब किया है। अगर ये कॉलेज उचित जवाब नहीं देते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए संबद्धता समाप्त होने के साथ ही उच्च शिक्षा विभाग से उनके खिलाफ मान्यता खत्म करने की अनुशंसा की जाएगी।-

इस तरह का फर्जीवाड़ा हुआ

कई कालेजों में विद्यार्थी का नाम फैकल्टी की सूची में शामिल है। एक प्रोफेसर का नाम तीन कॉलेज में दर्ज है। साक्षात्कार में बुलाए गए प्रोफेसरों के दस्तावेजों का भी फैकल्टी के रूप में उपयोग किया जा रहा है। जो प्रोफेसर कुछ समय पहले कॉलेज छोड़ चुके हैं, इसके बावजूद उनका नाम कॉलेज की फैकल्टी सूची में दर्ज है। कुछ कॉलेज फैकल्टी की सूची में प्रोफेसरों के नाम दर्ज किए हैं, वे पढ़ा रहे हैं, लेकिन उनको वेतन नहीं दिया जा रहा है। निजी कॉलेज यूजीसी गाइडलाइन के मुताबिक फैकल्टी को वेतन नहीं दे रहा है।

टीचर्स की वैकल्पिक व्यवस्था के लिए रखे जाएंगे अतिथि शिक्षक

- मप्र में शिक्षकों की 70 हजार पद हैं खाली

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पांच साल चली शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया के बाद भी करीब 70 हजार पद खाली हैं। इन रिक्त पदों की जगह अब वैकल्पिक व्यवस्था के लिए अतिथि शिक्षक रखे जाएंगे। पूरी प्रक्रिया आनलाइन होगी। लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने इस बारे में दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

अतिथि शिक्षकों को आमंत्रित करने के लिए एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर रिक्तियों की स्थिति प्राचार्य द्वारा दर्ज की जाएगी। इसमें यह अवश्य देखा जाएगा कि जो शिक्षक उपलब्ध हैं, उनके द्वारा अध्यापन कराने के बाद कितने अतिथि शिक्षकों की आवश्यकता है। इसके लिए आवेदन 30 जून से दो जुलाई तक लिए जाएंगे। प्राचार्य इसका प्रमाणीकरण तीन जुलाई तक करेंगे।

पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी

अतिथि शिक्षकों को ऑनलाइन उपस्थिति देनी होगी। पोर्टल पर खाली पदों की जानकारी पांच जुलाई तक प्रदर्शित की जाएगी। आवेदन पांच जुलाई से सात जुलाई तक बुलाए जाएंगे। पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। अतिथि शिक्षक की सेवाएं पूर्णतः अस्थायी है। विद्यालय में नियमित शिक्षक की उपलब्धता होने पर अतिथि शिक्षक की सेवाएं स्वतः ही समाप्त हो जाएगी। इसके पहले शाला प्रभारी उनकी शैक्षणिक, व्यवसायिक, शिक्षक पात्रता परीक्षा की जानकारी का परीक्षण कर पोर्टल पर प्रमाणित करेंगे।

पांच से सात जुलाई तक आवेदन

जो पद खाली रह जाते हैं, उनके लिए पांच जुलाई से सात जुलाई तक आवेदन मांगें जाएंगे । मेरिट क्रम में शाला का आवंटन का काम नौ जुलाई तक किया जाएगा। उन्हें 10 से 12 जुलाई के बीच उपस्थित होना होगा। किसी भी अतिथि शिक्षक को ऑफलाइन आमंत्रित नहीं किया जाएगा। नियमित शिक्षक की उपलब्धता होने पर अतिथि शिक्षक की सेवाएं स्वतः ही समाप्त हो जाएगी।

अतिथि शिक्षकों की उपस्थिति भी ऑनलाइन होगी

अतिथि शिक्षक प्रतिदिन ई-गवर्नेंस प्लेटफार्म के एप हमारे शिक्षक के माध्यम से स्कूल प्रारंभ होने के निर्धारित समय के एक घंटे तक उपस्थिति ऑनलाइन दर्ज की जाएगी। स्कूल प्रारंभ होने के आधा घंटा पहले एवं आधा घंटा तक वापसी की उपस्थिति दर्ज की जाएगी।

आदिवासी या महिला नेता पर लग सकता है दांव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नई रणनीति के तहत बदलेगा नेतृत्व समीकरण

भोपाल। भारतीय जनत पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष का फैसला अब तीन जुलाई या जुलाई के पहले सप्ताह में कभी भी हो सकता है। प्रदेश अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं। संभवतः एक जुलाई को चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो जाए और तीन जुलाई को भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष पद के नाम को अंतिम रूप दे दिया जाए। सूत्रों के अनुसार, प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव जुलाई के पहले सप्ताह में कराया जा सकता है। मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष पद के चुनाव अधिकारी केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान हैं जो एक या दो जुलाई को भोपाल आने वाले हैं। ऐसे में पूरी संभावना है कि प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया जुलाई के पहले सप्ताह में ही पूरी हो जाएगी। ऐसा इसलिए भी संभव है, क्योंकि पहलगाम हमले के बाद भाजपा ने संगठन चुनाव की प्रक्रिया रोक थी दी। लेकिन अब चुनाव की प्रक्रिया दो दिन पहले फिर शुरू कर दी है। एक राज्य में चुनाव की तारीख का भी ऐलान हो चुका है, वहीं महाराष्ट्र सहित तीन राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष पद के चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई है।

आधा दर्जन से अधिक

प्रदेश संगठन में फिलहाल सामान्य वर्ग से प्रदेश अध्यक्ष, ओबीसी से मुख्यमंत्री और अनुसूचित जाति वर्ग से उपमुख्यमंत्री हैं। ऐसे में संगठन संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी आदिवासी या महिला नेता को सौंपे जाने की संभावना है। अंतिम निर्णय पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व लेगा।

प्रदेश परिषद के 345 सदस्य करेंगे चयन

प्रदेश अध्यक्ष के चयन के लिए भाजपा द्वारा पहले ही जिला अध्यक्षों के साथ प्रदेश परिषद के 345 सदस्य चुन लिए गए हैं। दो विधानसभा क्षेत्रों को मिलाकर एक क्लस्टर बनाया गया है, जिसके तहत परिषद सदस्य चुने गए हैं। आरक्षित वर्गों (एससी-एसटी) के लिए सीटों के अनुरूप संबंधित वर्ग से ही परिषद सदस्य बनाए गए हैं। महिलाओं और ओबीसी वर्ग को भी समुचित प्रतिनिधित्व दिया गया है। मध्यप्रदेश भाजपा में अधिकांश बार प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव सर्वसम्मति से हुआ है। केवल दो बार ही मतदान की स्थिति बनी थी। पहली बार 1990 के दशक में लखीराम अग्रवाल और कैलाश जोशी के बीच, और दूसरी बार वर्ष 2000 में शिवराज सिंह चौहान और विक्रम वर्मा के बीच, जिसमें वर्मा विजयी हुए थे।

दावेदार सक्रिय

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए वर्तमान अध्यक्ष वीडी शर्मा स्वयं बड़े दावेदार हैं। इसके साथ पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ला, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल और पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया के साथ सांसद सुधीर गुप्ता के नाम भी इस दौड़ में बने हुए हैं। महिला अध्यक्ष बनाए जाने की स्थिति में पूर्व मंत्री अर्चना चिटनीस, सांसद कविता पाटीदार, लता वानखेड़े के नाम चर्चाओं में हैं। अगर भाजपा बाबा साहब अंबेडकर को देखकर अध्यक्ष पद अनुसूचित जाति वर्ग से बनाती है तो भाजपा अजा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य, विधायक प्रदीप लारिया के नाम भी चर्चा में हैं। भाजपा द्रौपदी मुर्मु को राष्ट्रपति बनाकर हर चुनाव में आदिवासियों को सम्मान देने की बात करती है। भाजपा मध्यप्रदेश में आदिवासियों में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए बैतूल से सांसद केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके, खरगोन सांसद गजेन्द्र पटेल, मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते और राज्यसभा सांसद सुमेर सिंह सोलंकी के नाम पर विचार कर रही है। महिला वर्ग को भी साधने के लिए सावित्री ठाकुर को भी मौका दिया जा सकता है।

कर्ज और घाटे की भेंट चढ़े 29 उद्योग

भोपाल। मप्र में सरकार एक तरफ औद्योगिक विकास पर फोकस कर रही है, वहीं दूसरी तरफ स्थिति यह है कि कर्ज और घाटे के कारण उद्योग बंद हो रहे हैं। प्रदेश में पिछले 20 वर्ष में 29 बड़े उद्योग बंद हो गए। औद्योगिक निवेश एवं प्रोत्साहन विभाग से मिली अधिकृत जानकारी के अनुसार, रायसेन जिले में हैवी फेब्रिकेशन निर्माता कंपनी मेसर्स जीईआई पावर लिमिटेड और राइस प्रोसेसिंग वाली कंपनी मेसर्स एसएसए इंटरनेशनल, ऋण की अदायगी न करने के कारण बैंक द्वारा अधिग्रहित की गई। भिंड जिले में ग्लास पार्ट केथोड रे ट्यूब तथा गैस प्लांट थर्मल पावर प्लांट वाली कंपनी मेसर्स लिमिहाटलाईन ग्ला., की दो मिलें बंद हो गई तथा इसी जिले में कलर्ड पिक्चर ट्यूब बनाने वाली मेसर्स एलजी हाटलाईन सीपीटी लिमिटेड, एनएसीएलटी द्वारा परिसंपत्तियों का विक्रय करने से बंद हुई। जानकारी के अनुसार इनमें से अधिकांश उद्योगों के बंद होने का कारण बैंक ऋण न चुकाना, संपत्तियों के विक्रय और वित्तीय हानि होना है। वर्ष 2004 से अब तक मप्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड अंतर्गत कुल 222 बड़े उद्योग स्थापित हुए, लेकिन इनमें से 29 बड़े उद्योग बंद भी हो गए। इस अवधि में कारपोरेशन के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल अंतर्गत 55 बड़े उद्योग स्थापित हुए और बाद में इनमें से दो बंद हो गए, जबकि ग्वालियर क्षेत्र में 13 उद्योगों में से तीन बंद हो गए। इंदौर क्षेत्र में 126 उद्योगों में से 21 बंद हो गए।

गौशालाओं में गायों की लगेगी ई-अटेंडेंस

- कान में लगाई जाएगी चिप, न डेटा मिटेगा न बदलेगा, फर्जीवाड़े पर भी लग सकेगी लगाम

भोपाल। मध्य प्रदेश में पशुपालन विभाग नई तकनीक लागू करने जा रहा है। इसके तहत गौशालाओं में गायों की हाजिरी डिजिटल तरीके से लगेगी। ई अटेंडेंस के जरिए गौशाला की चार लाख गायों की रोज निगरानी होगी। फर्जीवाड़ा रोकने के लिए यह पहल की जा रही है।

एमपी पशुपालन विभाग ने एक प्रस्ताव तैयार किया है। इसके तहत गौ माता के कान में चिप लगाई जाएगी। गौशाला और गो संवर्धन का पूरा डेटा ऑटोमेटिक ऑनलाइन होगा। माइक्रो-चिप से हर गाय का स्थायी रिकॉर्ड बन जाएगा। जिसके बाद न तो इसको बदला जा सकेगा और न ही हटाया जा सकेगा। पशुपालन विभाग की पहल का उद्देश्य फर्जीवाड़ा रोकना है। अभी तक गायों के कान में पीले टैग लगाए जाते थे, जिन्हें आसानी से हटाया जा सकता था। कई बार गोशालाएं गायों की संख्या बढ़ाकर अनुदान लेती थीं। यहां तक कि कुछ दुधारू गायों को मृत दिखाकर बीमा राशि भी वसूल ली जाती थी। इस तकनीक के लागू होने के बाद यह साफ हो जाएगा कि कौन-सी गाय कब आई, कितनी बार गर्भवती हुई और वर्तमान में उसकी स्थिति क्या है। इससे फर्जीवाड़े पर लगाम लगेगी।

शासकीय स्कूलों में निःशुल्क साइकिल वितरण के संबंध में दिशा-निर्देश

कक्षा 6 और 9 में प्रथम प्रवेश पर मिलेगा योजना का लाभ

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग ने शासकीय स्कूलों में निःशुल्क साइकिल वितरण के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किये हैं। दिशा-निर्देश में बताया गया है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले विद्यार्थी, जो कि शासकीय विद्यालय में कक्षा 6वीं और 9वीं में अध्ययनरत हैं तथा वे जिस ग्राम के निवासी हैं उस ग्राम में शासकीय माध्यमिक विद्यालय-हाई स्कूल संचालित नहीं हैं वे अध्ययन के लिये किसी अन्य ग्राम या शहर के शासकीय स्कूल में जाते हैं उन छात्रों को इस योजना का लाभ कक्षा 6वीं एवं 9वीं में प्रथम प्रवेश पर एक ही बार मिलेगा। इन कक्षाओं में पुनः प्रवेश लेने पर साइकिल की पात्रता नहीं होगी। ग्रामीण क्षेत्र में ऐसे विद्यार्थी जो शासकीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं एवं 9वीं में अध्ययनरत हैं उस गांव से उनके निवास की दूरी 2 किलोमीटर की दूरी से अधिक हो उन्हें ही साइकिल की पात्रता होगी। ग्रामीण क्षेत्र में कन्या छात्रावास में अध्ययनरत छात्राएं जिनके माध्यमिक शाला और हाई स्कूल छात्रावास से स्कूल की दूरी 2 किलोमीटर अधिक दूरी पर है यह साइकिलें छात्रावास को आवंटित की जायेंगी और छात्रावास में रहने वाली बालिकाएं इनका प्रयोग कर सकेंगी। छात्रावास छोड़ते समय साइकिलें छात्रावास में जमा कराना होंगी। योजना में कक्षा 6वीं के विद्यार्थियों को 18 इंच और कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों को 20 इंच की साइकिलें प्रदाय की जायेंगी। निःशुल्क साइकिल वितरण की विस्तृत जानकारी 3.0 पोर्टल पर प्रदर्शित की गई हैं। निःशुल्क साइकिल वितरण के संबंध में कक्षा 6वीं की साइकिल के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी आर.के. पांडे और कक्षा 9वीं के लिये योजना अधिकारी अशोक बड़गे को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

भोपाल में ईरानी सुप्रीम लीडर का पोस्टर हटाया

भोपाल। भोपाल में लगे ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई के पोस्टर को हटा दिया गया है। पुलिस प्रशासन ने शिया समुदाय के साथ बैठक की। जिसके बाद यह फैसला लिया गया है।

दरअसल, राजधानी भोपाल के ईरानी डेरा में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई के पोस्टर लगाए गए थे। खामेनेई के अलावा ईरान की सेना के लीडरों के भी बैनर लगाए गए थे। इसका फोटो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके बाद प्रशासन ने हटाने की समझाइश दी थी। वहीं पुलिस प्रशासन ने शिया समुदाय के साथ बैठक की। इस मीटिंग के बाद स्थानीय लोगों ने खुद ही पोस्टर को हटा दिया है। वहीं बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद ने पोस्टर को लेकर कहा कि जहां इस प्रकार के देश विरोधी तत्व हैं।

प्रमोशन में आरक्षण को लेकर अधिकारी-कर्मचारियों ने अधिवेशन में लिया बड़ा फैसला

भोपाल। मध्य प्रदेश में प्रमोशन में आरक्षण को लेकर सामान्य, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारी कर्मचारियों ने अधिवेशन बुलाया। जिसमें बड़ा फैसला लिया गया है। प्रदेश में जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया है। कर्मचारियें ने कहा कि पदोन्नति आरक्षण के नियम बिल्कुल बर्दाश्त नहीं है। कल हाईकोर्ट से मामले में अर्जेंट हियरिंग की मांग की जाएगी।

रविवार को कर्मचारी संगठन ने आरक्षण समाप्त करने को लेकर नर्मदा भवन में बड़ी बैठक की। सामान्य, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारी कर्मचारियों ने अधिवेशन बुलाया। जिसमें सपाक्स संगठन के साथ-साथ कई और कर्मचारी संगठन भी शामिल हुए। हम हैं माई के लाल के नारे के तहत बैठक शुरू हुई। इस बैठक में आने वाले दिनों में विरोध प्रदर्शन और सरकार से प्रमोशन के मुद्दे पर बातचीत करने की रणनीति बनाई गई है। वहीं अधिवेशन में बड़ा फैसला लिया गया है। सपाक्स जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन करेगी। कर्मचारियों का कहना है कि प्रमोशन आरक्षण के नियम बिल्कुल बर्दाश्त नहीं है। कल हाईकोर्ट से मामले में अर्जेंट हियरिंग की मांग करेंगे।

शिवराज के साथ सीएम हाउस पहुंचे खातेगांव, इछावर के आदिवासी

खिवनी अभ्यारण्य में घर तोडने़ की शिकायत की; सीएम ने अफसरों पर दिए कार्रवाई के निर्देश

भोपाल। देवास जिले के खातेगांव विधानसभा क्षेत्र के खिवनी में आदिवासियों के घर तोड़े जाने के मामले पर आदिवासी समाज का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। बीते 23 जून को खिवनी में वन विभाग ने आदिवासियों के 50 से ज्यादा घरों पर बुल्डोजर चला दिया था। इस घटना को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने शिवराज सिंह चौहान और सीएम पर निशाना साधा था।

सीहोर में पीड़ित आदिवासी परिवारों ने केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की थी। रविवार को शिवराज सिंह चौहान खिवनी अभयारण्य क्षेत्र के आदिवासियों को साथ लेकर सीएम हाउस पहुंचे। इस दौरान खातेगांव और इछावर क्षेत्र के आदिवासी समाज के लोगों के साथ बुधनी विधायक रमाकांत भार्गव भी मौजूद थे।

बारिश में घर तोडने़ वाले अफसरों पर होगा एक्शन

शिवराज सिंह चौहान के साथ सीएम हाउस में आदिवासियों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद सीएम डॉ. मोहन यादव ने एक्स पर लिखा, हमारी सरकार गरीबों की सरकार है, गरीबों के साथ है। भोपाल निवास पर केंद्रीय मंत्री, भाईसाहब शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में खिवनी अभयारण्य के लिए वन विभाग की कार्रवाई से प्रभावित जनजातीय समुदाय के नागरिकों से भेंट की। सीएम ने आगे लिखा, उनकी शिकायतों को सुना और जांच के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करें और पीड़ितों को शासकीय सुविधाओं का लाभ दिलाएं। वन विभाग को निर्देश दिए हैं कि बारिश के दौर में ऐसी किसी भी कार्रवाई से बचें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार गरीबों की सरकार है। जनजातीय समुदाय का सम्मान और कल्याण हमारा संकल्प है।

मंधाना के शतक से भारतीय टीम ने पहले टी20 में इंग्लैंड को हराया

लंदन। कार्यवाहक कप्तान स्मृति मंधाना के शानदार शतक और अपना पहला ही मैच खेल रही श्री चरणी की अच्छी गेंदबाजी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये पहले ही टी20 मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड को 97 रन से हरा दिया। इस मैच में मिली जीत के साथ ही भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है। इस मैंच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 210 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 211 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 14.5 ओवरों में ही 113 रनों पर सिमट गयी। भारतीय टीम की जीत में मंधाना और चरणी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मंधाना ने जहां 112 रन बनाकर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। वहीं श्री चरणी ने 4 विकेट लेकर मेजबान टीम की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। यह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इंग्लैंड की सबसे बड़ी हार है। मंधाना इस मैच में शतक लगाने के साथ ही टी20 में शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बनी हैं।

इस मैच में जीत के लिए मिले 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने लगातार विकेट गंवाए। उसकी ओर से केवल कप्तान नेट शीवर ब्रंट ने ही सबसे अधिक 66 रन बनाये। इंग्लैंड के केवल तीन बल्लेबाज ही दो अंकों से ऊपर पहुंच पाये। भारतीय टीम की ओर से श्री चरणी ने 4 ओवर में 12 रन देकर 4 विकेट लिए जबकि दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने दो-दो विकेट लिए।

इससे पहले भारतीय टीम ने मंधाना के शतक की सहायता से 5 विकेट पर 210 रन बनाये। मंधाना ने शुरूआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और 62 गेंद पर 15 चौके और तीन छक्के लगाये। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की सर्वश्रेष्ठ पारी रही है। मंधाना के अलावा हरलीन देओल ने 43 रन और शेफाली वर्मा ने 20 रन बनाये। इस मैच के लिए फिट नहीं होने के कारण नियमित कप्तान हरमनप्रीत के बाहर होने से मंधाना को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी थी। मंधाना ने शेफाली के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 8.3 ओवर में ही 77 रन बना दिये। शेफाली के आउट होने के बाद भी मंधाना और हरलीन ने पारी को आगे बढ़ाया। मंधाना ने तेज गेंदबाज बेल पर लगातार दो चौके लगाकर अपना पहला शतक लगाया। वहीं इंग्लैंड की ओर से लॉरेन बेल ने दो विकेट लिए।

दूसरे टेस्ट से अर्शदीप कर सकते हें डेब्यू, आकाशदीप और कुलदीप को भी मिल सकती है जगह

लंदन । भारतीय टीम दो जुलाई से एजबेस्टन के मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में बदलावों के साथ उतर सकती है। दूसरे टेस्ट में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हो आराम दिया जा सकता है। वहीं बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है। पहले टेस्ट में बुमराह के अलावा अन्य गेंदबाज प्रभावित नहीं कर पाये थे। ऐसे में प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर की जगह भी खतरे में नजर आ रही है। शार्दुल

बुमराह के नहीं होने से टीम इंडिया के गेंदबाजी आक्रमण की कमान मो सिराज को मिल सकती है। अभ्यास सात्र में प्रसिद्ध कृष्णा नेट में नहीं उतरे और टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर तेज गेंदबाजों अर्शदीप सिंह और आकाशदीप से काफी देर तक बातें करते रहे। इसके साथ ही दोनों ने जमकर अभ्यास भी किया । जिससे अटकलें हैं कि कृष्णा भी दूसरे मैच में शायद ही खेलें।

ऐसे में बुमराह की जगह अर्शदीप को जबकि कृष्णा की जगह आकाशदीप को अवसर मिल सकता है। वहीं शार्दुल की जगह स्पिनर कुलदीप यादव को दी जा सकती है। कई पूर्व क्रिकेटरों ने भी कुलदीप को अंतिम ग्यारह में अवसर देने की मांग की है। अब बल्लेबाजी की बात करें तो यहां पारी की शुरुआत केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ही करेंगे। तीसरे नंबर पर पहले टेस्ट में खराब प्रदर्शन करने वाले साई सुदर्शन पर एक बार फिर से भरोसा जताया जा सकता है।

भारतीय टीम की टी20 विश्वकप जीत का एक साल पूरा हुआ

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के टी20 विश्वकप की जीत को एक साल पूरा हो गया है। रोहित शर्मा की कप्तानी में पिछले साल 29 जून को भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताब जीता था। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने एक दशक बाद आईसीसी खिताब अपने नाम किया था। इस जीत के बाद रोहित शर्मा और अनुभीवी बल्लेबाज विराट कोहली ने टी20 प्रारुप को अलविदा कह दिया था। भारतीय टीम इने इस टूर्नामेंट में अपने सभी मैच जीते थे। उसने एक बार फिर पाकिस्तान के खिलाफ जी दर्ज की थी। भारतीय टीम ने अमेरिका को 7 विकेट से हार कर सुपर आठ में प्रवेश किया। वहीं कनाडा के साथ अंतिम लीग मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया। भारतीय टीम ने इसके बाद वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान को हराया।

टीम को जीत दिलाने से खुश हैं स्मृति मंधाना

नॉटिंघम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना इंग्लैंड के खिलाफ यहां खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपनी टीम को मिली 97 रन से जीत से बेहद खुश है। मंधान ने नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर के टीम से बाहर होने के कारण इस मैच में कप्तानी संभाली थी। इस मैच में भारतीय टीम की जीत में मंधाना की शतकीय पारी की अहम भूमिका रही। मंधाना ने इस मैच में तेजी से खेलते हुए 149वें मैच में अपना पहला टी20 शतक लगाया। उन्होंने 62 गेंदों पर 15 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 112 रन बनाए, जिससे भारतीय टीम 210 रन का बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। मंधाना का ये शतक इसलिए भी अहम है क्योंकि वह टी20 प्रारुप में शतक लगाने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गयी हैं।

मंधाना ने कहा, ' शतक लगाने का मेरा अहसास अच्छा रहा है क्योंकि यह ऐसा प्रारुप है जिसमें एक बल्लेबाज के तौर पर मुझे लगातार प्रयास और सुधार करते रहना होगा। यह मेरे लिए स्वाभाविक प्रारूप नहीं है। मैं पावर हिटर नहीं हूं और मुझे अपनी टाइमिंग पर भरोसा रखकर शॉट लगाना पसंद है लेकिन मैं अपनी पावर हिटिंग पर भी काम करने की कोशिश कर रही हूं। इस सलामी बल्लेबाज ने कहा, 'इस प्रारूप में शतक बनाना वास्तव में खास है। मैंने टेस्ट क्रिकेट और एक दिवसीय क्रिकेट में भी शतक लगाए हैं, लेकिन यह दोनों प्रारूप मेरी बल्लेबाजी शैली के अधिक अनुकूल हैं।

मंधाना ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं था कि वह यहां पहले मैच में शतक लगाने में सफल रहेंगी। उन्होंने कहा, 'मैंने नहीं सोचा था कि मैं पहले मैच में ही शतक लगाने में सफल रहूंगी। मैं इससे पहले कुछ अवसरों पर शतक के करीब पहुंचकर भी उसे पूरा नहीं कर पायी थी।

सैमी पर आईसीसी ने 15 फीसदी जुर्माना लगाया

दुबई। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कोच डैरन सैमी को टीवी अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक की सार्वजनिक रूप से आलोचना करना महंगा पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सैमी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान टीवी अंपायर की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने का दोषी पाते हुए उनपर मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया है। सैमी ने मैच के दूसरे दिन डिसीजन रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) के फैसलों पर सवाल उठाये थे। सैमी ने मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए तीसरे अंपायर के फैसले पर सवाल उठाए थे, इसी कारण से उन पर यह जुर्माना लगाया गया है। इस मैच में वेस्टइंडीज को हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में अंपायर पर एक नहीं पांच-पांच गलत फैसले देने के आरोप लगे। इसमें से चार वेस्टइंडीज के खिलाफ गये जिससे उसकी परेशानी बढ़ गयी। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को डीआरएस के बाद नॉट आउट दिया गया। वहीं वेस्टइंडीज के शाई हॉप के आउट होने पर भी सवाल उठे। सैमी ने रोस्टन चेज और ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन से जुड़े एलबीडब्ल्यू की गलतियों के बारे में भी बताया। सैमी ने कहा था, जो तस्वीरें हम देख रहे हैं, उससे लगता है कि दोनों टीमों के लिए फैसले निष्पक्ष नहीं हैं। मैं इस में स्पष्टता चाहता हूं। सैमी ने मैच अधिकारी के खिलाफ बयान देने के चलते ही आईसीसी ने उन्हें आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया है इससे पहले वेस्टइंडीज की टीम के तेज गेंदबाज जेडन सील्स पर भी विरोधी टीम के कप्तान पैट कमिंस से खराब व्यवहार के लिए मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगा था। पहला टेस्ट हारने से तीन मैच की सीरीज में वेस्टइंडीज 0-1 से पीछे है।

स्टीव स्मिथ जल्द वापसी कर सकते है - पैट कमिंस

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को वेस्टइंडीज को पहले टेस्ट मैच में 159 रनों से हराकर सीरीज में बढ़त बना ली। हालांकि, स्कोरलाइन से अलग मैच में वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को कड़ी टक्कर दी, लेकिन कमजोर बल्लेबाजी के चलते उन्हें हार झेलनी पड़ी। खास बात यह रही कि ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मुकाबले में अपने दो प्रमुख बल्लेबाजों स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन के बिना उतरी। स्मिथ चोटिल होने के कारण बाहर रहे जबकि लाबुशेन को लगातार खराब फॉर्म की वजह से टीम से ड्रॉप किया गया।

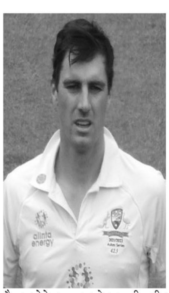

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने बताया कि स्मिथ अपनी चोट से उबरने की प्रक्रिया में हैं। उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में स्लिप में कैच लेते समय चोट लगी थी। कमिंस के मुताबिक स्मिथ ने न्यूयॉर्क में हल्की प्रैक्टिस भी शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, ये उन्होंने न्यूयॉर्क में कुछ ओवर खेले हैं, शायद टेनिस बॉल से ही सही। घाव अब ठीक लग रहा है। अगला स्टेज यहां आकर नेट्स में गेंदें खेलना है। हम आने वाले दिनों में देखेंगे कि वह कब तक पूरी तरह फिट हो पाते हैं। स्मिथ की कोशिश 3 जुलाई से ग्रेनेडा में होने वाले दूसरे टेस्ट तक फिट होकर लौटने की है।

पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को उनकी गैरमौजूदगी काफी खली। पहली पारी में टीम ने 22 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे, जबकि दूसरी पारी में 65 तक चार विकेट गिर गए। यह 2018 के बाद पहली बार था जब ऑस्ट्रेलिया की टीम स्मिथ और लाबुशेन दोनों के बिना उतरी। लाबुशेन की जगह मिले मौके में युवा सैम कोंटास प्रभावित नहीं कर सके। उन्होंने पहली पारी में तीन और दूसरी में सिर्फ पांच रन बनाए और दोनों पारियों में शमार जोसेफ का शिकार बने।

जोश इंग्लिश भी खास योगदान नहीं दे सके और कुल 17 रन ही बना पाए। इसके बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने गेंदबाजों के दम पर जीत दर्ज की। कमिंस ने यह भी माना कि बल्लेबाजी में सुधार की जरूरत है और स्मिथ की वापसी से टीम को संतुलन मिलेगा। वेस्टइंडीज की ओर से गेंदबाजों ने अच्छा संघर्ष किया लेकिन बल्लेबाज दबाव नहीं झेल सके और पूरी टीम दोनों पारियों में लड़खड़ा गई। इस जीत से ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली और अब उनकी नजरें दूसरे टेस्ट में क्लीन स्वीप पर हैं।

क्रिकेटर यश दयाल पर शादी का झांसा देकर शोषण का आरोप

गाजियाबाद। क्रिकेटर यश दयाल पर धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की ओर से खेलने वाले क्रिकेटर यश पर एक लड़की ने शादी का झांसा देकर शारीरिक और मानसिक शोषण का आरोप लगाया है। इस लड़की ने यश की शिकायत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इंदिरापुरम सर्किल ऑफिसर से इस मामले में 21 जुलाई तक जांच रिपोर्ट देने को कहा है। अपनी शिकायत में इस लड़की ने कहा है कि वह पिछले 5 सालों से यश के साथ रिश्ते में थी। इस दौरान यश ने उनसे शादी का वादा किया था पर अब वह इंकार कर रहे हैं। साथ ही उसने यश पर शारीरिक और मानसिक शोषण का भी आरोप लगाया।

युवती ने इस मामले की शिकायत 14 जून 2025 को महिला हेल्पलाइन नंबर पर दर्ज कराई थी पर अभी तक इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री शिकायत प्रकोष्ठ से संपर्क किया। इस मामले की प्रारंभिक जांच शुरू हो चुकी है और इस लड़की का बयान दर्ज कर तथ्यों की पुष्टि की जा रही है।

आंकड़े बताते है बुमराह का वर्कलोड सबसे ज्यादा, उन्हें आराम की जरूरत

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाएगा। पहला मैच हारकर यहां पहुंची शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम इंडिया की नजरें जोरदार वापसी पर होंगी। हालांकि यह काम आसान नहीं होने वाला है। एजबेस्टन का यह मैदान भारत के लिए कभी भी शुभ नहीं रहा है। भारत आज तक यहां इंग्लैंड को हराने में नाकाम रहा है और इस बार भी चुनौती कड़ी रहने वाली है।

इस मुश्किल में टीम इंडिया को एक और बड़ा झटका लग सकता है। खबर है कि टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दूसरे टेस्ट में आराम दिया जा सकता है। टीम मैनेजमेंट उनके वर्कलोड को लेकर काफी सतर्क है और नहीं चाहता कि वह चोटिल हो जाएं। भले ही पहले और दूसरे टेस्ट के बीच सात दिनों का अंतर है, लेकिन मैनेजमेंट का मानना है कि बुमराह को पूरी तरह से तरोताजा रखना जरूरी है। दरअसल, सीरीज शुरू होने से पहले ही यह साफ कर दिया गया था कि बुमराह सभी पांच टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे। योजना के मुताबिक वह पहला और तीसरा टेस्ट जरूर खेलेंगे और फिर सीरीज की स्थिति देखकर चौथे या पांचवें मैच के लिए फैसला करेंगे।

पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे का उदाहरण टीम मैनेजमेंट की सोच को सही साबित करता है। तब

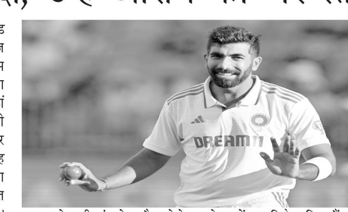

बुमराह ने सभी पांच टेस्ट मैच खेले थे और इसके बाद उन्हें चोट ने परेशान किया। इस बार टीम कोई भी रिस्क नहीं लेना चाहती। हालांकि, इस फैसले को लेकर कई दिग्गज और फैंस सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि अगर दो मैचों के बीच सात दिन का ब्रेक है तो क्या वह आराम के लिए काफी नहीं है? यह सवाल भी उठ रहा है कि इतने अहम मौके पर भारत अपने सबसे भरोसेमंद गेंदबाज को कैसे बाहर बैठा सकता है।

बुमराह के वर्कलोड पर नजर डालें तो टीम मैनेजमेंट का फैसला समझ आता है। इस समय दुनिया के किसी भी तेज गेंदबाज पर उतना काम का बोझ नहीं है जितना बुमराह पर। 1 जनवरी 2024 से अब तक बुमराह ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा ओवर फेंके हैं। उन्होंने 410.4 ओवर गेंदबाजी की है और इस दौरान 78 विकेट भी हासिल किए हैं। उनके बाद ऑस्ट्रेलिया के मिशेल स्टार्क का नंबर आता है, जिन्होंने 362.3 ओवर में 48 विकेट लिए हैं। पैट कमिंस ने 359.1 ओवर में 51 विकेट चटकाए हैं। भारतीय गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भी इस दौरान 355.3 ओवर फेंके हैं और 41 विकेट हासिल किए हैं। वास्तव में, बुमराह ने भारत के लिए सभी गेंदबाजों में सबसे ज्यादा बोझ भी उठाया है। उनके बाद रवींद्र जडेजा 400.1 ओवर के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इन आंकड़ों से साफ है कि बुमराह भारतीय बॉलिंग अटैक की रीढ़ बने हुए हैं और उनका फिट रहना टीम के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता है। यही वजह है कि टीम मैनेजमेंट उनके वर्कलोड को मैनेज करने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता। एजबेस्टन टेस्ट में उनकी गैरमौजूदगी भारत के लिए चुनौती जरूर बढ़ाएगी, लेकिन लंबी सीरीज को देखते हुए यह फैसला रणनीतिक माना जा रहा है।

विदेश में ऋषभ पंत के शतक वाले ज्यादातर मैचों में भारत हारा

नई दिल्ली। टीम इंडिया के आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने विदेशी जमीन पर टेस्ट क्रिकेट में अब तक 6 शानदार शतक जड़े हैं, लेकिन यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक अनोखा और कुछ हद तक निराशाजनक संयोग भी रहा है कि जिन 5 टेस्ट मैचों में उन्होंने ये सेंचुरी लगाई, उनमें से एक में भी भारत को जीत नसीब नहीं हुई। पंत के विदेशी शतकों में भारत को चार बार हार झेलनी पड़ी और एक मुकाबला ड्रॉ रहा। उनका यह सिलसिला इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट से शुरू होता है और अब तक जारी है।

पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज के दौरान हेडिंग्ले के मैदान पर पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन की दो जबरदस्त पारियां खेलीं। लगा कि यह मैच भारत के पक्ष में जाएगा, मगर भारत 5 विकेट से हार गया। इसके बाद भी पंत का शानदार प्रदर्शन जारी रहा, लेकिन नतीजे भारत के पक्ष में नहीं जा सके। साल 2018 में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ केनिंग्टन ओवल में अपने करियर का पहला टेस्ट शतक जमाया था। उन्होंने 114 रन बनाए थे, पर भारत वह मैच भी हार गया।

2019 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिडनी टेस्ट में उन्होंने 159 रन की नाबाद पारी खेली। उस समय उनकी बल्लेबाज़ी ने टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में पहुंचाया, लेकिन मैच का नतीजा नहीं निकल सका और मुकाबला ड्रॉ रहा। 2022 में पंत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केप टाउन के न्यूलैंड्स टेस्ट में 100 रन की नाबाद पारी खेली थी। इसके बावजूद भारत को हार का सामना करना पड़ा। इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में पंत ने 146 रन की शानदार पारी खेली। यह पारी उस मुश्किल समय में आई जब भारत संकट में था। उन्होंने टीम को संभाला, लेकिन इसके बावजूद भारत मैच हार गया। इस तरह ऋषभ पंत ने विदेशी सरजमीं पर पांच टेस्ट में छह शतक लगाए हैं, मगर इनमें से भारत को एक भी जीत नसीब नहीं हुई।

फैंस और विशेषज्ञ दोनों ही मानते हैं कि पंत का विदेशी पिचों पर यह आक्रामक और भरोसेमंद अंदाज भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए बेहद जरूरी है। अब सभी की नजरें इस बात पर हैं कि क्या आने वाले इंग्लैंड दौरे में यह संयोग टूटेगा और पंत की शतकीय पारी भारत को जीत दिला पाएगी। भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि ऋषभ पंत का यह दुर्भाग्यपूर्ण आंकड़ा जल्द ही बदल जाएगा और उनकी शतकीय पारियां भविष्य में भारत की जीत की गारंटी बनेंगी।

एसेक्स की ओर से खेलेंगे खलील

मुम्बई। तेज गेंदबाज खलील अहमद को भारत ए की ओर अच्छा प्रदर्शन करने का लाभ हुआ है। खलील को काउंटी क्रिकेट खेलने का अवसर मिला है। खलील अब काउंटी टीम एसेक्स की ओर से खेलेंगे। खलील ने इस साल आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया था। खलील ने अब तक भारतीय टीम की ओर से 11 एकदिवसीय और 18 टी20 मैच खेले हैं। बाएं हाथ के अच्छे तेज गेंदबाजों की काउंटी टीमों में हमेशा ही मांग बनी रहती है। इसी कारण खलील ने 2025 सत्र के अंत तक के लिए काउंटी चैंपियनशिप और एकदिवसीय कप मैच खेलने के लिए एसेक्स के साथ करार किया है। खलील मई के अंत से ही इंग्लैंड में हैं और उन्होंने वहां भारत ए की ओर से खेला है। . उन्होंने नॉर्थम्प्टन में पहले मैच में जेम्स रेव, जॉर्ज हिल, क्रिस वोक्स और एसेक्स में अपने साथी जॉर्डन कॉक्स को आउट किया था। खलील ने अपने एक बयान में कहा, मैंने एसेक्स क्लब के बारे में बहुत कुछ सुना है और मैं इसका हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं और अपनी ओर से बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करुंगा।मैं चेम्सफोर्ड में खेलने, एसेक्स सदस्यों और प्रशंसकों से मिलने और ऐसा प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हूं, जिस पर वे गर्व का अनुभव कर सकें।

चैड गेबल को कंधे पर गंभीर चोट, जुलाई में होगी सर्जरी

नई दिल्ली। डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार चैड गेबल को जुलाई के पहले हफ्ते में सर्जरी करानी पड़ेगी। मंडे नाइट रॉ के ताजा एपिसोड में पेंटा के साथ मुकाबले में उन्हें कंधे में गंभीर चोट लगी। मैच के दौरान पेंटा ने गेबल पर आर्मबार सबमिशन मूव लगाया, जिससे गेबल दर्द से चिल्लाते दिखे। बताया जा रहा है कि इस चोटिल एंगल को जानबूझकर बुना गया ताकि गेबल को पहले से लगी चोट की वजह से टीवी से हटाया जा सके।

दरअसल, मंडे नाइट रॉ में ब्रॉन ब्रेकर से हारने के बाद गेबल ने पेंटा को भड़काते हुए उसका मजाक उड़ाया और मास्क उतारने की धमकी दी। इस पर पेंटा ने जवाबी हमला किया और आर्मबार लगा दिया, जिससे गेबल का कंधा बुरी तरह मुड़ गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक गेबल को पहले से ही कंधे में चोट थी और इसी कारण डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई ने उन्हें स्टोरीलाइन में भी चोटिल दिखाकर ब्रेक दिलाने का प्लान बनाया।

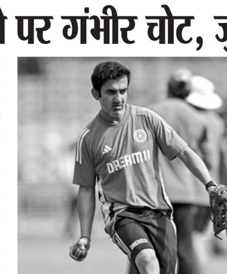

दिलचस्प बात यह है कि एल ग्रांडे अमेरिकानो नाम के एक और रेसलर को भी ठीक उसी तरह की चोट लगी। इसी वजह से कुछ फैंस का अंदाजा है कि गेबल ही एल ग्रांडे अमेरिकानो के गियर में डबल रोल निभा रहे थे, लेकिन इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

चैड गेबल डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई के सबसे हुनरमंद टेक्निकल रेसलर्स में गिने जाते हैं। उनके चोटिल होकर लंबे समय तक बाहर रहने से रॉ ब्रांड और टैग टीम डिवीजन को बड़ा झटका लगेगा। उन्हें सर्जरी के बाद रिकवरी में कई हफ्ते या महीने लग सकते हैं। फैंस और डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई को उम्मीद है कि वह जल्द स्वस्थ होकर रिंग में वापसी करेंगे। चोटों का यह दौर डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि हाल के हफ्तों में कई स्टार्स चोट की वजह से बाहर हो चुके हैं। अब सबकी नजर गेबल की सर्जरी और उनकी रिकवरी टाइमलाइन पर रहेगी।

जन-भागीदारी की शक्ति से बड़े-बड़े संकटों का किया जा सकता है मुकाबला

-पीएम मोदी ने मन की बात में आपातकाल का किया जिक्र, नेताओं के संदेश सुनाए

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 123वें एपिसोड में कई विषयों पर बात की। इनमें से एक अहम मुद्दा था 1975 में लगाया गया आपातकाल। इस दौरान पीएम मोदी ने देशवासियों को उस दौर की भयावहता और संकट से अवगत कराने कई नेताओं के ऑडियो संदेश सुनाए। इन ऑडियो के जरिए उन्होंने उस समय के हालात को प्रस्तुत किया, जब लोकतंत्र को कुचलने की कोशिश की गई थी। पीएम मोदी ने कहा कि जन-भागीदारी की शक्ति से, बड़े-बड़े संकटों का मुकाबला किया जा सकता है।

इसके बाद पीएम मोदी ने पूर्व पीएम मोरारजी देसाई का एक ऑडियो का उल्लेख किया, जिसमें देसाई जी ने आपातकाल की क्रूरता को बयां किया। मोरारजी देसाई ने कहा था, आखिर ये जो जुल्म हुआ दो साल तक जुल्म तो 5 से 7 साल से शुरू हो गया था। लेकिन वह शिखर पर पहुंच गया है दो साल में, जब लोगों पर इमरजेंसी थोप दी और अमानवीय बर्ताव किया गया। लोगों के स्वतंत्रता का हक छीन लिया गया। अखबारों की स्वतंत्रता भी छीन ली। अदालतें निर्बल बना दी गई। जिस ढंग से एक लाख से ज्यादा लोग जेल में बंद कर दिए और फिर सरकार की मनमानी होती रही, उसकी मिसाल दुनिया के इतिहास में मिलना मुश्किल है।

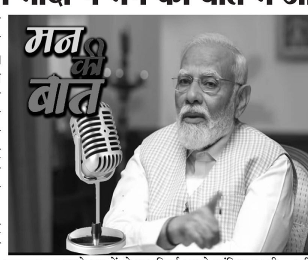

पीएम मोदी ने कहा कि मोरार देसाई ने संक्षेप में बहुत ही स्पष्ट तरीके से इमरजेंसी के बारे में बताया। आप कल्पना कर सकते हैं, वो दौर कैसा था। इमरजेंसी लगाने वालों ने ना सिर्फ हमारे संविधान की हत्या की बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को भी अपना गुलाम बनाना था। इस दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर यातनाएं दी गई। इसके ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जिन्हें कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। जॉर्ज फर्नांडिस को जंजीरों में जकड़ा गया। अनेक लोगों को कठोर यातनाएं दी गई। 'मीसा' के तहत किसी को भी ऐसे ही गिरफ्तार कर लिया जाता था। विद्यार्थियों को भी परेशान किया गया और अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंटा गया।

पीएम मोदी ने इस दौरान भारत की जनता की अदम्य शक्ति की सराहना की। उन्होंने कहा कि उस काले दौर में भी भारत की जनता न झुकी, न टूटी, और न ही लोकतंत्र के साथ कोई समझौता किया। आखिरकार जनता-जनार्दन की जीत हुई और आपातकाल को हटाने के साथ इसे थोपने वाली ताकतों को सत्ता से बाहर कर दिया गया। इस संदर्भ में पीएम मोदी ने बाबू जगजीवन राम का एक ऑडियो का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि पिछला चुनाव, चुनाव नहीं था। भारत की जनता का एक महान अभियान था। उस समय की परिस्थितियों को बदल देने का, तानाशाही की धारा को मोड़ देने का और भारत में प्रजातंत्र के बुनियाद को मजबूत कर देने का।

इसी तरह पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के बारे में पीएम मोदी ने कहा कि देश में जो कुछ हुआ, उसे केवल चुनाव नहीं कह सकते। एक शांतिपूर्ण क्रांति हुई है। लोकशक्ति की लहर ने लोकतंत्र की हत्या करने वालों को इतिहास के कूड़ेदान में फेंक दिया है।

पीएम मोदी ने यह भी बताया कि आपातकाल थोपे जाने के 50 साल पूरे हुए हैं। इस अवसर पर देशवासियों ने संविधान हत्या दिवस मनाया ताकि उस दौर की क्रूरता को याद किया जा सके और लोकतंत्र की रक्षा के लिए सजग रहा जाए। उन्होंने उन सभी वीरों को याद करने का आह्वान किया, जिन्होंने आपातकाल का डटकर मुकाबला किया और संविधान को सशक्त बनाया।

भारत का टीकाकरण वैश्विक स्तर पर बना मिसाल, जीरो-डोज बच्चों की संख्या भी घटी

नई दिल्ली। भारत ने टीकाकरण में उल्लेखनीय प्रगति की है। साल 2023 में डिप्थीरिया-टेटनस-पर्टुसिस (डीटीपी) टीके की पहली खुराक (पेंटा-1) का कवरेज 93 प्रतिशत रहा, जिसमें 2.65 करोड़ शिशुओं में से 2.47 करोड़ को टीका लगा। यह नाइजीरिया के 70 प्रतिशत की तुलना में काफी अधिक है। डीटीपी-1 से डीटीपी-3 तक ड्रॉपआउट दर 2013 में 7 प्रतिशत से घटकर साल 2023 में 2 प्रतिशत हो गई। खसरे के टीके का कवरेज भी 2013 के 83 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 93 प्रतिशत हो गया। एक हालिया अध्ययन में भारत को उन आठ देशों में शामिल किया गया, जहां जीरो-डोज बच्चे (यानी वे बच्चे जो नियमित टीके से वंचित हैं) की संख्या अधिक है। केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि भारत की बड़ी आबादी और वैक्सीनेशन रेट को ध्यान में रखना जरूरी है। सरकार ने बताया कि भारत का टीकाकरण कवरेज वैश्विक औसत से बेहतर है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, साल 2023 के डब्ल्यूयूईएनआईसी रिपोर्ट के मुताबिक, जीरो-डोज बच्चों की संख्या भारत की कुल आबादी का 0.11 प्रतिशत थी, जो 2024 में घटकर 0.06 प्रतिशत हो गई। यह यमन (1.68 प्रतिशत), सूडान (1.45 प्रतिशत), अंगोला (1.1 प्रतिशत), अफगानिस्तान (1.1 प्रतिशत), नाइजीरिया (0.98 प्रतिशत), डीआर कांगो (0.82 प्रतिशत), इथियोपिया (0.72 प्रतिशत), इंडोनेशिया (0.23 प्रतिशत), और पाकिस्तान (0.16 प्रतिशत) से काफी कम है। मंत्रालय ने कहा कि भारत की बड़ी आबादी और टीकाकरण दर को नजरअंदाज कर तुलना करना गलत है। लैंसेट अध्ययन के अनुसार, साल 2023 में विश्व के 1.57 करोड़ गैर-टीकाकृत बच्चों में से आधे से अधिक आठ देशों में थे, जिनमें भारत भी शामिल है। लेकिन भारत ने पोलियो (2014) और मातृ-नवजात टेटनस (2015) को खत्म करने के साथ-साथ 2025 में खसरा-रूबेला अभियान शुरू कर अपनी प्रतिबद्धता दिखाई।

कोलकाता कांड में नया खुलासा : हर लड़की को करता था प्रपोज

कोलकाता। कोलकाता गैंगरेप कांड पर अब सियासत भी खूब हो रही है। इस बीच कोलकाता कांड के मुख्य आरोपी मनोजित मिश्रा की कुंडली उसके क्लासमेट्स और जूनियर्स ने खोल दी है। गैंगरेप कांड के आरोपी मनोजित मिश्रा को साल 2021 में कॉलेज की तृणमूल इकाई से निष्कासित कर दिया गया था। वह हर आती-जाती लड़की को प्रपोज करता था। उसने बार-बार महिला छात्राओं को एक ही लाइन में प्रपोज किया था- 'तुई आमाय बिये कोरबी'। इसका मतलब था कि क्या तुम मुझसे शादी करोगी। आरोपी मनोजित मिश्रा ने उस लड़की को भी इसी तरह से प्रपोज किया था, जिसके साथ बुधवार को गैंगरेप किया गया।

जूनियर्स और उसके साथ पढ़ने वालों ने बताया है कि आरोपी मनोजित मिश्रा कैसा है, कैसे बहुत पहले से आरोपी पर उसकी नजर थी। उसने तो पीड़ित लड़की को प्रपोज तक किया था। जूनियर्स और क्लासमेट्स के मुताबिक, मनोजित मिश्रा साइकोपैथ यानी मनोरोगी है। मनोजित मिश्रा को मैंगो के नाम से भी जाना जाता है। वह लंबे समय से दिमागी रूप से बीमार यानी साइकोपैथ था। उसके दिमाग में केवल यौन हिंसा ही भरी रहती थी। रिपोर्ट के मुताबिक,एक कॉलेज के अंदरूनी सूत्र ने शनिवार को आरोप लगाया कि आरोपी मनोजित मिश्रा अक्सर लड़कियों की तस्वीरों को मॉर्फ करके दोस्तों के बीच शेयर करता था। महिलाओं के साथ अंतरंग क्षणों को फिल्माता था और उन्हें शेयर करता था। वह नियमित रूप से लड़कियों की बॉडी शेमिंग करता था। उसके खिलाफ छेड़छाड़, मारपीट, जबरन वसूली और उत्पीड़न की शिकायतें दर्ज की गईं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

कॉलेज के कई छात्रों ने कहा कि आरोपी मनोजित मिश्रा की कैंपस की इमारतों तक पहुंच अच्छी पहुंच थी। कॉलेज के कई व्हाट्सएप ग्रुपों में हेरफेर किया और सूचना प्रवाह को कंट्रोल किया। तीसरे साल के एक स्टूडेंट्स ने कहा, 'यह व्यक्ति और उसके साथी लड़कियों के लिए आतंक थे। अधिकारियों को सब कुछ पता था लेकिन उन्होंने उसे बचाया। हमने यहां तक कि शिक्षक-प्रभारी को औपचारिक यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कुछ नहीं हुआ।' वहीं, एक फर्स्ट ईयर के स्टूटेंट की मानें तो आरोपी मिश्रा असीमित शक्ति का इस्तेमाल करने वाला शख्स था। उसने कहा, 'उसके ग्रुप से जुड़े लोगों के पास कुछ भी करने की छूट थी।व्हाट्सऐप ग्रुप्स में अश्लील चुटकुले और तस्वीरें पोस्ट करना सामान्य बात थी। हम डर के मारे चुप रहे। एक अन्य छात्र ने बताया कि आरोपी मनोजित मिश्रा ने पिछले साल आरजी कर रेप-मर्डर मामले के विरोध में 'रिक्लेम द नाइट' आंदोलन में भाग लेने वाले छात्रों को धमकाया था और उन पर हमला किया था। कोलकाता लॉ स्टूडेंट गैंगरेप मामले में सह-आरोपी प्रोमित मुखर्जी उर्फ ??रिजू ने पिछले अगस्त में आरजी कर बलात्कार-हत्या मामले में आरोपियों के लिए मौत की सजा की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन में भाग लिया था।

भाजपा के नए अध्यक्ष की नियुक्ति में हो रही देरी के पीछे 'पार्टी का अपना संविधान' भी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति की प्रक्रिया में काफी देरी हो चुकी है। इसके पीछे तमाम राजनैतिक कारणों के अलावा पार्टी का अपना संविधान भी है। इसमें जिस तरह के नियम दिए गए है उसका पालन होने के बाद ही नियुक्ति होना संभव होता है। भाजपा के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तभी संभव होता है जब पार्टी के कम से कम 19 राज्यों में अध्यक्ष नियुक्त हो चुके हों। अभी तक पार्टी ने 37 में से 14 राज्यों में नए अध्यक्षों की घोषणा कर दी है। बाकी राज्यों जैसे कि उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में भी जल्द ही नियुक्तियां की जाएंगी। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि 18 राज्यों में जिला अध्यक्षों का चुनाव पूरा हो चुका है या अंतिम चरण में है। अगले कुछ हफ्तों में 19 राज्यों का आंकड़ा पूरा हो जाएगा।

भाजपा के संविधान में सभी स्तरों पर प्रमुखों के चुनाव के लिए एक ही फॉर्मूला तय किया गया है। आधे बूथ अध्यक्षों के चुनाव खत्म होने के बाद, मंडल प्रमुख का चुनाव होता है। आधे मंडल अध्यक्षों के चुनाव के बाद, जिला प्रमुखों के लिए रास्ता साफ हो जाता है। जब आधे जिला इकाई अध्यक्षों का चुनाव हो जाता है, तो प्रदेश अध्यक्ष के नाम की घोषणा की जा सकती है। 37 राज्यों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्षों के ऐलान के बाद पार्टी नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की ओर बढ़ती है। सियासी गलियारों में चर्चा है

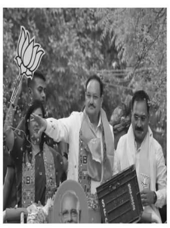

कि बीजेपी नेतृत्व और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच फिलहाल किसी एक नाम पर सहमति नहीं बनी है। हालांकि, भगवा पार्टी के सूत्र का कहना है कि जल्द ही इस पर आम सहमति बनने की संभावना है।पार्टी और संघ के बीच सहमति बनाने की प्रक्रिया चल रही है, जिससे चयन में थोड़ी देरी हुई। उम्मीदवार की उम्र, समाजिक पृष्ठभूमि और भौगोलिक क्षेत्र को ध्यान में रखा जा रहा है। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को ध्यान में रखते हुए रणनीति बनाई जा रही है। कुछ नाम जो चर्चा में हैं वे वर्तमान में केंद्रीय मंत्री हैं, इसलिए कैबिनेट में संभावित फेरबदल की भी बात की जा रही है।

पीएम की विदेश यात्रा के बाद ऐलान संभव

बीजेपी सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जुलाई के दूसरे सप्ताह में विदेश यात्रा से लौटने के बाद पार्टी नए अध्यक्ष की घोषणा कर सकती है। पार्टी ने इस बीच महाराष्ट्र, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के लिए चुनाव अधिकारी नियुक्त कर दिए हैं। भाजपा के नए अध्यक्ष के सामने कई चुनावी चुनौतियां होंगी। नए अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी को आगामी चुनावों का सामना करना है, जिनमें 2025 में ही होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव। इसके बाद 2026 में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम विधानसभा चुनाव शामिल है।

हरियाणा की महिला आईपीएस अधिकारी स्मिति चौधरी का नासिक में निधन, पति महाराष्ट्र पुलिस में हैं अधिकारी

नासिक, । महाराष्ट्र के नासिक में हरियाणा कैडर की आईपीएस अधिकारी स्मिति चौधरी का 48 साल की उम्र में निधन हो गया। वे खराब स्वास्थ्य के कारण छुट्टी पर थी। स्मिति चौधरी के पति राजेश कुमार महाराष्ट्र कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं। उनके पति राजेश कुमार वर्तमान में नासिक में महाराष्ट्र पुलिस अकादमी के निदेशक हैं। मिली जानकारी के अनुसार स्मिति चौधरी सितंबर 2023 से हरियाणा एसीबी में पुलिस अधीक्षक के पद पर थी। स्मिति पिछले कुछ समय से बीमार चल रही थीं। उनका इलाज चल रहा था। स्मिति ने 1998 में राजेश कुमार से शादी की थी। स्मिति पूर्व आईएएस अधिकारी जयवंती शेओकंद की बेटी थीं। नासिक में इलाज के दौरान उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई, जिसके कारण उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहाँ इलाज के दौरान स्मिति का निधन हो गया।

शेफाली जरीवाला केस में बड़ा खुलासा, एंटी एजिंग दवा बनी मौत की वजह?

मुंबई। कांटा लगा फेम एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला की मौत की पुलिस जांच में कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। जांच में पता चला है कि शेफाली पिछले सात-आठ सालों से नियमित रूप से एंटी एजिंग दवा ले रही थीं। 27 जून को उनके घर पर पूजा रखी गई थी, जिसके चलते शेफाली व्रत भी रखी थीं, लेकिन फिर भी उन्होंने उसी दिन दोपहर में एंटी एजिंग दवा का इंजेक्शन ले लिया। ये दवा उन्हें सालों से डॉक्टर की सलाह पर दी जा रही थीं और तब से वे हर महीने यही ट्रीटमेंट ले रही थीं। मुंबई पुलिस को शक है कि ये दवा उनकी अचानक मौत की बड़ी वजह हो सकती हैं, जो हार्ट अटैक की वजह से हुई। घटना के वक्त रात 10 से 11 बजे के बीच शेफाली की तबीयत अचानक खराब हुई, उनका शरीर कांपने लगा और वे बेहोश हो गईं। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। घटना के वक्त घर पर शेफाली के पति पराग, मां और कुछ अन्य सदस्य मौजूद थे। फोरेंसिक टीम ने उनके घर से एंटी एजिंग पिल्स, विटामिन सप्लीमेंट और गैस्ट्रिक से जुड़ी कई दवाइयां बरामद की हैं। पुलिस ने अब तक इस मामले में आठ लोगों के बयान दर्ज किए हैं, जिनमें परिवार के सदस्य, घरेलू नौकरों और बेलव्यू अस्पताल के डॉक्टर शामिल हैं। पुलिस शेफाली की मौत की जांच कर रही है। जांच के दौरान किसी तरह के विवाद या लड़ाई के संकेत नहीं मिले हैं। पुलिस और फोरेंसिक टीम अब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और दवाओं की लैब जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है, ताकि मौत की असली वजह का पता चल सके। मामले की जांच जारी है और जल्द ही पूरी रिपोर्ट सामने आने की उम्मीद है। ज्ञात हो कि शेफाली को 27 जून की देर रात अचानक दिल का दौरा पड़ा था। इसके बाद उनके पति पराग त्यागी और तीन अन्य लोग उन्हें मुंबई के बेलव्यू मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शेफाली जरीवाला 2002 में 1972 की फिल्म समाधि में लता मंगेशकर की क्लासिक गाने कांटा लगा के रीमिक्स में नजर आई थीं।

बख्तियारपुर में सीएम नीतीश के साथ मंच पर नजर आए बेटे निशांत

पटना,। बिहार के सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार सार्वजनिक जीवन से दूरी बनाए रखते हैं। हालांकि अब वह धीरे-धीरे सियासी मंच पर अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं। शनिवार को बख्तियारपुर में नवनिर्मित रिवरफ्रंट और घाट के उद्घाटन के मौके पर निशांत अपने पिता के साथ नजर आए। इस आयोजन ने न केवल बख्तियारपुर के लिए एक नई सौगात दी, बल्कि निशांत की बढ़ती सार्वजनिक सक्रियता ने सियासी गलियारों में बाजार गर्म कर दिया है। लोग चर्चा कर रहे हैं क्या निशांत, जो अब तक शादी-ब्याह जैसे पारिवारिक आयोजनों तक सीमित थे, अब राजनीति में अपनी पारी शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं? यह सवाल जनता दल (यूनाइटेड) (जेडीयू) के कार्यकर्ताओं से लेकर विपक्षी दलों तक के बीच चर्चा का विषय बन गया है।

बख्तियारपुर नीतीश कुमार की जन्मस्थली और सियासी कर्मभूमि है। 28 जून को नीतीश और निशांत ने यहां गंगा किनारे नवनिर्मित रिवरफ्रंट और सीढ़ी घाट का उद्घाटन किया था। इस मौके पर नीतीश ने क्षेत्र के विकास कार्यों की सराहना की और कहा कि बख्तियारपुर का यह रिवरफ्रंट न केवल स्थानीय लोगों के लिए सुविधा लाएगा, बल्कि पर्यटन और धार्मिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगा। उन्होंने गंगा आरती में भी हिस्सा लिया, जिसने इस आयोजन को और भव्य बनाया है।

वहीं निशांत ने कहा कि बख्तियारपुर मेरा, मेरे पिता और दादा-दादी का घर है। मैं यहीं पला-बढ़ा हूं और मेरी बचपन की कई यादें इससे जुड़ी हैं। निशांत की यह बात और अपने पिता के साथ मंच साझा करना सियासी हलकों में चर्चा का विषय बन गई। 49 साल के निशांत कुमार बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी), मेसरा से सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग हैं। वह अब तक राजनीति से दूरी बनाए ही रखते थे। नीतीश कुमार भी हमेशा परिवारवाद की आलोचना करते रहे हैं। हालांकि, 2025 की शुरुआत से निशांत की सार्वजनिक उपस्थिति बढ़ने लगी। जनवरी 2025 में, बख्तियारपुर में स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्तियों के अनावरण के दौरान निशांत ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपने पिता और जेडीयू के लिए वोट मांगने की अपील की थी।

नीतीश कुमार 2005 से ही लगातार बिहार के सीएम हैं। वह अब 74 साल के हैं और उनके स्वास्थ्य को लेकर अटकलें लगती रहती हैं। बिहार में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं, और जेडीयू के सामने अपने भविष्य को सुरक्षित करने की चुनौती है।

ईरान-इजराइल युद्ध का असर, भारत में ड्राई फरूट्स व सेंधा नमक की कीमतें बढ़ी

नई दिल्ली। ईरान-इजराइल युद्ध का असर अब भारत के थोक बाजारों पर दिख रहा है। सेंधा नमक और ड्राई फरूट्स की कीमतों में जबरदस्त उछाल देखा जा रहा है। बीते 15 दिनों में इन उत्पादों के दाम 20 से 25 फीसदी तक बढ़ गए हैं। थोक व्यापारियों के मुताबिक सेंधा नमक और ड्राई फरूट्स मुख्य रूप से ईरान, इराक और खाड़ी देशों से भारत में आयात होता है। ईरान-इजराइल युद्ध और क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण इन देशों से माल की आपूर्ति पर असर पड़ा है, जिससे बाजार में उपलब्धता घट गई और कीमतें बढ़ गईं हैं।

व्यापारियों की मानें तो काजू, बादाम, पिस्ता, खजूर, केसर जैसे उत्पादों की कीमतों में उछाल आया है। वहीं, सेंधा नमक भी महंगा हो गया है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान से आने वाले उत्पादों के विरोध ने भी स्थिति को और बिगाड़ दिया है। प्रयागराज के व्यापारियों ने बताया कि पाकिस्तान से माल लेना बंद होने के बाद ज्यादातर सामान ईरान और खाड़ी देशों से मंगवाया जा रहा है, लेकिन युद्ध के चलते वहां से भी आपूर्ति पर असर हुआ है। प्रयागराज के एक थोक व्यापारी का कहना है कि ड्राई फरूट्स और सेंधा नमक की कीमतें रोज बदल रही हैं। सप्लाई कम है। एक किलो सेंधा नमक जो पहले 50 रुपए में मिलता था, अब 70-80 रुपए में मिल रहा है। ड्राई फरूट्स के तो और भी बुरे हाल हैं। कुछ व्यापारियों ने केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की बात कही है। एक व्यापारी ने कहा कि हमें भरोसा है कि सरकार इन हालात पर काबू पा लेगी और बाज़ार को स्थिर हो जाएगा।

बस एक बटन दबते ही हो जाएगा मानवता का विनाश?

-दुनिया में युद्ध और तनाव के चलते विशेषज्ञों ने दी चेतावनी

नई दिल्ली। रुस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-ईरान तनाव और वैश्विक अस्थिरता से दुनिया जूझ रही है। वहीं परमाणु हथियारों की होड़ मची है। वैज्ञानिक और सुरक्षा विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि यदि यह रफ्तार जारी रही तो मानवता फिर से उसी विनाशकारी दौर में पहुंच जाएगी, जहां सिर्फ एक बटन बदते ही पूरी दुनिया तबाह हो जाएगी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक 2025 की शुरुआत तक दुनिया में कुल 12,241 परमाणु हथियार हैं, जिनमें से करीब 9,600 हथियार सक्रिय सैन्य स्टॉक में हैं यानी किसी भी वक्त इस्तेमाल किए जा सकते हैं। इन हथियारों में से ज्यादातर अमेरिका और रूस के पास हैं, जो मिलकर दुनिया के 87 फीसदी परमाणु जखीरे पर नियंत्रण रखते हैं। इनके अलावा ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल जैसे देश भी इसमें शामिल हैं।

इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि इन हथियारों में से कई ऐसे ठिकानों पर रखे गए हैं जिनका कोई रिकॉर्ड नहीं है। ये अंडरग्राउंड बंकरों, गुप्त सैन्य ठिकानों और समुद्र के नीचे तैनात परमाणु पनडुब्बियों में लगातार सक्रिय हैं और इनकी निगरानी गोपनीय तरीके से की जा रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका ने अपने कई परमाणु हथियार न केवल खुद की धरती पर बल्कि यूरोप के कई देशों जैसे जर्मनी, बेल्जियम, नीदरलैंड, इटली और तुर्की में भी तैनात कर रखे हैं। ये हथियार आम तौर पर दिखाई नहीं देते, क्योंकि इन्हें एयरबेस के नीचे बने बंकरों में रखा गया है। वहीं रूस ने हाल ही में बेलारूस में टैक्टिकल न्यूक्लियर हथियार तैनात करने की बात कही थी, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। चीन और उत्तर कोरिया जैसे देशों का परमाणु नेटवर्क तो पूरी तरह गोपनीय है, जिससे इनके इरादों का अनुमान लगाना बहुत मुश्किल है। इजराइल ने भी रहस्यमयी ढंग से इन्हें छिपा रखा है। यह दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जिसने न तो अपने पास परमाणु हथियार होने की पुष्टि की है और न ही इसका खंडन किया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इजराइल के पास करीब 90 परमाणु हथियार हैं, जो नेगेव रेगिस्तान, डिमोना परमाणु केंद्र और अन्य अज्ञात जगहों पर छिपा कर रखे गए हैं। इसे रणनीतिक अस्पष्टता कहा जाता है, जिससे दुश्मनों को भ्रम में रखा जाता है। एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया एक बार फिर उसी परमाणु युग में लौट रही है, जो कभी 1960 और 70 के दशक में देखा गया था। फर्क सिर्फ इतना है कि अब ये हथियार छोटे, स्मार्ट और कहीं ज्यादा खतरनाक हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अब परमाणु हथियार डर पैदा करने की बजाय असुरक्षा की भावना को जन्म दे रहे हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या हम फिर से उस खतरनाक मोड़ पर पहुंच रहे हैं जहां एक गलती पूरी मानवता के विनाश का कारण बन सकती है?

ट्रेन में नहीं चल रहा एसी, कोई बात नहीं आईआरसीटीसी पूरा पैसा रिफंड देगा

नई दिल्ली। देश के करोड़ रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। भारतीय रेलवे की टिकट बुकिंग वेबसाइट आईआरसीटीसी ने एक नई सुविधा शुरू की है। अब अगर आपकी ट्रेन लेट होती है या एसची कोच में ठंडक नहीं मिलती, तब आपको पूरा टिकट का पैसा वापस मिल सकता है। यह फैसला यात्रियों की परेशानी को कम करने के लिए हुआ है। दरअसल कई बार लोग ट्रेन में देरी या एससी न चलने की शिकायत करते हैं, लेकिन अब आईआरसीटीसी ने उनकी मदद के लिए यह कदम उठाया है।

आईआरसीटीसी की नई पॉलिसी यात्रियों को राहत देगी। मान लीजिए आप दिल्ली से मुंबई जा रहे हैं, और ट्रेन 5 घंटे लेट होती है, या एससी कोच में ठंडक नहीं मिलती। पहले आपको सिर्फ आंशिक रिफंड मिलता था, लेकिन अब अगर ये दिक्कतें होती हैं, तब पूरा टिकट का पैसा वापस मिलेगा। यह सुविधा खास तौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो लंबी यात्रा करते हैं और समय की कीमत समझते हैं।

ट्रेन अगर 3 घंटे से ज्यादा लेट होती है। एससी कोच में ठंडक 2 घंटे से ज्यादा समय तक न मिले। तब आपको आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शिकायत दर्ज करानी होगी। रिफंड के लिए 24 घंटे के अंदर अप्लाई करना जरूरी है। रिफंड लेना बहुत आसान है, और इसके लिए आपको आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर जाना होगा। फिर रिफंड या परेशानी ऑप्शन ढूंढें और क्लिक करें। अपनी टिकट का पीएनआर नंबर, यात्रा की तारीख, और परेशानी (ट्रेन लेट या एसी खराब) बताएं।

पहली ही बारिश के बाद स्थानीय बस स्टैंड सहित यात्री प्रतिक्षालयों की हालत हुई खराब

यात्री मजबूरी में कुछ समय ठहरने को हो रहे मजबूर, साफ-सफाई सहित अव्यवस्थाओं का आलम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। 27 और 28 जून से हो रही रुक-रुक कर बारिश से शहर सहित कुछ क्षेत्र की स्थिति बिगड़ चुकी है । यहां साफ सफाई आदि का अभाव देखने को मिल रहा है। ऐसा ही नजारा शहर के स्थानीय बस स्टैंड में देखने को मिला । जहां शहर के दोनों ही यात्री प्रतीक्षालय में खड़े यात्रीयों को यहां कुछ समय ठहरने के लिए काफी परेशानी हुई । जहां कुछ यात्रियों ने बताया कि यात्री प्रतीक्षालय में अव्यवस्थाओं के साथ-साथ गंदगी का आलम है। जिससे उन्हें मजबूरी में यहां कुछ समय खड़ा होना पड़ रहा है । जबकि देखा जाए तो बड़े महानगरों में यात्री प्रतीक्षालय साफ सुथरा व लाइट आदि की व्यवस्थाएं होती है । किंतु यहां किसी प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं है उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि दोनों ही यात्री प्रतीक्षालय में साफ सफाई के साथ-साथ बैठने के पुख्ता इंतजाम किए जाएं।

आपको बता दे कि चुनाव के समय नेताओं द्वारा जनता से बड़े-बड़े वादे किये जाते है लेकिन चुनाव जीतने के बाद जनता से किये वादों को नेताजी भूल जाते है। जिला मुख्यालय स्थित बस स्टैंड को मॉडल बस स्टैण्ड की तर्ज पर विकसित किये जाने कई बार वादा किया गया व योजनाएं भी तैयार की गई। लेकिन अभी तक मॉडल बस स्टैंड तो नहीं बना पर अव्यवस्थाओं का बोलबाला यहां जरूर नजर आ रहा है। जहां देखो वहां अव्यवस्था का आलम है। चाहे वह यात्री प्रतीक्षालय की बात करें या तो फिर बस स्टैंड से लगे दानवीर मुलना गार्डन की बात क्यों ना करें। जबकि नपा के द्वारा यह आश्वासन दिया गया था कि सबसे पहले दानवीर मुलना गार्डन को सुसज्जित और सुंदर बनाया जाएगा किंतु अभी तक ऐसा कुछ भी बनता नही दिख रहा है। बस स्टैण्ड में यात्रियों को मूलभूत सुविधाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। यात्री प्रतीक्षालय में गंदगी पसरी रहती है। जिससे यात्री प्रतीक्षालय में बैठना पसंद नहीं करते है। बता दें कि यहां शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं है और ना ही यात्रियों के लिए बैठने की व्यवस्थित जगह है। जबकि कुछ ही मीटर पर नपा का कार्यालय है। इसके बावजूद भी यहां पर संबंधित अधिकारियों द्वारा ध्यान नहीं दिया जाता है। और ना ही बस स्टैंड को मॉडल बस स्टैंड बनाने के लिए कोई प्रयास किए जा रहे हैं।

मुलना जी की प्रतिमा के सामने रहते है यात्री खड़े

आपको बता दें कि जैसे ही कोई भी यात्री बस स्टैंड में आता है तो उसे यात्री प्रतीक्षालय की व्यवस्थाओं को देखते हुये उसे वहा बैठना पसंद नहीं करता और वहां दानवीर मुलना जी की प्रतिमा के पास अपने वाहन को खड़ा करके वहीं पर वह खड़ा हो जाता है देखा जाए तो यहां पर दुर्घटना होने की भी सम्भावना बनी रहती हैं लेकिन व्यवस्थाएं ना होने के कारण कुछ लोग यहां पर मजबूर हो कर यहाँ खड़े होते हैं एवं वाहन को भी यहां पर खड़ा कर देते हैं जिससे अव्यवस्था तो होती है पर उन्हें कुछ देर खड़े रहने के लिए समय मिल जाता है।

मुलना गार्डन में नही हुआ सुधार

आपको बता दें कि नगर पालिका के द्वारा बीते दिनों मुलना गार्डन को व्यवस्थित करने के लिए इसके पास से अतिक्रमण हटाया गया था एवं कुछ अतिक्रमणकारियों को यहां से अन्यत्र स्थान भेजा गया था किंतु जब इस गार्डन में नगर पालिका की ओर से कोई भी निर्माण काम नहीं किया गया तो फिर से अतिक्रमणकारियों के द्वारा पुनः वहीं पर अपनी दुकानें लगाकर फिर से गार्डन को उसी स्थिति में बना दिया गया और अब यह पूर्ण तरह दुकानवालों के द्वारा इस गार्डन को कचरे रखने का घर बना दिया गया है।

दो मोटरसाइकिल के बीच हुई आपसी भिड़त में युवक घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। तेज रफ्तार दो मोटरसाइकिल के बीच हुई आपसी भिड़ंत में एक मजदूर युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सड़क दुर्घटना का ताजा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम छोटी कुम्हारी और बड़ी कुम्हारी के बीच का है। जहां दो मोटरसाइकिल की आमने-सामने से हुई सीधी भिड़ंत में ग्राम सेरवी निवासी 23 वर्षीय युवक मोहित पिता दिलीप पारधी गंभीर रूप से घायल हो गया।जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका उपचार जारी है।

मजदूरी कर, वापस घर लौट रहा था मोहित

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सेरवी निवासी मोहित मजदूरी का काम करता है।जो रोजाना की तरह मजदूरी का कार्य करने के लिए मोटरसाइकिल से बालाघाट आया हुआ था। जहां से वापस घर सेरवी जाते समय यह सड़क हादसा हुआ। बताया गया कि जैसे ही मोहित ग्राम छोटी कुम्हारी और बड़ी कुम्हारी के बीच पहुंचा वैसे ही दूसरी तरफ से एक मोटरसाइकिल में सवार होकर चार युवक आ रहे थे। जिसके चालक ने तेज रफ्तार से लापरवाही पूर्वक मोटरसाइकिल चलाते हुए ,उसे ठोस मार दी जिससे दोनों मोटरसाइकिल में सवार सभी चारों लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। जिसमें मोहित गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे स्थानीय लोगों की मदद से उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है। जहां उसका उपचार जारी है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने की छापामार कार्यवाही

खाद्य सामग्री के 12 नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गये

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। आम जन को मिलावट रहित एवं गुणवत्ता युक्त सामग्री उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा खाद्य सामग्री विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की निरंतर जांच की जा रही है। इसी कड़ी में 29 जून को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने नगरीय क्षेत्र बालाघाट में खाद्य सामग्री विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों पर छापामार कार्यवाही कर 12 नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला जांच के लिए भोपाल भेजे है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग बालाघाट द्वारा 29 जून को बालाघाट शहर के बैहर रोड स्थित कायनात होटल, होटल ताज दरबार एवं कादरी बिरयानी रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया गया एवं उपयोग किए हुए खाद्य तेल के नमूने जांच के लिए एकत्र किये गए । इसके साथ ही मिर्च, गरम मसाला, हल्दी आदि के नमूने भी जांच के लिए एकत्र किये गये है। इस प्रकार विभिन्न खाद्य सामग्री के कुल 12 नमूने लेकर राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल जांच के लिए भेजे गए हैं । निरीक्षण के दौरान कायनात होटल में अस्वच्छता, अनहाइजीनिक स्थिति एवं अस्त-व्यस्त रखरखाव तथा गंदगी के कारण उसे इन सब में सुधार करने के लिए नोटिस जारी किया गया है और नियत समय सीमा में व्यवस्थायें ठीक करने के निर्देश दिये गये है। अन्यथा कायनात होटल के संचालक के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 की धारा 32 के अंतर्गत दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी । प्रयोगशाला जांच में खाद्य सामग्री के नमूने अमानक पाये जाने पर संबंधित विक्रेता एवं निर्माता के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही की जायेगी। 29 जून की इस कार्यवाही में खाद्य सुरक्षा अधिकारी वाजिद मोहिब एवं योगेश कुमार डोंगरे उपस्थित थे।

गोंगलई से नवेगांव बायपास मार्ग गड्ढों में तब्दील

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। गोंगलई से नवेगांव बायपास मार्ग इन दिनों बहुत अधिक खराब हो चुका है। सड़क पूरी तरह से गड्ढों में तब्दील हो चुकी है और यहां से आवागमन करने वाले वाहन चालक जब इस मार्ग से गुजरते हैं तो उन्हें दुर्घटना की आशंका सता रही है। जबकि देखा जाए तो बीते दिनों विभाग द्वारा कहा जा रहा था कि उन्होंने इस मार्ग को पक्का बनाने के लिए विभाग से बजट भी मांगा है। लेकिन सूत्रों की माने तो बड़ा बजट होने के कारण विभाग ने उन्हें अभी तक बजट जारी नहीं किया है। यही कारण है कि इस मार्ग को अभी तक पक्का नहीं बनाया गया है और इन दिनों पहले ही बारिश होने के बाद सड़क पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो गयी है ।

आपको बता दे कि बारिश शुरू होते ही जिले का प्रमुख गोंगलई से नवेगांव बायपास मार्ग खस्ताहाल स्थिति में पहुंच गया है। सडक़ों पर गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिनमें पानी भर जाने से वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राहगीरों को हिचकोले खाते हुए सफर करना पड़ रहा है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, सरेखा रेलवे क्रॉसिंग पर बनाए जा रहे ओवर ब्रिज (आरओबी) का निर्माण कार्य अब तक अधूरा है। इसके कारण मार्ग को अस्थायी रूप से डायवर्ट कर गायखुरी-गोंगलई-नवेगांव बायपास से आवागमन कराया जा रहा है। लेकिन यह वैकल्पिक मार्ग पूरी तरह जर्जर हो चुका है। गोंगलई से लेकर नवेगांव रेलवे पुल तक का यह मार्ग जगह-जगह गड्ढों में तब्दील हो गया है। बारिश में ये गड्ढे जलभराव से भर जाते हैं, जिससे उनका अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है और वाहन चालकों के लिए यह जानलेवा साबित हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मिनटों का सफर अब घंटों में तय करना पड़ रहा है। इसके बावजूद प्रशासनिक तंत्र द्वारा मार्ग की मरम्मत या सुधार के कोई ठोस प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। लोगों ने जल्द से जल्द सडक़ मरम्मत की मांग की है ताकि यात्रा सुगम और सुरक्षित हो सके।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट